शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 14 | गुवाहाटी | सोमवार, 7 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

त्रिपुरा की जनजातीय पार्टियों के लिए जातीय पहचान का दावा महज... पेज 3
भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण जैसी बुराइयां भारत छोड़ो : प्रधानमंत्री पेज 4
प्रधानमंत्री का लक्ष्य भारत को नम्बर-1 बनाना : केशव प्रसाद मौर्य पेज 5
प्रधानमंत्री ने बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण की रखी आधारशिला पेज 8

बीरेन सरकार को झटका केपीए ने वापस लिया समर्थन

इंफाल। मणिपुर में सीएम एन बीरेन सिंह की सरकार को बड़ा झटका लगा है। एनडीए सहयोगी कुकी पीपुल्स अलायंस ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। रविवार शाम को पार्टी ने ये फैसला लेकर इसकी घोषणा कर दी है। मणिपुर में बीते मई महीने से तनाव जारी है। राज्य में जारी हिंसा और तीन महीने बाद भी हालात सामान्य न होने के बीच पार्टी ने ये फैसला किया है। राज्य सरकार में कुकी पीपुल्स अलायंस के दो विधायक थे। केपीए के जिन दो विधायक ने बीरेन सरकार से समर्थन वापस लिया है, उनमें, किम्नेओ हैंगशिंग (सैकुल) और चिनलुन्थांग (सिंगाट) शामिल हैं। कुकी पीपुल्स अलायंस ने ये फैसला ऐसे वक्त में लिया है, जब विधानसभा सत्र 21 अगस्त को शुरू हो सकता है। मणिपुर मंत्रिमंडल ने राज्यपाल अनुसुडया उड़के से 21 अगस्त से विधानसभा का सत्र आहूत करने की सिफारिश की थी, लेकिन इस सत्र में अधिकांश कुकी विधायकों के हिस्सा लेने की संभावना नहीं के बराबर थी। इस पहले, कुकी पीपल्स अलायंस के अध्यक्ष तोंगमांग हाओकिप ने कहा था कि राज्य में जारी हिंसा और अलग प्रशासन को लेकर कुकी समुदाय की मांगों पर अब तक कोई समाधान नहीं निकल सका है जिस वजह से कुकी-जोमी-हमार विधायकों के लिए विधानसभा सत्र में शामिल लेना संभव नहीं होगा। मणिपुर विधानसभा में भाजपा के 32 सदस्य हैं, जबकि उसे पांच एनपीएफ विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। विपक्षी विधायकों में एनपीपी के सात, कांग्रेस के पांच और जदयू के छह विधायक शामिल हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

बर्बरता के मामले में पांच पुलिसकर्मी निलंबित

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने उस इलाके के थाना प्रभारी सहित पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है जहां चार मई को भीड़ द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना हुई थी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 19 जुलाई को घटना का वीडियो सामने आने के तुरंत बाद मणिपुर पुलिस ने थौबल जिले के नोंगपोक सेकमई पुलिस थाने के प्रभारी और चार अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का फैसला किया। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर पुलिस राज्य में हिंसा के चक्र को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जो तीन मई को बहुसंख्यक मैतई और आदिवासी कुकी समुदाय के बीच शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि पुलिस यह -शेष पृष्ठ दो पर

असम के 56 रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के 508 रेलवे स्टेशनों के साथ ही असम के 56 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन में बदलने के लिए वीडियो कांफ्रेंस के जरिए रिमोट का बटन दबाकर शिलान्यास किया। इस अवसर पर लामडिंग मंडल के अधीनस्थ 15 रेलवे स्टेशनों का भी शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर राजधानी गुवाहाटी के नारंगी रेलवे स्टेशन पर एक भव्य शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ हेमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में इस कार्यक्रम के दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने स्टेशन का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री ने बताया कि 600 करोड रुपए की लागत से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन को भी अत्याधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे एवं असम सरकार के पदाधिकारी मौजूद थे। इस योजना के तहत पुनर्विकास के लिए अब तक भारतीय रेल के 1309 स्टेशनों -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी स्टेशन के पुनर्निर्माण पर 600 करोड़ होगें खर्च : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। रविवार को गुवाहाटी के नारंगी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि 600 करोड़ रुपए की लागत से राजधानी के पलटन बाजार स्थित गुवाहाटी रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण कराया जाएगा। इस विशेष योजना के तहत देश के 50 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है। सरकार का लक्ष्य दो साल -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने लिया निर्माणाधीन कार्यों का जायजा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों और 100 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं के ठेकेदारों के साथ बैठक की। राजधानी दिसपुर जनता भवन स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय सभागृह में आयोजित इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विभागीय पदाधिकारियों तथा ठेकेदारों को राज्य में चल रहे सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करने संबंधी निर्देश दिए। -शेष पृष्ठ दो पर

बहुविवाह खत्म करने का बिल जल्द होगा पेश : हिमंत

गुवाहाटी। असम बहुविवाह की प्रथा को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ने जा रहा है। एक विशेषज्ञ समिति की ओर से बहुविवाह को खत्म किए जाने को लेकर कानून बनाने की असम की क्षमता पर रिपोर्ट सौंपे जाने के चंद घंटों बाद, राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज रविवार को कहा कि इस मसले पर इसी वित्तीय वर्ष में एक कानून पेश किया जाएगा। गुवाहाटी में सीएम शर्मा ने कहा कि विशेषज्ञ समिति ने आज जो अपनी रिपोर्ट सौंपी है, उसने सर्वसम्मति से यह सहमति जताई है कि राज्य बहुविवाह को खत्म करने के लिए अपने यहां खुद कानून बना सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि रिपोर्ट में सर्वसम्मति से यह बात कही गई है कि राज्य सरकार बहुविवाह को लेकर कानून -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

फ्लाई ओवर ब्रिज का उद्घाटन जल्द : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में एक समारोह में यह घोषणा की कि मालीगांव फ्लाईओवर ब्रिज का उद्घाटन 28 अगस्त को किया जाएगा। इस घोषणा के बाद गुवाहाटी के लोगों ने राहत की सांस ली। इस फ्लाईओवर का निर्माण पिछले साल 2020 में शुरू किया गया था। पिछले कुछ सालों से मालीगांव फ्लाईओवर के निर्माण के दौरान प्रतिदिन काफी ट्रैफिक जाम लगा रहता हैं और कई दुर्घटनाएं भी हुई थीं। उल्लेखनीय हैं कि गौतम कंस्ट्रक्शन और अनुपम प्राइवेट लिमिटेड को इस सबसे लंबे -शेष पृष्ठ दो पर

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व अनेक भव्य योजनाएं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले तैयारियों में तेजी आने के बीच मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए 15 अगस्त तक चलने वाले सप्ताह में एक विशेष एजेंडा अपनाने की घोषणा की। आज गुवाहाटी के जनता भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले विस्तृत योजनाओं की घोषणा की। सीएम शर्मा ने कहा कि 8 अगस्त को राज्य की हर गांव पंचायत में साइनबोर्ड और तख्तियां लगाई जाएंगी साथ ही सभी ग्राम पंचायतों में विशेष चिन्ह भी लगाए जाएंगे। इन साइनबोर्ड पर स्वतंत्रता सेनानियों, शहीद सेना के जवानों और शहीद असम पुलिस कर्मियों के नाम होंगे। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना के अनुरूप होगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अगर किसी विशेष गांव में कर्तव्य के दौरान मारा गया कोई भी व्यक्ति या कोई स्वतंत्रता सेनानी नहीं है, तो उस गांव में स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वालों के नाम साइनबोर्ड पर लगाए जाएंगे। 9 से 15 अगस्त के बीच और भी कई योजनाएं हैं। सीएम शर्मा ने राज्य के हर गांव के लोगों से साइनबोर्ड के पास इकट्ठा होने और पंचप्राण संकल्प या अमृत काल के पांच मूल सिद्धांत यानी भारत के विकास का लक्ष्य, औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को खत्म करना, सम्मान और गौरव, हमारी जड़ें, एकता का विकास और नागरिकों में कर्तव्य की भावना को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इसका एक वीडियो कैप्चर किया जाएगा और पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी पर आदिवासियों का भारत बंद आज

नई दिल्ली। अब तक बेहद हंगामेदार रहे संसद सत्र में सोमवार को भी सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। विपक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता को अब तक बहाल न किए जाने को मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर सकता है तो सात अगस्त को ही कुछ आदिवासी संगठनों ने भारत बंद का आयोजन किया है। इस बंद का झारखंड सहित चुनावी राज्यों मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में असर हो सकता है। इससे भी केंद्र सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद ने सोमवार 7 अगस्त को भारत बंद का एलान करते हुए कहा है कि समान नागरिक संहिता आदिवासियों के हितों को चोट पहुंचाने वाली है। आदिवासी समुदायों के विभिन्न समाजों में धार्मिक-सामाजिक परंपराएं अलग-अलग हैं। समान नागरिक संहिता में सबके लिए एक समान कानून बनाने से आदिवासियों की परंपराओं को चोट पहुंच सकती है। यह आदिवासियों की मूल पहचान को भी प्रभावित कर सकती है जिसे सुरक्षित रखे जाने की गारंटी संविधान के अंतर्गत दी गई है। परिषद के नेता भारती सिंह ने -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

वर्ल्ड कप : पाकिस्तानी क्रिकेट टीम सात साल बाद भारत आएगी

नई दिल्ली। दुनियाभर के क्रिकेट फैंस को वनडे वर्ल्ड कप में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की टक्कर देखने को मिलेगी, अब ये पक्का हो गया है। भारत में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तानी टीम को भेजने को लेकर जो अड़चनें आ रही थीं, वो अब दूर हो गई हैं। पाकिस्तान सरकार ने आखिरकार अपनी टीम को वर्ल्ड कप के लिए भारत भेजने की इजाजत दे दी है। इसके साथ ही 7 साल के इंतजार के बाद पाकिस्तानी टीम फिर भारत आएगी। इससे पहले 2016 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप में 14 अक्तूबर को टक्कर हो सकती है। ये मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान : रेल हादसे में 30 की मौत

रावलपिंडी। पाकिस्तान में एक बड़ा रेल हादसा सामने आया है। रावलपिंडी जा रही हजारा एक्सप्रेस की 10 बोगियां पटरी से उतर गई, जिसमें 30 लोगों की मौत हुई है। पाकिस्तान के एक न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ये हादसा रविवार को शहजादपुर और नवाबशाह के बीच स्थित सहारा रेलवे स्टेशन के पास हुआ है। रावलपिंडी जाने वाली हजारा एक्सप्रेस ट्रेन के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 30 लोगों की मौत हुई है और 80 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इस ट्रेन दुर्घटना के बाद सिंध के आंतरिक जिलों से आने-जाने वाली ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया गया है। साथ ही मौके पर पहुंचे बचाव दल ने घायलों को नवाबशाह के पीपुल्स मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने के पीछे का कारण का पता नहीं चल पाया है। रेलवे मंडल अधीक्षक रहमान ने पुष्टि की है कि ट्रेन -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अविनीत व्यक्ति को स्नेही होने पर भी मंत्रणा में नहीं रखना चाहिए।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

पानीपत : नकाबपोश बदमाशों ने झुग्गियां व दुकानें तोड़ीं

पानीपत। नूंह हिंसा तो थम गई है लेकिन कहीं-कहीं उसकी चिंगारी अभी भी धधक रही है। हिंसा को देखते हुए प्रदेश के कई जिलों में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है तो वहीं इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है। पानीपत में कुछ शरारती तत्वों ने एक बार फिर से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की है। एक विशेष समुदाय के लोगों पर बाइक सवार कुछ लोगों ने हमला कर दिया है। इतना ही नहीं, नकाबपोश बदमाशों लाठी-डंडो से झुग्गियां और दुकानें तोड़ दी। इस वारदात के बाद के महिलाओं समेत कई -शेष पृष्ठ दो पर

508 रेलवे स्टेशनों की बदलेगी सूरत : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अमृत भारत स्टेशन स्कीम की शुरुआत की। इसके तहत देश भर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास किया जाएगा। इस मौके पर पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रेलवे में जितना काम हुआ है, वह हर किसी को प्रसन्न और हैरान करती है। दुनिया में दक्षिण अफ्रीफा, यूक्रेन, पोलैंड, यूके और स्वीडन जैसे देशों में जितना रेल नेटवर्क है उससे अधिक रेल ट्रैक हमारे देश में इन 9 वर्षों में बिछाए गए हैं। साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कुल जितना रेल ट्रैक है उससे अधिक रेल ट्रैक भारत में अकेले पिछले साल बनाए हैं। पीएम मोदी ने इस ऐतिहासिक पल के मौके पर कहा कि 2030 तक भारत एक ऐसा देश होगा जिसकी रेलवे नेट जीरो उत्सर्जन पर चलेगी। हमारा जोर भारतीय रेलवे को आधुनिक बनाने के साथ ही पर्यावरण फ्रेंडली बनाने पर भी है। जल्द भारत के शत प्रतिशत रेलवे ट्रैक इलैक्ट्रीफाइड होने जा रहे हैं। बिजली बनाने वाले रेलवे स्टेशनों का संख्या भी 1200 से ज्यादा हो गई है। हमारा लक्ष्य यही है कि आने वाले समय में सभी स्टेशन ग्रीन एनर्जी बनाए। देशभर में रेलवे स्टेशनों का शिलान्यास समारोह ऐतिहासिक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत होगा। इससे पहले शनिवार को प्रधानमंत्री ने इस कदम की सराहना की और कहा कि यह परियोजना *ईज ऑफ लिविंग* को बढ़ावा देगी और आराम के साथ-साथ सुविधा भी बढ़ाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि लगभग 25,000 करोड़ रुपए की लागत से किया जाने वाला पुनर्विकास देश में रेल बुनियादी ढांचे की कल्पना में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि कल, 6 अगस्त, रेलवे क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। सुबह 11 बजे, ऐतिहासिक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भारत भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी जाएगी। लगभग 25,000 करोड़ रुपए की लागत से, पुनर्विकास हमारे देश -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदी का गुलाम नहीं बनेंगे : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि हम हिंदी का गुलाम नहीं बनेंगे। गृह मंत्री शाह ने हिंदी को स्वीकार करने पर बयान दिया था, जिसपर सीएम स्टालिन का यह बयान आया है और उन्होंने शाह के बयान की निंदा की है। बता दें कि शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली में आधिकारिक भाषा पर संसद की समिति की 38वीं बैठक की अध्यक्षता की थी। बैठक के दौरान शाह ने कहा कि हिंदी को बिना विरोध के स्वीकार किया जाना चाहिए, भले ही स्वीकृति की गति धीमी हो। इसके साथ ही गृह मंत्री शाह ने कहा कि हिंदी का अन्य भाषाओं से प्रतिस्पर्धा में नहीं है और सभी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD**, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर : भीड़ ने 15 घरों को फूंका, एक युवक को मारी गोली

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में फिर से हिंसा भड़क गई और 15 घरों को आग के हवाले कर दिया गया है। साथ ही साथ फायरिंग की भी बात सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति को गोली लगी है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है। उनका कहना है कि ये घटना उस समय हुई जब शनिवार शाम लैंगोल खेल गांव में भीड़ ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों ने सख्ती दिखाई और स्थिति को नियंत्रण करने के लिए उन्होंने कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। अधिकारियों का कहना है कि इस हिंसा में एक 45 साल के युवक को गोली मारी गई है। उसकी बायीं टांग में गोली लगी। घायल युवक को क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि जिले में रविवार सुबह स्थिति में सुधार देखा गया है। हालांकि प्रतिबंध में कोई ढील नहीं दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि इंफाल पूर्वी जिले में भी हिंसा हुई है। बताया गया है कि चेकोन इलाके शनिवार को एक बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान को आग के हवाले कर दिया गया है, जिसमें बड़ा नुकसान हुआ है। साथ ही साथ आसपास के तीन घरों को फूंक दिया गया। हालांकि आग पर दमकलकर्मियों ने काबू पा लिया। इसके अलावा कांगपोकपी जिले में सुरक्षाबलों और उपद्रवियों के बीच जमकर फायरिंग भी हुई है। ये घटना न्यू कीथेल्मनबी पुलिस थाना क्षेत्र के ए मुंगचमकोम में हुई। सुरक्षाबलों ने एक उपद्रवी को पकड़ा और उसके पास से 50 राउंड वाली एक एसएलआर जब्त की। बताया गया है कि 27 विधानसभा क्षेत्रों की समन्वय समिति की ओर से 24 घंटे की हड़ताल के दौरान ये हिंसा भड़की, जिसकी वजह से इंफाल घाटी में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। राज्य में जातीय हिंसा 3 मई को शुरू हुई हिंसा थी। पिछले तीन महीनों से जारी हिंसा में 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, पुलिस एक्शन में अब तक लूटे गए 1195 हथियार बरामद कर लिए गए हैं।

त्रिपुरा के सीएम ने क्षतिग्रस्त भारत-बांग्लादेश सीमा बाड़ की मरम्मत का दिया आश्वासन

अगरतला। शनिवार को उनाकोटि जिले के चांदीपुर-श्रीरामपुर क्षेत्र के दौरे पर, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भारत-बांग्लादेश सीमा बाड़ के कुछ हिस्सों की मरम्मत के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। नदी के कटाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गए, सरकार ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान के माध्यम से जानकारी दी। बयान के मुताबिक, सीएम ने सीमावर्ती इलाके के दौरे के दौरान स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। स्थानीय लोगों ने सीएम को बताया कि सीमा पर बाड़ को नुकसान पहुंचने से अवैध वस्तुओं की तस्करी, घुसपैठ और मवेशी चोरी को बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष प्राथमिकता से उठाया जाएगा। त्रिपुरा सीएम आधिकारिक बयान में सीएम साहा के हवाले से कहा गया, नदी के कटाव के कारण क्षतिग्रस्त भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा की मरम्मत के लिए जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री के साथ समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा मंत्री टिंकू रॉय, एआरडीडी मंत्री सुधांगशु दास, उनाकोटी जिला मजिस्ट्रेट और एसपी, बीएसएफ अधिकारी और ग्राम प्रधान भी थे। जून में, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) त्रिपुरा ने एक भारतीय नागरिक को पकड़ा और 5, 59, 125 रुपए मूल्य की एस्कुफ सिरप की 3, 195 बोतलें जब्त कीं, जिन्हें बांग्लादेश में तस्करी कर ले जाया जा रहा था। पीएम ने रुपए की लागत से रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की आधारशिला रखी अप्रैल में, त्रिपुरा पुलिस ने कहा कि उसने 2.5 करोड़ रुपए की प्रतिबंधित दवाएं जब्त कीं। इसमें कहा गया है कि राज्य भर में सप्ताह भर चले *एंटी नारकोटिक्स स्पेशल ड्राइव* के दौरान 245 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 50 मामले दर्ज किए गए। इससे पहले, बीएसएफ के एक बयान में कहा गया था कि त्रिपुरा के सीमांत या सीमावर्ती इलाकों में तैनात सतर्क सैनिक सीमा पार तस्करों के खिलाफ सक्रिय अभियान चला रहे हैं, जिससे विभिन्न प्रतिबंधित वस्तुओं को जब्त किया जा रहा है।

पत्थर मारकर छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में हिंसा और हत्या की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। रविवार को गुवाहाटी में एक और नृशंस हत्या हुई। छोटे भाई की उसके बड़े भाई ने पत्थर मार मारकर हत्या कर दी। हत्या राजधानी के मठघरिया में हुई। हत्या के शिकार की पहचान सुनील राय के रूप में हुई है। हत्यारे बड़े भाई का नाम हीरालाल राय है। दोनों के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। इस संघर्ष के परिणामस्वरूप, यह भयानक घटना हुई। हीरालाल राय ने छोटे भाई पर पत्थरों से हमला कर दिया। लोगों की मदद से परिजन सुनील राय को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) ले गए। लेकिन, अस्पताल में डॉक्टरों ने सुनील राय को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अब तक हत्यारे भाई को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

चोरी की दो स्कूटी बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पलटन बाजार पुलिस और दिसपुर पुलिस ने अलग-अलग अभियान के दौरान दो स्कूटी बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि पलटन बाजार थाना क्षेत्र साउथ सरनिया इलाके से चोरी की गई एक स्कूटी (एएस-01बीके-0920) को बरामद किया गया। वहीं दिसपुर पुलिस की टीम ने पलटन बाजार थाना क्षेत्र के कृष्णनगर से चोरी की गई स्कूटी (एएस-01डीआर-4029) को बरामद किया। दोनों मामलों में पुलिस अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रंगापाड़ा रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण की रखी गई आधारशिला

शोणितपुर (हिंस)। आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कन्फ्रेस के जरिए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के कुल 508 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाने के लिए आधारशिला रखी। जिसमें रंगापाड़ा नार्थ रेलवे जंक्शन भी शामिल है। इस दौरान रंगापाड़ा रेलवे बुकिंग के समीप विशाल पंडाल में डिस्प्ले के जरिए यह आधारशिला कार्गयक्रम का प्रसारण किया गया। इस मौके पर रंगापाड़ा के विधायक कृष्ण कमल तांती, तेजपुर लोक सभा सांसद पल्लव लोचन दास, रंगिया रेलवे डिविजन के एडीआरएम आरएस बोरदोलोई, शोणितपुर जिला उपायुक्त देव कुमार मिश्र साथ ही पुलिस प्रशासन और रंगापाड़ा के सैकड़ों लोग उपस्थित थे। इसके अलावे रेलवे कर्मचारी और रंगापाड़ा पौर सभा के चेयरमैन उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुरुआती समय मंच पर आमंत्रित अतिथियों को रेलवे अधिकारियों ने फुलाम गामोछा से स्वागत किया और उपस्थित सांसद तथा विधायक एवं रेलवे अधिकारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जुबिन का शो देखकर लौट रहे युवक की हादसे में मौत

दरंग (हिंस)। राज्य के प्रसिद्ध गायक, संगीतकार, अभिनेता जुबिन गर्ग का शो देखकर लौट रहे एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार मृतक युवक की पहचान सिपाझाड़ के धीरज डेका के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मृतक का बाइक सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया, जिससे यह हादसा हुआ। शनिवार की देर रात जुबिन का शो देखने के बाद घर लौटते समय यह हादसा हुआ।

नदी में डूबकर छात्र की मौत, हत्या का आरोप

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ में नदी से एक छात्र के डूबकर मौत की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई है। रविवार को उसका शव नदी में मिला। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार चिरांग जिले के कोयलामयला के हातिमारा निवासी सानस्रांग नार्जारी बालागांव के सेंट एन्स कॉलेज में उच्चत्तर माध्यमिक प्रथम वर्ष का छात्र था। छात्र कॉलेज के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। बताया गया कि सान्स्रांग अपने दोस्तों के साथ शनिवार को गौरांग नदी में नहाने गया था। रविवार तड़के उसका शव गौरांग नदी में मिला। परिवार ने आरोप लगाया कि साथ दोस्तों ने मिलकर उसकी हत्या की है। आरोप है कि घटना के संबंध में परिवार को बहुत देर से सूचित किया गया था। परिवार के अनुसार, अधिकारियों ने रात करीब 11 बजे परिवार को सूचित किया। जिसके लिए स्कूल के फादर और सिस्टर पर लापरवाही का भी आरोप लगा है। शव मिलने के बाद गुस्साए लोगों ने सेंट ऐन्स कॉलेज के हॉस्टल के फर्नीचर को क्षतिग्रस्त कर दिया।

पृष्ठ एक का शेष

बीरेन सरकार को ...

केपीए के अध्यक्ष तोंगमांग हाओकिप की पार्टी कुकी पीपुल्स अलायंस (केपीए) ने मार्च, 2022 में मणिपुर में सरकार के गठन के लिए भाजपा को अपना समर्थन दिया था। उन्होंने उस वक्त अपने दो नवनिर्वाचित विधायकों किमनेओ हाओकिप हैंगशिंग और चिनलुनथांग के साथ मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन को अपना समर्थन पत्र सौंपा था। हैंगशिंग कांगपोकपी जिले के सैकुल निर्वाचन क्षेत्र से जीतकर विधानसभा पहुंचे थे तो वहीं, चिनलुनथांग चुराचांदपुर जिले के सिंघाट से विजयी हुए थे। केपीए के समर्थन वापस लेने के बावजूद राज्य में सीएम एन बीरेन सिंह और भाजपा की सरकार को कोई खतरा नहीं है। क्योंकि भाजपा के पास विधानसभा में सबसे अधिक 32 सदस्य हैं तो वहीं पांच एनपीएफ विधायकों का समर्थन भी मिला हुआ है। तीन निर्दलीय विधायक भी भाजपा के साथ हैं, ऐसे में 60 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा (एनडीए) के पास अभी भी 40 विधायक हैं, जो सरकार को बहुमत में रखे हुए हैं। उधर मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच मणिपुर मंत्रिमंडल ने राज्यपाल अनुसुइया उइके से 21 अगस्त से विधानसभा का सत्र आहूत करने की सिफारिश की, लेकिन इस सत्र में अधिकांश कुकी विधायकों के हिस्सा लेने की संभावना नहीं है। एक टेलीफोनिक इंटरव्यू में चुराचांदपुर के भाजपा विधायक एलएम खौते ने कहा कि मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति और मणिपुर में जारी हिंसा को देखते हुए आगामी सत्र में भाग लेना मेरे लिए संभव नहीं होगा। बता दें कि चुराचांदपुर सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में से एक है। हाल ही में कुकी समुदाय द्वारा अलग प्रशासन की मांग के खिलाफ मैतेई समुदाय ने एक रैली का आयोजन किया था जिसमें घाटी के पांच जिलों के हजारों लोगों ने हिस्सा लिया था। ऐसे में भाजपा विधायक ने कहा कि सभी कुकी-जोमी विधायकों के लिए विधानसभा सत्र में हिस्सा लेना संभव नहीं होने वाला। 60 सदस्यीय विधानसभा में कुकी-जोमी विधायकों की संख्या दस हैं, जिनमें भाजपा के सात, कुकी पीपुल्स अलायंस के दो और एक निर्दलीय विधायक शामिल हैं। कुकी पीपुल्स अलायंस (केपीए) प्रमुख तोंगमांग हाओकिप ने कहा कि विधायकों के लिए इंफाल जाना सुरक्षित नहीं होगा... एक भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे के साथ वहां बुरी तरह मारपीट की गई, वह अभी भी चिकित्सा देखभाल में हैं। उन्होंने कहा कि इस आशंका को तभी दूर किया जा सकता है जब विधायकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएं। वहीं, कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम), कुकी छात्र संगठन (केएसओ), कुकी चीफ्स एसोसिएशन (केएसएएम) और कुकी महिला संघ (केडब्ल्यूयू) सहित कुकी संगठनों के एक गुट ने भी विधायकों से विधानसभा सत्र में सम्मिलित होने के लिए इंफाल की यात्रा करने से परहेज करने को कहा है। सनद रहे कि मणिपुर की आबादी में मैतेई समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 53 फीसद है और वे मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासियों की आबादी 40 फीसद है और यह लोग पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

बर्बरता के मामले ...

सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि कानून और व्यवस्था में गिरावट के मुद्दे को तत्काल आधार पर संबोधित किया जाए। अधिकारियों ने कहा कि उदाहरण के लिए,सेना और असम राइफल्स सहित अन्य एजेंसियों की मदद से हम आवश्यक आपूर्ति को अधिशेष मात्रा में रखने में कामयाब रहे हैं। अधिकारियों में से एक ने कहा कि यह खेती का मौसम है और हम पूरी तरह से शांति लौटने का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए हमें इसका प्रबंधन करना होगा। इसका मतलब है कि पुलिस बल को तलहटी में स्थानांतरित करना होगा, जहां प्रसिद्ध काले चावल के लिए खेती की जाती है। विभिन्न मामलों में अब तक करीब 300 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जातीय संघर्ष के दौरान कई जीरो एफआईआर दर्ज की गई हैं और हर दावे की जांच की जानी है। अधिकारियों ने बताया कि बिष्णुपुर जिले के नारनसीना में स्थित दूसरी इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के मुख्यालय से हाल ही में हथियारों और करीब 19,000 गोलियों की लूट के संबंध में समयबद्ध जांच शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि महानिरीक्षक रैंक का एक अधिकारी जांच का नेतृत्व कर रहा है जो छह सप्ताह के भीतर पूरी हो जाएगी। उन्होंने बताया कि चुराचांदपुर की ओर मार्च करने के लिए तीन अगस्त को वहां भीड़ जमा हुई थी, जहां आदिवासी उसी दिन राज्य में हुई जातीय झड़पों में मारे गए अपने लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने की योजना बना रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि पिछले महीने हवाईअड्डे के बाहर महानिरीक्षक रैंक के एक अधिकारी पर हमले के बाद 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नगा मारिंग महिला की 15 जुलाई को नृशंस हत्या के सिलसिले में पांच मीरा पैबिस (महिला मशाल वाहक) सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में बिना किसी घटना के एक दिन को *हिंसा की अनुपस्थिति* कहा जाता है और इसे सामान्य चीज के रूप में नहीं देखा जाता है। चीजें सामान्य होने से पहले अभी लंबा रास्ता तय करना है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मैतई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए गए थे जिसके बाद तीन मई से शुरू हुए जातीय संघर्ष में 160 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और सैकड़ों लोग घायल हो गए थे।

असम के 56 रेलवे ...

का चयन किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूसी रेलवे के कुल 91 स्टेशनों का चयन किया गया है। इनमें से 56 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला आज रखी गई। 56 स्टेशनों में असम के 32 स्टेशन, त्रिपुरा के 03 स्टेशन, पश्चिम बंगाल के 16 स्टेशन, बिहार के 03 स्टेशन और नगालैंड एवं मेघालय के एक-एक स्टेशन है। पूसी रेलवे के अधीन 91 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए 5100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें 1960 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग इन 56 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए किया जाएगा। अमृत भारत योजना के तहत लामडिंग मंडल में लामडिंग रेलवे स्टेशन (40 करोड़ रुपए), अरुणाचल (29.2 करोड़ रुपए), कुमारघाट (30.24 करोड़ रुपए), धर्मनगर (32.6 करोड़ रुपए), न्यू करीमगंज (30.82 करोड़ रुपए), उदयपुर (33.82 करोड़ रुपए), न्यू हाफलोंग (35 करोड़ रुपए), लंका (30.1 करोड़ रुपए), होजाई (30.1 करोड़ रुपए), जागीरोड (31.18), चापरमुख (31.87 करोड़ रुपए), नारेंगी (33.23 करोड़ रुपए), डिफू (32 करोड़ रुपए), सरूपथार (31 करोड़ रुपए) तथा डीमापुर (266.66 करोड़ रुपए) की लागत से अपग्रेड किया जाना है। प्रधानमंत्री ने इस अमृत भारत स्टेशन के माध्यम से रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड करने और यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान करने की पहल की है।

गुवाहाटी स्टेशन के ...

में इन रेलवे स्टेशनों को अत्याधुनिक बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर में सबसे अधिक रेलवे स्टेशन होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है, तब से रेलवे उत्तरोत्तर प्रगति की राह पर अग्रसर होता रहा है। उन्होंने कहा कि सिंगल लाइन को डबल लाइन में कन्वर्ट किया गया। डीजल इंजन को बदलकर पूर्वोत्तर के सभी रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया गया। इस दौरान अनेक स्टेशनों को अत्याधुनिक बनाया गया। एक से बढ़कर एक रेलगाड़ियां देश में चलाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में रेलवे की सूरत में और भी चार चांद लग जाएंगे, जब ये सभी अमृत भारत स्टेशन बनकर तैयार हो जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के साथ गुवाहाटी की सांसद डॉ क्वीन ओझा, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य महाप्रबंधक, रेलवे एवं असम सरकार के कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल रहे। स्टेशन का वर्चुअली शिलान्यास करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक को संबोधित भी की।

मुख्यमंत्री ने लिया ...

इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में चल रहे 10 मेडिकल कॉलेजों और गुवाहाटी के दूसरे मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इन कार्यों को समय पर पूरा होना ही होगा। मुख्यमंत्री ने इस बैठक के दौरान अलग-अलग योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अलाबोई रण स्मृति क्षेत्र जैसी प्रमुख परियोजनाओं को बिना देरी किए हुए समय पर पूरा करने को कहा।

बहुविवाह खत्म करने ..

बना सकती है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में एक अलग बात यह कही है कि बिल पर अंतिम सहमति राज्यपाल की जगह राष्ट्रपति से लेनी होगी, जो अन्य राज्य से जुड़े कानूनों पर अंतिम हस्ताक्षर करते हैं। असम के मुख्यमंत्री से जब यह पूछा गया कि क्या राज्य बहुविवाह को खत्म किए जाने को लेकर कानून लाएगा, इस पर उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया। उन्होंने साफतौर पर कहा कि निश्चित तौर पर यह बिल से इसी वित्तीय वर्ष में पेश किया जाएगा। हालांकि समिति की ओर से पेश रिपोर्ट की सामग्री और सिफारिशें सार्वजनिक नहीं की गई हैं। इससे पहले आज रविवार को बहुविवाह को खत्म किए जाने को लेकर कानून बनाने के लिए राज्य विधानमंडल की विधायी क्षमता की जांच करने के लिए असम सरकार द्वारा गठित की गई विशेषज्ञ समिति ने मुख्यमंत्री को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। सीएम शर्मा ने समिति की ओर से रिपोर्ट सौंपने और दस्तावेज के कवर की तस्वीरें ट्विटर पर शेयर कीं। सीएम शर्मा ने 12 मई को जस्टिस (रिटायर) रूमी कुमारी फुकन की अगुवाई में चार सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। फुकन के अलावा, इस समिति के अन्य सदस्यों में राज्य के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया, वरिष्ठ अतिरिक्त महाधिवक्ता नलिन कोहली और वरिष्ठ अधिवक्ता नकीब-उर-जमान शामिल थे। समिति के सदस्य नकीब-उर-जमान ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा ने बहुविवाह को खत्म करने को लेकर कानून बनाने के लिए राज्य की विधायी क्षमता की जांच को एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। अब हमने अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है। यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी गई है। असम सरकार ने 18 जुलाई को समिति का कार्यकाल बढ़ाते हुए 13 जुलाई से 12 अगस्त तक बढ़ा दिया था। विशेषज्ञ समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत पेश करने के लिए 60 दिनों की समय सीमा दी गई थी। इस बीच पिछले महीने 13 जुलाई को सीएम शर्मा ने कहा था कि हमारी सरकार ने समिति से जुड़े अधिकारियों को बता दिया है कि वह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के समर्थन में है और राज्य में बहुविवाह पर तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि समान नागरिक संहिता ऐसा मामला है जिस पर फैसला संसद की ओर से लिया जाएगा, लेकिन राष्ट्रपति की सहमति से कोई भी राज्य इस पर फैसला ले सकता है।

हालांकि विपक्षी दल को सरकार की यह कोशिश रास नहीं आई और उसने सरकार के फैसले को ध्यान भटकाने वाला और सांप्रदायिक करार दिया।

फ्लाई ओवर ब्रिज...

फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण का काम सौंपा गया है। करीब चार सौ कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। ज्ञात हो कि मालीगांव से कामाख्या गेट तक (2992) मीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण 420.75 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। अनुमान है कि इस फ्लाईओवर के निर्माण के बाद पांडु, मालीगांव के लोगों को भीषण ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह बातें शनिवार को श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम मैं हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही।

स्वतंत्रता दिवस के ...

9 अगस्त से 14 अगस्त के बीच प्रत्येक ग्राम पंचायत को 75 पौधों का रोपण सुनिश्चित करने के उपाय करने होंगे। नगर निगमों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में भी 75 पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने योजनाओं के बारे में आगे बताते हुए कहा कि 14 अगस्त को हम पूरे राज्य में *विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस* मनाएंगे। असम पुलिस 13 अगस्त को एक विशेष परेड निकालेगी। इसके बाद सीएम शर्मा ने राज्य के लोगों से 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से *हर घर तिरंगा* मनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने हर गांव से मिट्टी एकत्र करने की योजना की घोषणा करते हुए एक भव्य आयोजन की जानकारी दी। सीएम शर्मा ने बताया कि यह प्रक्रिया 23 अगस्त से शुरू होने वाली है। प्रत्येक गांव से एकत्र की गई सभी मिट्टी को संबंधित पंचायत में जमा करना होगा। संबंधित पंचायत के अंतर्गत प्रत्येक गांव से एकत्रित की गई मिट्टी को वहां मिलाया जाएगा और 25 अगस्त को मिट्टी को संबंधित प्रखंड कार्यालय ले जाया जाएगा। वहां मिश्रित मिट्टी को बर्तनों में भरा जाएगा, जिसे फिर गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में भेजा जाएगा, जहां 26 अगस्त को मिट्टी से भरे सभी बर्तनों के लिए पूजा की जाएगी। उन्होंने कहा कि मिट्टी एकत्र करने की प्रक्रिया राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत सेवारत युवाओं या असम सरकार द्वारा बिहू नृत्य के विश्व रिकॉर्ड प्रयास में भाग लेने वाले युवाओं द्वारा की जाएगी। वहां से एक-एक मटका राज्य सरकार रखेगी, जबकि बाकी दिल्ली भेजा जाएगा। मिट्टी से भरे बर्तन 27 अगस्त से 30 अगस्त के बीच नई दिल्ली पहुंचेंगे। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कर्तव्य पथ पर पार्क बनाया जाएगा जहां इस मिट्टी का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा, एकत्र की गई मिट्टी का उपयोग असम के गोहपुर में कनकलता बरुआ विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए भी किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा रखी गई मिट्टी का उपयोग इस कार्य के लिए किया जाएगा। इस आयोजन के साथ ही प्रदेश एवं देश की जनता आजादी का अमृत महोत्सव के तहत मनाए जाने वाले समारोहों का समापन देखेगी।

वर्ल्ड कप : पाकिस्तानी...

मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने रविवार 6 अगस्त को एक बयान जारी कर टीम को भारत भेजने के फैसले का एलान किया। अपने बयान में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वो खेल और राजनीति को मिक्स नहीं करना चाहते और इसलिए अपनी टीम को वर्ल्ड कप 2023 के लिए भारत भेजने का फैसला किया है। मंत्रालय ने साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के आपसी संबंधों को दोनों देशों के खेल से जुड़े मामलों के बीच में नहीं आना चाहिए। वर्ल्ड कप के लिए टीम को भेजने पर फैसला लेने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक कमेटी बनाई थी, जिसके प्रमुख विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी थे। इसमें सरकार के कई अन्य मंत्री भी थे। इस हफ्ते की शुरुआत में ही कमेटी की बैठक हुई थी, जिसमें भुट्टो समेत ज्यादातर मंत्रियों ने टीम को भारत भेजने का समर्थन किया। इसके बाद ही सरकार ने टीम को भेजने का फैसला किया।

पाकिस्तान : रेल हादसे ...

दुर्घटना में 10 डिब्बे पटरी से उतरे हैं। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी प्राप्त की जा रही है। वहीं, पुलिस ने कहा कि प्रभावित बोगियों से यात्रियों को निकालने के लिए टीमें मौके पर मौजूद हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, दुर्घटना के बाद आसपास के अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया गया है।

यूसीसी पर आदिवासियों ...

आदिवासियों के साथ-साथ मणिपुर का मुद्दा भी उठाया है। उन्होंने कहा है कि मणिपुर में आदिवासियों की बड़ी संख्या है और सरकार वहां पर आदिवासियों के हितों को सुरक्षा देने में असफल साबित हुई है। सोमवार के बंद के जरिए वे इन आवाजों को उठाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, आदिवासी समुदाय के भाजपा नेता समीर ओरांव ने अमर उजाला से कहा कि अब तक आदिवासियों के नाम पर नकारात्मक राजनीति की जाती रही है। उन्हें कोई मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने का कोई काम नहीं हुआ है और इसका सबसे बड़ा प्रमाण है कि स्वतंत्रता के 75 साल बाद भी आदिवासी इलाकों में कोई विकास नहीं हुआ है। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में आदिवासी इलाकों में भारी विकास किया गया है। इन इलाकों में रोजगार की संभावनाएं पैदा कर आदिवासी युवाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश की गई है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का ही परिणाम है कि आज आदिवासी समुदाय अपने अंदर एक नई ऊर्जा महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की विकासवादी नीतियों के कारण ही विपक्ष को अपनी राजनीति सिमटती दिखाई पड़ रही है, यही कारण है कि आदिवासियों को एक बार फिर समान नागरिक संहिता के नाम पर भड़काने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अब यह कोशिश सफल नहीं होगी क्योंकि आदिवासी समुदाय भी विपक्ष की इन चीजों को अब समझने लगा है।

508 रेलवे स्टेशनों की...

में रेल बुनियादी ढांचे की कल्पना में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। यह *जीवन जीने में आसानी* को बढ़ावा देगा और आराम के साथ-साथ सुविधा भी बढ़ाएगा। साथ ही, उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष ध्यान रखा गया है कि स्टेशन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला के अनुरूप हो। भारत में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की सराहना करते हुए, पीएम मोदी ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि भारत के स्टेशन आधुनिक होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह देखते हुए कि रेलवे देश भर के लोगों के लिए परिवहन का पसंदीदा साधन है, उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया है। अमृत भारत स्टेशन योजना देश भर में 1,309 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए शुरू की गई थी। ये 508 स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 55-55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22 स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा, गुजरात और तेलंगाना में 21-21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 18-18, हरियाणा में 15, कर्नाटक में 13 और अन्य कई राज्यों के कई स्टेशन शामिल हैं। पुनर्विकास यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए यातायात परिसंचरण, अंतर-मोडल एकीकरण और अच्छी तरह से डिजाइन किए गए साइनेज को सुनिश्चित करने के साथ-साथ आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान करेगा। स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा।

हिंदी का गुलाम ...

भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने से ही देश सशक्त होगा। मैं हिंदी स्वीकृति के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की कड़ी निंदा करता हूं। यह गैर-हिंदी भाषियों को अपने अधीन करने का एक प्रयास है। तमिलनाडु किसी भी प्रकार के हिंदी आधिपत्य और थोपने को अस्वीकार करता है। हमारी भाषा और विरासत हमें परिभाषित करती है, हम हिंदी के गुलाम नहीं होंगे। सीएम स्टालिन ने गृह मंत्री शाह से कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में हिंदी को थोपे जाने के विरोध पर ध्यान दिलाया। एमके स्टालिन ने कहा कि कर्नाटक, पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्य भी हिंदी थोपे जाने का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री जी कृपया बढ़ते प्रतिरोध पर ध्यान दें। साथ ही उन्होंने कहा कि 1965 के हिंदी विरोधी आंदोलन की चिंगारी को भड़काना एक मूर्खतापूर्ण कदम होगा।

पानीपत : नकाबपोश बदमाशों ...

लोगों को गंभीर चोटें भी आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार धमीजा कॉलोनी में चिकन कॉर्नर की दुकान पर तोड़फोड़ करने के बाद रविवार को दिन दहाड़े कई बाइक सवार नकाबपोश शरारती तत्वों द्वारा पानीपत के उझा रोड और सेक्टर 25 कृष्णा गार्डन के पास दुकानों में तोड़फोड़ वह मारपीट की वारदात को अंजाम दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शी और पीड़ितों ने बताया यह शरारती तत्वों ने दुकानों में जमकर तोड़फोड़ की बाइकों पर हमले किए।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(मन)

अक्षर से मन ऊपजे, जड़ चेतन नहिं रूप।
मध्यम अंश प्रमाण है, आगान्तुक भव रूप॥ 19॥

शब्दार्थ : (मध्यम) बीच (आगन्तुक) अलग।

भाष्य : अक्षर से मन प्रकट होता है। वह जड़ या चेतनस्वरूप नहीं है। मन दोनों से अलग आगंतुक चेतन है। उसका मध्यम अंश है अर्थात जड़-चेतन दोनों से भिन्न तत्व है। यही इसका परिमाण यानी नाप-जख है।

विद्युत से गति चपल है, मन कर चाल अपार।
इन्द्रिन संचालन करे, कर्म वर्ण विस्तार॥ 20॥

शब्दार्थ : (विद्युत) बिजली (चपल) तेज, प्रखर।

भाष्य : विद्यु से भी मन की गति तेज है एवं मन की चाल अपार है। वह इंद्रियों का संचालन कर, कर्म और वाणी का विस्तार करता है। आत्मा इन्हीं कर्म और क्षर वर्णों में भूलकर अपने चेतन स्वरूप तथा परब्रह्म को न प्राप्त कर, अनेक जन्मों से आवागमन के दु:ख को प्राप्त कर रही है।

त्रिपुरा की जनजातीय पार्टियों के लिए जातीय पहचान का दावा महज चुनावी अनुष्ठान

अगरतला। पिछले साढ़े पांच दशकों में त्रिपुरा में आदिवासी-आधारित पार्टियों ने आदिवासी स्वायत्त निकाय के निर्माण, आदिवासी कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि, पारंपरिक प्रथागत कानूनों को अपनाने, पारंपरिक पहनावे सहित आदिवासी-केंद्रित मांगें उठाईं। इसके बावजूद गंभीर विचारधारा के अभाव में, वे अपने दम पर बहुत कम उपलब्धि हासिल कर सकीं। त्रिपुरा में 1967 के बाद से एक दर्जन से अधिक आदिवासी-आधारित पार्टियां उभरीं और उन्होंने राज्य की चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की कोशिश की, लेकिन किसी विचारधारा के बिना उनकी मुद्दा-आधारित राजनीति के कारण उनके मुद्दों का समाधान होने के बाद या मुद्दे अप्रासंगिक होने के कारण उनका अस्तित्व समाप्त हो गया। त्रिपुरा की 40 लाख की आबादी में से 19 समुदायों वाले आदिवासी एक-तिहाई हैं और 60 विधानसभा सीटों में से 20 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। यहां के आदिवासी हिंदू और ईसाई दोनों धर्मों के मानने वाले हैं। राज्य की दो लोकसभा सीटों में से एक - त्रिपुरा पूर्व आदिवासियों के लिए आरक्षित है, जो आर्थिक स्थिति के मामले में पूर्वोत्तर क्षेत्र और देश के अन्य हिस्सों के अन्य राज्यों के आदिवासियों से बेहतर हैं। जून 1967 में पहली प्रमुख जनजातीय पार्टी के रूप में त्रिपुरा उपजाति जुबा समिति (टीयूजेएस) का गठन किया गया, जिसने जनजातीय स्वायत्त निकाय के निर्माण सहित कुछ जनजातीय-केंद्रित मांगें उठाईं। माकपा के नेतृत्व वाले वामपंथी दलों, टीयूजेएस और कांग्रेस नेताओं के एक वर्ग द्वारा लगातार आंदोलन के बाद आदिवासियों के राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हितों की रक्षा तथा सुरक्षा के लिए संविधान की छठी अनुसूची के तहत 1985 में त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) का गठन किया गया था। टीटीएएडीसी का त्रिपुरा के 10, 491 वर्ग किमी क्षेत्र के दो-तिहाई से अधिक क्षेत्र पर अधिकार है। इस क्षेत्र में 12, 16, 000 से अधिक घर हैं, जिनमें से लगभग 84 प्रतिशत आदिवासी हैं। त्रिपुरा विधानसभा के बाद इसका राज्य में सबसे ज्यादा राजनीतिक महत्व है। वामपंथी दलों के साथ टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) और इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) सहित जनजातीय दल अब टीटीएएडीसी के लिए अधिक संवैधानिक शक्ति और अधिक धन की मांग कर रहे हैं। पूर्व शाही वंशज प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मन के नेतृत्व वाली टीएमपी अप्रैल 2021 से टीटीएएडीसी पर शासन कर रही है, जबकि आईपीएफटी राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा की सहयोगी है। टीएमपी और आईपीएफटी दोनों, आदिवासी वोट बैंक को भुनाने के लिए, आदिवासियों के लिए अलग टीटीएएडीसी के उन्नयन जैसी आदिवासी-केंद्रित मांगें उठाते हैं, भले ही वे पूरी तरह से जानते हों कि स्पष्ट कारणों से ऐसी मांग कभी पूरी नहीं होगी। टीएमपी, टीटीएएडीसी पर कब्जा करने से पहले और बाद में, संविधान के अनुच्छेद 2 और 3 के तहत *ग्रेटर टिपरालैंड राज्य* या एक अलग राज्य का दर्जा देकर स्वायत्त निकाय के क्षेत्रों को बढ़ाने की मांग कर रहा है। टीएमपी और आईपीएफटी दोनों ने अपनी अलग राज्य जैसी मांगों के समर्थन में राज्य और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली दोनों में आंदोलन आयोजित किए। सत्तारूढ़ भाजपा, सीपीआई-एम के नेतृत्व वाले वामपंथी दल, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस आईपीएफटी और टीएमपी दोनों की मांगों का कड़ा विरोध कर रहे हैं। टीएमपी ने अपनी पहली चुनावी लड़ाई में, फरवरी विधानसभा चुनावों में आदिवासी आरक्षित सीटों पर 20 सहित 42 उम्मीदवार उतारे। उसे 19.69 प्रतिशत वोट मिले और उसने 13 सीटों पर जीत हासिल की। उसने चुनाव प्रचार के दौरान ग्रेटर टिपरालैंड राज्य की मांग उठाई थी। हालांकि, 16 फरवरी के विधानसभा चुनावों के नतीजे 2 मार्च को घोषित होने के बाद, टीएमपी ने धीरे-धीरे मांग पर अपना रुख बदल दिया। अब पार्टी त्रिपुरा की दूसरी आधिकारिक भाषा आदिवासी कोकबोरोक के लिए रोमन लिपि अपनाने की मांग कर रही है। टीएमपी प्रमुख देब बर्मन ने कहा कि उनकी पार्टी आदिवासियों के सर्वांगीण विकास के लिए लड़ाई जारी रखेगी जो उनके अनुसार, मुख्यधारा और राष्ट्रीय पार्टियों द्वारा वंचित हैं। देब बर्मन कांग्रेस नेता राहुल गांधी के करीबी दोस्त और त्रिपुरा कांग्रेस के अध्यक्ष थे, लेकिन नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) मुद्दों पर सितंबर 2019 में कांग्रेस छोड़ दी।

मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने का पर समर्थन करने पर भीड़ ने एक छात्र की पिटाई : सीपीएम

अगरतला। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) पिछले कुछ दिनों से इस इलाके के स्कूलों को नोटिस दे रहे हैं. जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ नफरत भरे संदेश फैलाकर सांप्रदायिक शांति और सद्भाव को बिगाड़ा जा सके। सीपीएम ने कहा कि लोकसभा चुनाव और दो विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनावों को देखते हुए बीजेपी जानबूझकर नफरत और सांप्रदायिक मतभेद का माहौल बनाकर मतदाताओं के ध्रुवीकरण के जरिए लाभ लेने का प्रयास कर रही है। बीजेपी राज्य में खराब कानून व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल और बिजली सुविधाओं की आपूर्ति, जर्जर सड़क जैसी समस्याओं से लोगों का ध्यान भटका रही है। इसी तरह कांग्रेस ने राज्य सरकार से घटना में शामिल लोगों की पहचान करने और उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। पार्टी ने बीजेपी सरकार पर हिजाब मुद्दे को केंद्र में रखकर दंगे भड़काने के प्रयास के माध्यम से अन्य मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी हिंदू-मुस्लिम कार्ड खेलकर लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। मैं क्षेत्र के लोगों को कानून अपने हाथ में नहीं लेने के लिए धन्यवाद देता हूं। कांग्रेस विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने इस घटना पर बीजेपी की आलोचना करते हुए कहा कि कुछ बाहरी लोगों ने स्कूल में घुसकर छात्राओं को परेशान किया और किसी ने विरोध किया तो उन्हें बुरी तरह पीटा गया. बाहरी लोगों को स्कूल में घुसकर छात्राओं को परेशान करने का अधिकार किसने दिया? ऐसी घटना सिर्फ इसी स्कूल तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे देश में हो रही है। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले के एक सरकारी स्कूल में 10वीं कक्षा के एक छात्र की शुक्रवार को पिटाई की गई थी। छात्र पर एक संस्थान में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने का कथित तौर पर समर्थन करने पर भीड़ ने हमला कर दिया था। कर्नाटक हिजाब विवाद की तरह ही इस घटना में भी अल्पसंख्यक समुदाय की लड़कियों की ओर से हिजाब पहनने को लेकर कोरोइमुरा स्कूल के छात्र दो गुटों में बंट गए. ये विवाद तब शुरू हुआ जब कोरोइमुरा हायर सेकंड्री स्कूल के हेडमास्टर ने मुस्लिम छात्राओं को हिजाब की जगह स्कूल ड्रेस में आने को कहा। हिजाब पहनने से रोकने पर छात्रों का एक गुट नाराज था और उन्होंने प्रिसिंपल के कमरे में घुसकर तोड़फोड़ की थी।

दो किशोर चचेरी बहनों के शव पेड़ से लटके मिले

गुवाहाटी, । असम के कामरूप जिले में रविवार को दो किशोरियों के शव एक पेड़ से लटके हुए पाए गए। अधिकारियों ने बताया कि दोनों चचेरी बहनें हैं ।घटना जिले के तुलसीबाड़ी इलाके की है ।मृतकों की पहचान ममता बेगम (19) और साइमन नेसा (17) के रूप में हुई है ।स्थानीय लोगों ने दोनों के शव एक सुनसान जगह पर एक पेड़ से लटके देखे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची ।पता चला कि दोनों लड़कियां चचेरी बहनें थीं। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि उनके साथ बलात्कार किया गया और बाद में उन्होंने आत्महत्या कर ली ।कामरूप के पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र रॉय ने आईएएनएस को बताया, 卐हमने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कोई निष्कर्ष दे सकते हैं। इस बीच, पुलिस टीम पूरी घटना की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री ने की पीएम डिवाइन योजना की समीक्षा बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी दिसपुर स्थित जनता भवन में आज आयोजित एक बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने पीएम-डिवाइन योजना के तहत कॉलेजों के निर्माण में हुई प्रगति पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चाय बागान क्षेत्रों में निर्माणाधीन मॉडल स्कूलों में कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया। योजना पर विस्तारपूर्वक की गई समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने इससे संबंधित अद्यतन जानकारी लेने के बाद कई आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत स्कूलों और कॉलेजों में चल रहे निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के अंदर अवश्य पूरा करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

कोकराझाड़ में मोरल पुलिसिंग की घटना में शामिल दो युवकों गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ पुलिस ने आज बताया कि कोकराझाड़ में मोरल पुलिसिंग की घटना में शामिल दो युवकों को आज तड़के लगभग 3 बजे गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवकों पर गत तीन अगस्त को कोकराझाड़ सदर पुलिस के मागुरमारी में एक मुस्लिम सम्प्रदाय और एक बोड़ो सम्प्रदाय के युवक को खूंटे में बांध कर पीटने में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तार युवक की पहचान मागुरमारी के कौशिक मंडल और रिंकू राय के रूप में किया गया हैं। घटना का मुख्य आरोपी रजत मंडल अभी भी फरार है। ज्ञात हो कि 3 अगस्त को एक बोड़ो व्यक्ति ने अपनी गाय को मुस्लिम व्यक्ति के पास बेचा था जब दोनों गाय को लेकर आ रहे थे तो मागुरमारी में कुछ युवकों ने गाय तस्करी करने का आरोप लगा कर दोनों को खूंटे में बांध कर पीटा था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद सम्पूर्ण कोकराझाड़ में एक तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया था।

अभामस की होजाई शाखा ने आयोजित की फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन कम सेल

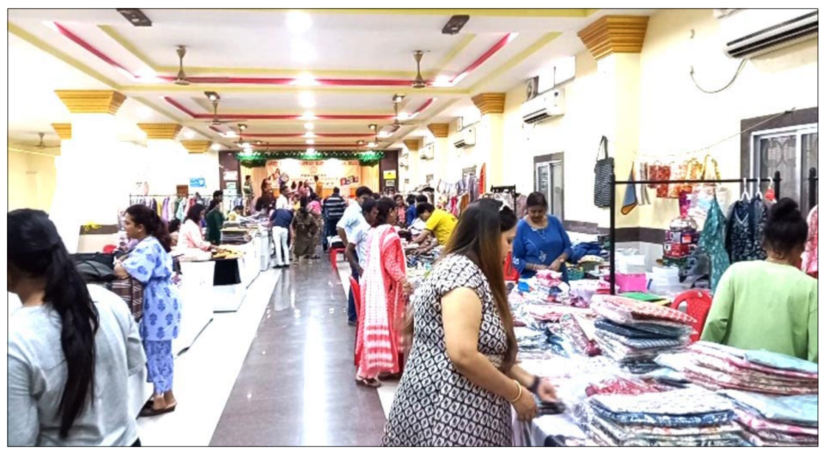

होजाई (निसं)। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा ने स्थानीय जुगल किशोर केडिया स्मृति भवन में फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रदर्शनी व सेल हेतु 21 स्टॉल लगाए जिसमें होजाई के अलावा कोलकाता, गुवाहाटी, डीमापुर, नगांव, रोहा आदि जगहों से महिलाएं अपनी-अपनी स्टॉल लगाने के लिए पहुंची। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय पौर सभा की सभानेत्री चतुर्थी रानी विश्वास ने फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि चतुर्थी रानी विश्वास ने अपने संबोधन में कहा महिला सशक्तिकरण समय की मांग है और ऐसे आयोजनों में अंत ग्रहण कर कर में अपने को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मारवाड़ी महिला सम्मेलन होजाई शाखा की अध्यक्षा ज्योति सुरेका व सचिव प्रियंका सरावगी ने कहा मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा का उद्देश्य संस्था के उत्थान हेतु ऐस कार्यक्रम करने है जिससे महिलाऐं सशक्त हो सके। उन्होंने कहा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से उक्त कार्यक्रम विगत 3 वर्षों से आयोजित कर रहे हैं साथ ही ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से हमें आपस में जुड़ने के साथ-साथ आपसी अनुभवों को साझा करने का एक अवसर प्राप्त होता है। इस दौरान प्रियंका सरावगी ने सभी को अवगत कराया कि कैसे मारवाड़ी महिला सम्मेलन समाज हित में लगातार कार्य करती जा रही है। उक्त कार्यक्रम में मारवाड़ी पंचायत, मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच व सांवरिया भक्त मंडल के सदस्य भी उपस्थित थे।

नगांव मे सप्त दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

नगांव (निसं)। श्री शिव पुराण ग्रंथ पूजन के बाद ही आज अपराह्न श्री शिव महापुराण कथा का हैबरगांव खुटिकटिया स्थित श्री श्याम धाम मंदिर परिसर मे शुभारंभ हुआ। काशी से पधारे मां के बालक आचार्य ओम प्रकाश उपाध्याय ने काशी नगरी में गंगा के विराजमान होने की कथा तथा काशी के 14 नाम, भगवान विष्णु और भोले शंकर का काशी में वास के साथ ही किस तरह से काशी दर्शन के साथ ही मनुष्य मोक्ष प्राप्त करता है तथा काशी नगरी में गंगा अर्धचंद्राकार के रूप में प्रकट है, इसका बखान कथा वाचक आचार्य उपाध्याय ने किया। कथा के बीच बीच में भक्तों से प्रश्न पूछे गये और सही उत्तर देने वाले को प्रसाद उपहार में दिया गया। सुबह सभी यजमानों ने धिंग रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर पधार कर श्री शिव पुराण ग्रंथ पूजन के कार्यक्रम में भाग लिया। आचार्य ओम प्रकाश उपाध्याय की उपस्थिति में हाजरी लगाने वाले यजमानो मे जगदीश प्रसाद अग्रवाल (रोहा), अनिरुद्ध अग्रवाल, संपत कुमार धूत, शंकरलाल पोद्दार, दामोदर खंडेलवाल, सुनील जीतानी, सुनील गोयनका। इसके पश्चात ग्रंथ को श्री श्याम धाम ले जाया गया। इस मौके पर गोपाल पोद्दार, प्रदीप केजरीवाल, मुकेश पोद्दार, यजमानगण आदि के साथ ही आयोजन समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि हैबरगांव, खुटीकटिया श्री श्याम धाम में कथा रोज अपराह्न तीन बजे से आगामी 12 अगस्त तक चलेगी। कथा के बीच मे भजनो की प्रस्तुती से कथा स्थल का वातावरण भक्तिमय हो गया। श्री शिव महापुराण महात्म ग्रंथ के कथा स्थल पर पहुचने के बाद भगवान शिव का अभिषेक भी किया गया। आज की कथा विराम के बाद आरती हुई तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया गया ।

पगलादिया नदी के किनारे मिला भाजपा नेता का शव

बरपेटा (हिंस)। टिहू के गोवरादल से लापता भाजपा नेता का शव बरामद हुआ है। लापता नेता का नाम कंदर्प बर्मन था। पुलिस ने आज बताया कि कंदर्प बर्मन का शव मरापगलादिया नदी के तट पर पाया गया। इस बरामदगी को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है। दूसरी ओर, कुछ लोगों को मृतक की हत्या होने का संदेह है। क्योंकि, मृत शरीर के गले पर चोट के निशान मौजूद हैं। ज्ञात हो कि मृतक बर्मन का वेगनर वाहन शनिवार को नदी के किनारे पाया गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके तुरंत बाद पुलिस शव की तलाश में जुट गई थी। शव बरामदगी के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

होजाई, लंका व लमडिंग स्टेशन का होगा कायाकल्प

होजाई (निसं)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 स्टेशनों के साथ असम के 32 स्टेशनों का पुनर्विकास करने के उद्देश्य से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शिलान्यास किया। इसी क्रम में होजाई, लंका व लमडिंग रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी। पीएम मोदी ने रिमोट दबाकर पुनर्विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गौरतलब है, होजाई, लंका व लमडिंग रेलवे स्टेशन में रेलवे द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। होजाई में उक्त कार्यक्रम में स्थानीय विधायक रामकृष्ण घोष, पौर सभानेत्री चतुर्थी रानी विश्वास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विधायक रामकृष्ण घोष ने होजाई में शिलान्यास पट्टी का फीता काटकर उद्घाटन किया। घोष ने अपने संबोधन में कहा मोदी नाम का अर्थ ही विकास है। उन्होंने कहा भाजपा विकास की राजनीति करती है। इसलिए पूरे भारत का समग्र विकास हो रहा है। वहीं लंका में भी उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें होजाई के पूर्व विधायक शिलादित्य देव सहीत कई अन्य अतिथि उपस्थित थे। लंका में शिलादित्य देव ने फीता काटकर शिलान्यास पट्टी का उद्घाटन किया। वहीं लमडिंग में स्थानीय विधायक शिबू मिश्रा ने फीता काटकर शिलान्यास पट्टी का उद्घाटन किया। तीनों कार्यक्रमों में रेलवे द्वारा विभिन्न विद्यालयों में बौद्धिक विकास प्रतियोगिता कार्यक्रमों के तहत विजयी बच्चों को पुरस्कृत भी किया गय। उक्त कार्यक्रमों में समाज के प्रतिष्ठित, विभिन्न संस्थाओं के सदस्य, स्कूली बच्चे व स्थानीय लोग काफी संख्या में उपस्थित है।

अखिल भारतवर्षीय श्री खांडल विप्र महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा संपन्न

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के तत्वावधान में श्री अखिल भारतवर्षीय श्री खांडल विप्र महासभा की कार्यकारिणी सभा शनिवार, 5 अगस्त 2023 (सायं 5.30 बजे) को गुवाहाटी श्री परशुराम भवन (ब्राह्मण भवन) में सफलता पूर्वक संपन्न की गई। सभा के प्रारंभ में भगवान श्री परशुराम का पूजन अर्चन मंचासीन सभी महानुभावों ने किया। विजय कुमार झिकनाड़िया नें मंगलाचरण पाठ करके सभा की सफलता एवं उपस्थित सभी की मंगल कामना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल बोचीवाल की अध्यक्षता में निम्न विचारणीय बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। गत कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन उपस्थित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों ने तालियों से अपनी सहमती जताकर किया। महासभा के नए बने सदस्यों का अनुमोदन किया गया एवं नए सदस्य बनाने पर भी विचार किया गया। सभा में महासभा अध्यक्ष नें भारद्वाज आश्रम पुष्कर के पीछे क्रय की गई भूमि की प्रगति के संबंध में अपने विचार रखें। पुष्कर तीर्थ स्थल में महासभा के अंतर्गत अनेक योजना एवं प्रकल्पों को मूर्त रूप देने के लिए क्रय की गई जमीन की रजिस्ट्री शीघ्र कराने के लिए सभी से सहयोग की अपील की। इस विशाल योजना से हमारी महासभा पूरी तरह आत्म निर्भर बन कर प्रांतीय प्रकल्पों में भी योगदान के अवसर पैदा कर सके। महासभा के अधिनस्थ एवं सम्बद्ध संस्थाओं के समयबद्ध चुनाव करवाने हेतु विचार विमर्श किया गया। एवं प्रांतीय अध्यक्षों को अति शीघ्र जिन शाखा सभाओं में चुनाव नहीं हुए है, वहां चुनाव करवाने का आदेश पारित किया। सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा, पूर्व महासभा अध्यक्ष रामेश्वरलाल सोती, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती प्रभा देवी पीपलवा, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अनिल कुमार नवहाल, पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा के अलावा, महामंत्री राधेश्यामजी चोटिया, कोषाध्यक्ष ताराचंद चोटिया, पूर्व महासभा महामंत्री मदनलाल नवहाल, नन्द किशोरजी नवहाल, शिवकुमार बोचीवाल, श्याम सुंदर सेवदा, पुणे महाराष्ट्र से बच्छराज चोटिया, लाडनु से श्री मती अंजना, गुवाहाटी से रामनिवास नवहाल, डिमापुर से परमेश्वरलाल काछवाल सहित अनेक राष्ट्रीय पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

तप और त्याग की मूर्ति से असमवासियों का हुआ साक्षात्कार

गुवाहाटी (विभास)। उड़ने की अपेक्षा जब हम झुकते हैं तब विवेक के ज्यादा नजदीक होते हैं। फूलों की सुगन्ध तो केवल वायु की दिशा में फैलती है लेकिन व्यक्ति की अच्छाइयां हर दिशा में फैलती है। ऐसे ही अमृत वाक्यों की वर्षा रविवार को माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए की। सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने कहा कि इस मौके पर गुरुदेव ने असम के लोग धन्य हैं जिन्हें एक ऐसा ईमानदार राज्यपाल मिला जिनकी ईमानदारी राजस्थान की राजनीति मे हर कोई जानता हैं। गुरुदेव ने कहा की जो राम का नहीं वो किसी काम का नही। उन्होंने कहा की हनुमान ने दुश्मनों को मिटा दीया, भगवान महावीर ने दुश्मनी को मिटा डाला। यह ऋषिमुनियो का देश हैं। सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यपाल गुलबचंद कटारिया ने भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके मेघालय सरकार के कैबिनेट मंत्री ए.एल हक, समाजसेवी श्रीपाल जैन, आयोजन समिति की शुभकरण बोथरा, ब्रह्मऋषि आश्रम की ग्लोबल चेयरपर्सन सरला बोथरा, उद्योगपति कैलाश लोहिया, कैलाश काबरा, पंकज जालान, कमल बैद, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रवि पुगलिया आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह मेरा सौभाग्य है जो आज मुझे गुरुवर का आशिर्वाद लेने का मौका मिला। में आपसे बस यही आशीर्वाद चाहता हु की में एक अच्छा ईमानदार जन सेवक बन सकू। में एक एक कर दाताओं का ऋणी हूं, जिनके पैसे हमरे ऊपर खर्च होते है, उनके उपक्षाओ के प्रति में न्याय कर सकू। राज्यपाल ने आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस अमृत मोहत्सव का आयोजन इतने भव्य रूप से किया। विश्व धर्म चेतना मंच, श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के गुवाहाटी केंद्र के तत्वावधान में आयोजित अमृत महोत्सव में गुरुदेव ने अपने आशीर्वचन को श्रवण करने आईटीए का हॉल खचा खच भरा हुआ था। श्री ब्रह्मर्षि आश्रम की ग्लोबल चैयरमेन श्रीमती सरला बोथरा ने बताया कि गुवाहाटी में माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में गुरुदेव ने उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को दिव्य आशीर्वाद प्रदान किया और गुरुदेव का आशीर्वाद पाकर असमवासी आह्लादित हुए। इस भव्य समारोह में श्री ब्रह्मऋषि आश्रम तिरुपति ने सेवा कार्य के क्षेत्र में भी विशेष कार्य किया। इस दौरान आश्रम के आर्थिक सहयोग से मारवाड़ी युवा मंच को 31 जरुरतमंदो को केलिपर लिम्स लगवाने की जिम्मेदारी प्रदान की गई। अमृत महोत्सव के मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया ने सिद्धगुरु से आशीर्वाद प्राप्त किया और श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे विश्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जो धर्म की ध्वजा को संस्कार और सेवा के रूप में निरन्तर फहराए जा रहा है। भारतवर्ष ने ऐसे ऋषि-मुनियों और संत-महात्माओं को जन्म दिया है जो वाकई में अष्ट सिद्धियों और नवनिधियों के ज्ञाता हैं। पौराणिक काल से ऋषि-मुनियों ने अपने तप और त्याग से जन-जन को हर आपदा से मुक्त करवाया है। राज्यपाल ने कहा कि साधु-संन्यासी त्यागी होते हैं, वे सिर्फ देने का कर्म करते हैं। देने के लिए इनके पास कोई भौतिक वस्तु नहीं बल्कि दिव्य आशीर्वाद ही होता है। और कहते भी हैं कि संगत संतों की भली होती है। उसके पीछे भी यही कारण है कि संत-मुनिवृंदों का सान्निध्य हमें सद्मार्ग की ओर ले जाता है। सदुरु का सान्निध्य में भ्रष्टाचार, व्याभिचार और गलत कार्यों से दूर रहने की प्रेरणा देता है। अमृत महोत्सव स्वागत समारोह समिति के शुभकरण बोथरा ने बताया कि हम सभी बहुत भाग्यशाली हैं कि मनुष्य स्वरूप में हमें ऐसे सिद्धगुरु मिले हैं और आज उनका आशीर्वाद असमवासियों को मिला। श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव एक महान् सिद्धगुरु हैं, जिनकी जन्म से ही सातों कुंडलिनी, सातों चक्र जागृत है तथा ब्रह्म लोक, विष्णु लोक व शिव लोक को प्राप्त कर ब्रह्मर्षि हो गये हैं। समिति के कमलचंद बैद ने बताया कि शनिवार को शाम करीब 5

भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण जैसी बुराइयां "भारत छोड़ो" : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ह्यअंग्रेजों भारत छोड़ो की तर्ज पर भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, परिवारवाद भारत छोड़ो, तुष्टीकरण भारत छोड़ो शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त सन बयालीस को ऐतिहासिक "भारत छोड़ो" अभियान की शुरूआत हुई थी। आज देश इससे प्रेरित होकर हर बुराई को "भारत छोड़ो" कह रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे विपक्ष दल हर विषय में नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी सरदार पटेल प्रतिमा पर आज तक विपक्ष का कोई बड़ा नेता नहीं गया। कर्तव्य पथ और नई संसद बनाई गई लेकिन वह भी आलोचना के केंद्र में रही। उन्होंने कहा कि आज तक देश के बलिदान शहीदों के लिए कोई मेमोरियल नहीं बनाया गया। हमने बनाया तो उसकी भी आलोचना की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 27 राज्यों में 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आधारशिला रखी। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विकसित होने के लक्ष्य की ओर अमृत काल में बढ़ रहा है। इसी आलोक में आज भारतीय रेल के इतिहास में भी एक नया अध्याय जुड़ रहा है। उन्होंने बताया कि करीब 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशन अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तौर पर विकसित किए जाएंगे। इनमें से 508 अमृत भारत स्टेशनों के पुनर्निर्माण का कार्य आज शुरू हो रहा है।

इन स्टेशनों के नवीनीकरण पर 25 हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में देश ने अपनी विरासत पर गर्व करने का संकल्प लिया है। अमृत रेलवे स्टेशन इसका प्रतीक बनेंगे। इनमें देश की संस्कृति और स्थानीय विरासत की झलक मिलेगी। यह शहर की आधुनिक आकांक्षाओं और प्राचीन विरासत का प्रतीक बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में रेलवे का कायाकल्प करने के लिए इसके बजट में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी की गई है। इस साल 2.5 लाख करोड़ रूपया रेलवे के लिए खर्च किया जा रहा है। यह 2014 के मुकाबले 5 गुना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे स्टेशनों के विकास का लाभ सभी राज्यों को मिलेगा। राजस्थान में भी 55 रेलवे स्टेशन अब अमृत भारत रेलवे स्टेशन बनेंगे। मध्य प्रदेश में 1000 करोड रुपए की लागत से 34 रेलवे स्टेशन का कायाकल्प होगा। महाराष्ट्र में 44 स्टेशन के विकास के लिए डेढ़ हजार करोड़ रुपए ज्यादा खर्च किए जाएंगे। पिछले सालों में रेलवे विकास और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 9 सालों में इतने रेलवे ट्रैक बिछाया गया है जो साउथ अफ्रीका, यूक्रेन, पोलैंड, ब्रिटेन और स्वीडन के रेल नेटवर्क से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक ट्रेनों की भी संख्या तेजी से बढ़ रही है। ट्रेन से लेकर स्टेशन तक सभी प्रकार के अनुभवों को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब रेलवे पूर्वोत्तर क्षेत्र की आकांक्षाओं को भी पूरा कर रहा है। यहां नई लाइनें बिछाई जा रही हैं और वर्षों बाद रेलवे कनेक्टिविटी पर ध्यान दिया जा रहा है।

मुंबई लोकल ट्रेन में सीरियल बम धमाके की धमकी, सुरक्षा बढ़ाई गई

- बिहार का युवक हिरासत में लिया गया

मुंबई, (हि.स.)। एक व्यक्ति ने रविवार की सुबह फोन कर मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली लोकल ट्रेन में सीरियल बम धमाके की धमकी दी। इस धमकी के बाद लोकल ट्रेन और स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस मामले में पुलिस ने जुहू से एक शख्स अशोक शंकर मुखिया को हिरासत में लिया है और उससे गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में अज्ञात शख्स ने फोन पर मुंबई में लोकल ट्रेन में बम रखे जाने की जानकारी दी। धमकी देने वाले शख्स ने कहा कि कई लोकल ट्रेनों में सिलसिलेवार बम विस्फोट होंगे। कंट्रोल रूम में एक महिला कर्मी ने यह धमकीभरा काल अटेंड किया था। महिला पुलिसकर्मी ने जब अज्ञात शख्स से पूछा कि बम कहां रखा गया है तो काल करने वाले ने कुर्ला, ठाणे, कल्याण, तिलकनगर आदि स्टेशनों

का नाम लिया। इसके बाद पुलिसकर्मी ने उससे पूछा कि वह कहां से बोल रहा है। फोनकर्ता ने कहा कि वह जुहू से बोल रहा है और फोन काट दिया। इसके बाद पुलिस ने जब उसके फोन की लोकेशन ट्रैक की तो पता चला कि इस शख्स ने जुहू के शाह हाउस मोरगांव से फोन किया था।

इसके बाद पुलिस ने जुहू से फोनकर्ता शख्स अशोक शंकर मुखिया को हिरासत में लिया है। अब तक पूछताछ में पता चला है कि वह बिहार के सीतामढ़ी जिले का रहने वाला है। फोन करने के उद्येश्य की छानबीन पुलिस कर रही है। हालांकि इस धमकी भरे काल की गंभीरता को समझते हुए लोकल ट्रेन और रेलवे पुलिस स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लोकल ट्रेन में सीरियल बम ब्लास्ट की धमकी मिलते ही यहां लोगों में डर फैल गया है, लेकिन पुलिस ने सभी को बिना घबराए पुलिस को सहयोग करने की अपील भी की है।

मंदिरों में खत्म हो वीआईपी कल्चर, आम लोगों को मिले प्राथमिकता : मोरारी बापू

-उज्जैन पहुंचे मोरारी बाबू, भगवान महाकाल का किया अभिषेक-पूजन

उज्जैन, (हि.स.)। प्रसिद्ध कथावाचक मोरारी बापू शनिवार को विशेष ट्रेन से उज्जैन पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल का अभिषेक-पूजन किया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मंदिरों में वीआईपी कल्चर खत्म होना चाहिए। मंदिरों ने आम लोगों को प्राथमिकता देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य देश में एकता बनाए रखना और राष्ट्र कल्याण है। मणिपुर में रामकथा का प्रोग्राम था, लेकिन वहां के हालात देखकर कार्यक्रम निरस्त करा पड़ा। वहां महिला के साथ हुई घटना से सिर शर्म से झुक गया। गौरतलब है कि कथावाचक मोरारी बापू 12 ज्योतिर्लिंगों में जाकर रामकथा सुना रहे हैं। इसके लिए श्रद्धालुओं के साथ विशेष ट्रेन से यात्रा पर हैं। ऋषिकेश से शुरू हुई यात्रा शनिवार को उज्जैन पहुंची। यहां रेलवे स्टेशन पर मोरारी बापू का स्वागत किया गया। यहां उन्होंने महाकाल मंदिर के पास स्थित

सरस्वती स्कूल में रामकथा सुनाई।

22 जुलाई से शुरू हुई थी यात्रा - मोरारी बापू की यह यात्रा 22 जुलाई को ऋषिकेश से शुरू हुई थी। यात्रा विश्वनाथ, मल्लिकार्जुन, बैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वरम, भीमाशंकर, ओंकारेश्वर, घृष्णेश्वर, त्रयंबकेश्वर होते हुए महाकालेश्वर पहुंची। शनिवार देर रात यात्रा उज्जैन से गुजरात की द्वारिकापुरी के लिए रवाना हुई, जहां से 7 अगस्त को यात्रा आखरी पड़ाव सोमनाथ जाएगी। यात्रा के लिए 22 जुलाई से 7 अगस्त तक के लिए ट्रेन बुक की गई है। इनमें दो ट्रेनें शामिल हैं। ट्रेनों के नाम कैलाश और चित्रकूट है। कैलाश नाम की ट्रेन में मोरारी बापू सवार हैं। उनके साथ 301 श्रद्धालु, सेवक और विदेशी भक्त शामिल हैं। इसके अलावा, दूसरी ट्रेन में बाकी श्रद्धालु हैं। ये यात्री 12 हजार किमी का सफर तय करते हुए ज्योतिर्लिंगों के अलावा जगन्नाथ पुरी, द्वारकापुरी और तिरुपति बालाजी धाम को भी जोड़ेगी।

प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में बनाएंगे एक आदर्श अस्पताल : स्वास्थ्य मंत्री

नाहन, (हि.स.)। स्वास्थ्य तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में एक आदर्श अस्पताल की स्थापना की जाएगी ताकि लोगों को समीपवर्ती स्थान पर बहु विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। वह आज सिरमौर जिला की पश्चात विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नारग में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के उपरांत जनसभा को संबोधित कर रहे थे। डॉ. शांडिल ने कहा कि तीन आदर्श अस्पतालों में सभी प्रकार के विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा आवश्यक मशीनरी व उपकरणों की उपलब्धता करवाई

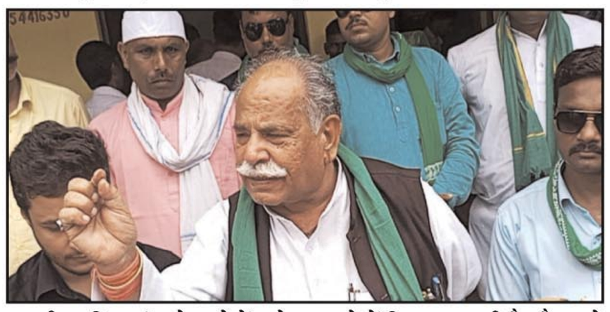

जाएगी ताकि गांव के लोगों को उपचार के लिए दूसरे राज्यों में ना जाना पड़े।

उन्होंने कहा हमारी सरकार नए संस्थानों को खोलने के बजाय मौजूदा संस्थानों को मजबूत करने में विश्वास रखती है और आने वाले समय में शिक्षण संस्थान हो, स्वास्थ्य संस्थान हो या अन्य संस्थान सभी में स्टाफ की कमी को पूरा किया जाएगा तथा संरचनात्मक ढांचे को मजबूत किया जाएगा।

सांसदों ने डॉ. जी. एस. ढिल्लों को पुष्पांजलि अर्पित की

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने आज संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष डॉ. जीएस ढिल्लों को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों, महासचिव, लोकसभा, उत्पल कुमार सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में डॉ. ढिल्लों को पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ. ढिल्लों ने 8 अगस्त 1969 से 17 मार्च 1971 तक और 22 मार्च 1971 से 1 दिसंबर 1975 तक लोकसभा अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1 दिसंबर 1975 को अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया और केंद्रीय सरकार में पोत परिवहन और सड़क परिवहन मंत्री बने। वह 12 मई 1986 से 14 फरवरी 1988 तक कृषि मंत्री रहे। अपने लंबे और प्रतिष्ठित सार्वजनिक जीवन में डॉ. ढिल्लों ने योजना आयोग के सदस्य और कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त के रूप में भी देश की सेवा की।

तीन विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त, राज्यपाल कलराज मिश्र ने जारी किए आदेश

जयपुर, (हि.स.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राज्य के तीन विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। मिश्र ने विश्वविद्यालयों की कुलपति खोजबीन समिति की सिफारिश पर राज्य सरकार के परामर्श से यह नियुक्तियां की हैं। मिश्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ की प्रोफेसर एवं डीन होम साइंस विभाग डॉ. सुनीता मिश्रा को

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर का, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन शाला के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर केशव सिंह ठाकुर को गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय बांसवाड़ा का तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मनोज दीक्षित को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर का कुलपति नियुक्त किया गया है। मिश्र ने इनकी नियुक्ति कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

जम्मू से 1626 तीर्थयात्रियों का जत्था अमरनाथ रवाना, रामबन में भूस्खलन से मार्ग अवरुद्ध

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से रविवार को 1626 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। इसमें से 1092 श्रद्धालु अनंतनाग जिले के पहलगाम आधार शिविर की ओर रवाना हुए, जबकि 534 श्रद्धालु गांदरबल जिले के बालटाल आधार शिविर की तरफ रवाना हुए। उधर, अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के रामबन जिले के केला मोड़ के पास भूस्खलन के कारण राजमार्ग अवरुद्ध होने के बाद तीर्थयात्रियों के काफिले को चंद्रकोट

यात्री निवास में रोक दिया गया। इससे यातायात विभाग ने लोगों को बहाली का काम पूरा होने तक सड़क पर यात्रा न करने की सलाह दी है। पहाड़ी से पत्थरों के गिरने से बहाली के कार्य में बाधा आ रही है। संबंधित एजेंसी ने राजमार्ग पर यातायात की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने के लिए अपने लोगों और मशीनरी को तैयार रखा है।

आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगों को लेकर नौ अगस्त को प्रदेशव्यापी प्रदर्शन करेगी सीटू

शिमला, (हि.स.)। श्रमिक संगठन सीटू आउटसोर्स कर्मियों की मांगों को लेकर नौ अगस्त को प्रदेशव्यापी प्रदर्शन करेगी। रविवार को शिमला में आयोजित सीटू से सम्बद्ध प्रदेश आउटसोर्स कर्मचारी यूनियन के राज्यस्तरीय अधिवेशन में यह फैसला लिया गया। अधिवेशन में निर्णय लिया कि आउटसोर्स कर्मियों की मांगों और एनएचएम से स्वास्थ्य सचिव द्वारा तानाशाहीपूर्वक तरीके से नौकरी से निकाले गए तीन आउटसोर्स कर्मियों की नौकरी को बहाल करने की मांग को लेकर नौ अगस्त को प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया जाएगा। सीटू के राष्ट्रीय सचिव कश्मीर सिंह ठाकुर प्रेम गौतम ने कहा कि कोरोनाकाल में आउटसोर्स कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही है। प्रदेश के सरकारी विभागों के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने में आउटसोर्स कर्मी पिछले 15 सालों से बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं, लेकिन उनकी स्थिति दयनीय बनी हुई है। सीटू के प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने कहा कि आउटसोर्स कर्मियों से नियमित कर्मचारी के बराबर काम लेने के बावजूद उन्हें बेहद कम वेतन दिया जाता है जो कि कई बार महीनों तक भी नसीब नहीं होता है। उनके लिए सुप्रीम कोर्ट के 26 अक्टूबर 2016 के समान कार्य के समान वेतन के निर्णय को लागू नहीं किया गया है। उन्हें नियमित कर्मचारी से ज्यादा कार्य लेने के बावजूद उनके मुकाबले केवल एक तिहाई वेतन ही मिलता है। उन्हें ईपीएफ, ईएसआई, छुट्टियों एवं ओवरटाइम वेतन के दायरे में नहीं लाया गया है। आउटसोर्स कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष वीरेंद्र लाल ने कहा कि कोरोना काल में स्वास्थ्य विभाग में मरीजों के लिए अपनी जान दांव पर लगाने वाले नर्सिंग स्टाफ, डेटा एंट्री ऑपरेटर, वार्ड अटेंडेंट, सुरक्षा, सफाई, लॉन्ड्री, मेस व अन्य सभी प्रकार के पैरामेडिकल स्टाफ को आज नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। उन्हें सेवा विस्तार नहीं दिया जा रहा। उनकी हाजिरी भी नहीं लग रही। उन्हें वेतन भी नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के 1800 आउटसोर्स कर्मियों को नौकरी से बाहर करने से पूर्व जलशक्ति विभाग व अन्य विभागों के हजारों कर्मियों को नौकरी से बाहर किया जा चुका है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि नीति बनाते समय यह बात ध्यान में रखी जाए कि सरकारी विभागों में कार्यरत सभी 30 हजार आउटसोर्स कर्मी नियमित हों व उसके बाद ही नई नियुक्तियां की जाएं।

निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता और निश्चित समय सीमा में पूरे हों : राज्यपाल पटेल

भोपाल, (हि.स.)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा आभासी माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास शिलान्यास के स्थानीय कार्यक्रम में रविवार को शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन संत हिरदा राम नगर भोपाल में किया गया था। स्थानीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना शिलान्यास कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री के द्वारा आभासी माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के पुनर्विकास कार्यों का रिमोट का बटन दबा कर शिलान्यास किया गया। ऑनलाईन संबोधित किया गया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने स्थानीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम-जन को रेलवे के कायाकल्प की छप्पर फाड़ सौगात दी है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में यह पहला प्रसंग है, जिसमें 25 हजार करोड़ रुपए के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के कार्यों का शिलान्यास हुआ है। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मध्यप्रदेश के 34 रेलवे स्टेशनों के शिलान्यास किये जाने के लिए मध्यप्रदेश की समस्त जनता के प्रतिनिधि के रूप में प्रधानमंत्री का आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत समस्त कार्य उच्च गुणवत्ता और निश्चित समय सीमा में पूरे किए जाये। अमृत भारत स्टेशन योजना में चयनित स्टेशनों के भवन सुधार और सौंदर्यीकरण में स्थानीय कला तथा

संस्कृति के तत्वों का समावेश किया जाना चाहिए। पैदल पथ, पार्किंग तथा सुगम यातायात की सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही, यात्रियों की सुविधाओं की सतत निगरानी के प्रबंध अवश्य किए जाने चाहिए। रेलवे स्टेशन पर दिव्यांगों के लिए विशेष शौचालय, रैम्प इत्यादि के साथ ही उनके उचित देख भाल की व्यवस्था की जाए। राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने एक के बाद एक ऐतिहासिक निर्णयों से बड़े बदलाव किए है। देश की विकास यात्रा को नई गति और दिशा दी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लोकप्रिय और विश्व के अद्वितीय राजनेता के रूप में उनकी दुनिया में विशिष्ट पहचान बनी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ॠ20 की अध्यक्षता में वैश्विक चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि मोदी जी के नेतृत्व में सरकार हर भारतीय परिवार के कल्याण और संतुष्टि के लिए कार्य कर रही है, यही कारण है कि आज सामान्य भारतीय परिवार की सवारी भारतीय रेल दुनिया का श्रेष्ठ रेल नेटवर्क है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सहित देश के 11 राज्यों में रेलवे ट्रेक का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हो गया है, 6 हजार रेलवे स्टेशन वाई-फाई हैं। तकनीक का प्रयोग कर शिकायतों का निराकरण करने के साथ ही, रेल यात्री सुविधा को मेड इन इंडिया कवच प्रणाली से लैस किया है। वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट योजना से देश में कारीगरों के कपड़े, कलाकृतियों, पेंटिंग्स, बर्तन इत्यादि के 600 से अधिक आउटलेट रेलवे स्टेशन पर खोल कर, लाखों लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा स्कूली बच्चों को पुरस्कृत किया गया। स्थानीय कार्यक्रम में विधायक रामेशवर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आम आदमी की बहुत चिंता करते है। उनकी जरूरतों को पूरा करने के कार्य अभूतपूर्व गति से हो रहे है। भोपाल की व्यापारिक गतिविधियों के केन्द्रीय स्थल के रेलवे स्टेशन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने की सौगात के लिए आभार ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की सरकार ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए, रेलवे स्टेशन का नाम संत हिरदाराम नगर किया है। रेलवे स्टेशन को रतलाम डिवीजन से हटा कर भोपाल डिवीजन में शामिल करा दिया गया है। पश्चिम मध्य रेलवे के महा प्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता ने अमृत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के कार्यों का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत देश भर के 5 सौ आठ रेलवे स्टेशनों के विकास कार्यों का शिलान्यास किया जा रहा है। आभार प्रदर्शन अपर मंडल रेल प्रबंधक, रश्मि दिवाकर ने किया।

उत्तराखंड में बरसात का कहर जारी, 10 अगस्त तक आरेंज और येलो अलर्ट जारी

-ऋषिकेश-बद्रीनाथ और ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय मार्गों सहित कुल 212 सड़कें अवरुद्ध

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में वषार्काल में पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और पहाड़ चटकने की घटनाएं लोगों पर पर मुसीबत बन कर टूट रही हैं। टिहरी जिले के धनौल्टी में एक आवासीय मकान गिरने से दो बच्चों की दबकर मौत हो गई और एक घायल हो गया। ऋषिकेश बद्रीनाथ और ऋषिकेश यमुनोत्री सहित चार राष्ट्रीय राजमार्गों को लेकर कुल 212 सड़कें बाधित हैं। गौरीकुंड में लापता 20 लोगों के खोजबीन के लिए रेस्क्यू कार्य जारी है। प्रदेश भर में 10 अगस्त तक के लिए गरज चमक के साथ भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। टिहरी जिले के तहसील धनौल्टी में ग्राम मरोड़ा में रात्रि में हुई बारिश से प्रवीण दास के मकान के पीछे की दीवार टूट गई, जिसमें उनके दो बच्चे दब गए। मकान मलबे की चपेट में आने से दो बच्चों की मृत्यु हुई है एक घायल हो गए। कुमाल्डा पुलिस चौकी ने शवों को बरामद किया। राजस्व उप निरीक्षक ल्वारखा और पुलिस चौकी सत्यों की टीम ने बच्चों को मलबे से निकाला। दोनों बच्चों को पीएचसी सत्यों पहुंचाया गया। डाक्टर ने उन्हें अस्पताल में मृत

घोषित किया है। इस घटना में मृतक बच्चों में स्नेहा (12) पुत्री प्रवीण दास और रणवीर (10) पुत्र प्रवीण दास शामिल हैं। बच्चों को मलबे से निकालने में एसडीआरएफ सहित पुलिस-प्रशासन का सहयोग रहा। रविवार सुबह देहरादून सहित अन्य स्थानों पर सूर्यदेव कुछ क्षण के निकले, लेकिन फिर बादलों के ओट में फिर छिप गये। राज्य के अधिकतर स्थानों पर दोपहर तक मध्यम से तेज गति की बारिश का क्रम रुक-रुक कर जारी है। जनपद देहरादून थानों तथा सोडा-सरौली के बीच भोपालपानी में देर रात्रि अतिवृष्टि से दो मकानों में जलमग्न की सूचना मिली। इस पर एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंच कर राहत बचाव शुरू किया और जेसीबी की सहायता से रेस्क्यू कर सभी प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार राज्य भर में आज के लिए कहीं-कहीं गरज चमक के साथ भारी से भारी से बहुत भारी बारिश के दौर को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश भर में आज के लिए येलो अलर्ट और आठ अगस्त के लिए पिथौरागढ़,चंपावत, नैनीताल, उधमसिंह नगर में आरेंज और 09 अगस्त के लिए चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल बागेश्वर में ऑरेंज और शेष जिलों के लिए यलो जबकि 10 अगस्त के लिए सभी जिलों जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान गरज चमक के साथ भारी से बहुत भारी बारिश के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना है।

बारिश से संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने के कारण सड़कों और राजमार्गों में कटाव से अवरोध होने और निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति बन सकती है। प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से पहाड़ों में सड़कों के अवरुद्ध होने का सिलसिला जारी है। उत्तरकाशी जिले में ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग कल्याणी हरेती के पास मलबा आने के कारण बंद है। ऋषिकेश चंबा धरासू मार्ग एनएच 94 किमी. 87 में मलबा आने से बाधित है। त्यूरी चकराता 707 ए और चमोली जिले में ऋषिकेश बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पीपलकोटी, टंगड़ी, हेलंग, मारवाड़ी पुल के पास मलबा आने से बाधित है। भूस्खलन से मार्गों का बंद होने और खुलने का सिलसिला जारी है। प्रदेश में पिथौरागढ़ जिले में 03 बॉर्डर मार्ग सहित कुल 212 सड़कें बाधित हैं।

राहुल गांधी की तरह नेतानगरी नहीं, कोर्ट की सजा को स्वीकार्य कर उच्च न्यायालय में करूंगा अपील : रामशंकर कठेरिया

इटावा, (हि.स.)। भाजपा से इटावा के सांसद रामशंकर कठेरिया ने आगरा के एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के मामले पर उच्च न्यायालय में अपील करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सजा सुनाए जाने के बाद उच्च न्यायालय में अपील करने की बजाय नेतानगरी करते रहे, इस वजह से लोकसभा स्पीकर ने उनकी सदस्यता को खत्म किया था। वह अपनी सजा के मामले में उच्च न्यायालय में अपील करेंगे और लोकसभा स्पीकर का जब तक कोई निर्देश नहीं मिलेगा, तब तक वह सांसद के तौर पर सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होते रहेंगे। वह रविवार को इटावा रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधार शिला रखने के क्रम के इटावा रेलवे स्टेशन को भी शामिल किया गया। केन्द्र सरकार द्वारा इटावा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए तैतीस करोड़ रुपये का बजट पास किया गया है। इस बजट से इटावा रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

विश्वस्तरीय स्टेशन की तर्ज पर किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेस के जरिए इटावा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इस मौके पर मुख्य अतिथि बतौर इटावा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया ने शिरकत की। सांसद के साथ सदर विधायक सरिता भदौरिया, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी समेत सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। सांसद रामशंकर कठेरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देश के 508 रेलवे स्टेशनों को विश्वस्तरीय स्टेशन की तरह पुनर्विकसित करने की आधार शिला रखी है। उन्होंने आगरा की एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा दो साल के कारावास की सजा और पचास हजार रुपये के जुमार्ने के मामले में बोलते हुए कहा कि वह इस सजा के मामले में उच्च न्यायालय में अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि बसपा के शासन काल में आगरा के शमसाबाद रोड पर रहने वाली एक महिला कपड़ों पर प्रेस करके अपने बच्चों का पालन पोषण करती थी। उसका एक लाख रुपये से अधिक का बिजली बिल आया। इसे लेकर उक्त महिला कई बार टोरेंट के ऑफिस गई, लेकिन उसे राहत नहीं मिली। उसके बाद पीड़िता मेरे पास आई और दस हजार रुपये में उसका फैसला हुआ। महिला जब पैसे जमा करने गई तो वहां पर उसके साथ अभद्रता और मारपीट की गई थी, जिसके बाद वह महिला अपने बच्चों को लेकर मेरे आवास पर आई और आत्महत्या करने की बात कहने लगी। मैं उसे तत्काल टोरेंट बिजली ऑफिस लेकर गया और उसका पैसा जमा करवाया। उन्होंने बताया कि वहां पर कोई भी इस तरीके की घटना घटित नहीं हुई थी, लेकिन बीएसपी सरकार चाहती थी कि कोई भी टोरेंट कंपनी का विरोध न करे, इसलिए मेरे ऊपर एफआईआर दर्ज करवाकर एक संदेश देने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि कोर्ट के द्वारा सुनाई गई सजा को वह स्वीकारते हैं तथा इस मामले पर वह उच्च न्यायालय में अपील करेंगे। उन्हें भरोसा है कि मुझे उच्च न्यायालय से न्याय मिलेगा।

प्रधानमंत्री का लक्ष्य भारत को नम्बर-1 बनाना : केशव प्रसाद मौर्य

-उप्र के 55 स्टेशनों में सात स्टेशन प्रयागराज मंडल के : मंडल रेल प्रबंधक

प्रयागराज, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है भारत को नम्बर-1 बनाना। वह इसके लिए पूरी तरह से प्रयासरत हैं। इसी प्रयास में आज जो व्यवस्था हवाई जहाज में है वह अब रेलवे स्टेशनों पर मिलेगी। यह बातें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को प्रयागराज जंक्शन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिये पूरे भारत में पुनर्विकास के शिलान्यास के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश भर के 1309 रेलवे स्टेशनों का अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है। इन स्टेशनों में से 508 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री द्वारा आज रखी जा रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे आधुनिकीकरण की दिशा में और भारत सरकार के न्यू इंडिया के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। देश भर में रेलवे स्टेशनों को विश्वस्तरीय स्टेशनों के रूप में विकसित करने का काम तेजी से किया जा रहा है। तीन स्टेशनों पर काम पूरा हो गया है। इनमें मध्य प्रदेश का रानी कमलापति स्टेशन, कर्नाटक के बेंगलुरु का सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल स्टेशन और गुजरात का गांधीनगर स्टेशन हैं। ये स्टेशन आधुनिक भारत की भव्य तस्वीर पेश करते हैं। इन स्टेशनों पर यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। कौशाम्बी सांसद विनोद सोनकर ने अपने जनपद के विकास के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी। सांसद केशरी देवी पटेल ने वन्दे भारत की बात करते हुए बधाई दी। कहा कि सबसे ज्यादा धन

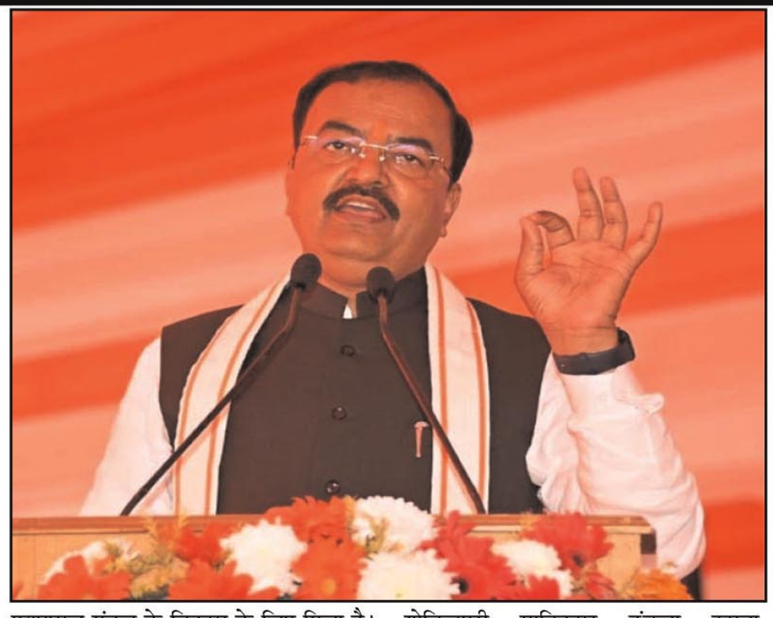

प्रयागराज मंडल के विकास के लिए मिला है। क्योंकि यहां कुम्भ मेला लगता है और यहां की महिमा विश्व विख्यात है। विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण भाषा भारत है। रेलवे स्टेशन में बहुत सुधार हुआ है। जो आनंद चीन और जापान में मिलता है वह अब यूपी में मिलेगा। मंडल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी ने कहा कि इनमें से 55 स्टेशन उत्तर प्रदेश के हैं और 07 स्टेशन प्रयागराज मंडल के हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के अतंर्गत उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के अतंगर्त 15 स्टेशनों पर कार्य होना है। जिनमें विन्ध्याचल, फतेहपुर, पनकी धाम, मिजार्पुर, गोविन्दपुरी, मानिकपुर, टूंडला, इटावा, अनवरगंज, फिरोजाबाद, चुनार, खुर्जा, शिकोहाबाद, मैनपुरी एवं सोनभद्र हैं। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि यात्रियों के सुचारू रूप से आवाजाही के लिए इन स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्केलेटर के अलावा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कॉनकोर्स, वेटिंग रूम और कमर्शियल क्षेत्र विकसित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशनों के अतिरिक्त प्रयागराज एवं कानपुर स्टेशनों का वृहद पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत इन स्टेशनों को विश्व स्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रयागराज स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य 960 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। जो पूरे देश में सर्वाधिक है। इसके अंतर्गत स्टेशन के दोनों ओर 8 मंजिला स्टेशन भवन का निर्माण, जिसमें प्रथम 3 मंजिल पर रेल संबंधी कार्यालय एवं यात्री सुविधाओं तथा ऊपर की मंजिलों पर वाणिज्यिक विकास का प्रावधान किया गया है। सिविल लाइंस साइड में अंडरग्राउंडपार्किंग एवं एकीकृत परिवहन की व्यवस्था की गई है। साथ ही स्टेशन के सिविल लाइंस साइड की ओर तीसरे मार्ग से सातवें मार्ग तक सभी जर्जर रेलवे आवासों को तोड़कर सकुर्लेटिंग एरिया का विकास किया जाना है। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन पर 72 मीटर चौड़े दो कॉनकोर्स का भी निर्माण किया जाना है जो रेलवे लाइन एवं प्लेटफॉर्मों के ऊपर बनाया जाएगा। जिसमें 9,000 यात्रियों के बैठने हेतु व्यवस्था होगी। यात्रियों के आने-जाने के लिए सभी प्लेटफॉर्मों पर लिफ्ट एवं एस्केलेटर की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार कानपुर स्टेशन पर 767 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन का वृहद पुनर्विकास प्रस्तावित है। जिसमें सिटी साइड (घंटाघर) में नए स्टेशन भवन का निर्माण, कॉनकोर्स/फूड प्लॉजा का निर्माण, यात्रियों के लिए प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए लिफ्ट एवं एस्केलेटर का प्रावधान, रेलवे स्टेशन का मेट्रो केसाथ एकीकरण एवं कुल 93100 वर्ग मीटर यात्री एवं वाणिज्यिक स्थान का विकास सम्मिलित है। इस मौके पर सांसद, विधायक एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों सहित शहर के नागरिक, स्कूली बच्चे, खिलाड़ी, स्वतंत्रता सेनानी और विशेष रूप से क्षेत्र के पद्म विभूषण पुरस्कार प्राप्तकताओं सहित सामान्य जनमानस उपस्थित रहे।

ज्ञानवापी परिसर में लगातार तीसरे दिन एएसआई का सर्वे, तहखाना साफ कराया गया

-श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में सुरक्षा की किलेबंदी, अब सर्वे में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा

वाराणसी, (हि.स.)। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश और देश के शीर्ष अदालत के मार्गदर्शन में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) टीम का सर्वे रविवार को तीसरे दिन शुरू हो गया है। एएसआई की टीम कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्वाह्न नौ बजे पहुंची। सर्वे शुरू करने से पहले मस्जिद के तहखाने को साफ करा कर एग्जॉस्ट लगाया लगाया। मस्जिद के पश्चिमी दीवार से लेकर बैरिकेडिंग तक के क्षेत्र में मौजूद घास हटा दी गई। पूरी ज्ञानवापी बिल्डिंग को एक ही बार में देखने के लिए सैटेलाइट के जरिए 3डी इमैजिनेशन तैयार किया गया है। एएस-ाआई की टीम दीवारों की 3डी इमेजिंग, मैपिंग और स्क्रीनिंग भी करेगी। वादी हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने सर्वे में भाग लेने के पूर्व पत्रकारों को बताया कि मस्जिद के व्यासजी का तहखाना खोला जाएगा। टीम आज व्यासजी के तहखाने में साक्ष्य जुटाएगी। कल पश्चिमी दीवार का विस्तृत अध्ययन

किया गया। पश्चिमी दीवार से लेकर बैरिकेडिंग तक के क्षेत्र में मौजूद घास हटा दी गई। 'तहखाना' साफ कर दिया गया और एग्जॉस्ट लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा, मैंने केंद्रीय गुंबद के नीचे एक खोखली आवाज की ओर इशारा किया, इसकी जांच की जा रही है। केंद्रीय गुंबद के बगल का एक क्षेत्र, जो कृत्रिम रूप से ढका हुआ है, उस-ाकी ओर भी इशारा किया गया था। इसलिए जांच चल रही है। यह एक लंबी जांच है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने हमें चार हफ्ते का समय दिया है। काम हो रहा है। आने वाले समय में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा। हिन्दू पक्ष के ही अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी के अनुसार पिछले साल अधिवक्ता आयुक्त ने कमीशन की जो कार्रवाई की थी, उससे यह सर्वे पूरी तरह से अलग है। पिछले साल किसी वस्तु को छूने का अधिकार नहीं था। आंखों के सामने जो दिख रहा था, रिपोर्ट में सिर्फ उसका ही उल्लेख किया गया था। एएसआई की टीम देखने के साथ उसे छूकर जांच कर रही है। जरूरत के अनुसार बिना खोदाई या तोड़फोड़ किए हुए नमूने भी एकत्र कर रही है। माना जा रहा है कि वाराणसी समेत विभिन्न जिलों से आए एएसआई टीम के सदस्य पाली में सर्वे करेंगे। पहली पाली सुबह 9 से 12.30 तक की होगी। ढाई बजे के बाद दूसरी पाली में नए कर्मी रहेंगे।

यूपी विधानसभा सत्र में जनहित मुद्दों पर सरकार करे चर्चा : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पाटी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार से शुरू हो रहे उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र में सरकार द्वारा आमजन के हित के मुद्दों पर चर्चा करने की बात कही है। बसपा प्रमुख ने रविवार को अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर कहा कि यूपी विधानसभा के सोमवार से शुरू हो रहे सत्र में सरकार आमजनहित के जरूरी मुद्दों जैसे बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी तथा सड़क, बिजली, पानी, शान्ति-व्यवस्था व सुरक्षा आदि की बदहाल स्थिति के बारे में विशेष जिम्मेदारी का परिचय दे, क्योंकि इनको लेकर लोगों का

जीवन त्रस्त व अस्त-व्यस्त है। आगे कहा कि यूपी की सरकार द्वारा जनहित, जनकल्याण व विकास के मामलों में इनके धारा प्रवाह वादों एवं दावों के प्रति सदन में उत्तरदायित्व बनाने तथा इन्हें इधर-उधर के बजाय तथ्यात्मक बातें ही सदन में रखने को विवश करने के लिए विपक्ष द्वारा नियमों के तहत इनको बाध्य करना ज्यादा जरूरी है।

लहरों में उफान, 10 सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहा गंगा का जलस्तर

वाराणसी, (हि.स.)। पहाड़ों पर लगातार हो रही बरसात के चलते गंगा की लहरें फिर उफान मारने लगी है। जलस्तर में बढ़ाव से पहले से ही घाटों का सम्पर्क मार्ग डूबा हुआ है। जलस्तर में बढ़ाव की गति देख तटवर्ती क्षेत्र के साथ सहायक नदी वरूणा के किनारे भी बाढ़ की आशंका गहराने लगी है। रविवार को सुबह आठ बजे तक गंगा का जलस्तर 66.52 मीटर दर्ज किया गया। गंगा का जलस्तर 10 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। बताया गया कि रविवार तड़के गंगा का जलस्तर 04 सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहा था। लेकिन सुबह 07 बजे तक रफ्तार की गति 10 सेंटीमीटर प्रतिघंटा हो गई। जलस्तर में बढ़ाव की गति देख घाट किनारे रहने वालों की चिंता बढ़ गई है। गंगा में चेतावनी बिंदू 70.262 मीटर और खतरे का निशान 71.262

मीटर है। गंगा में बढ़ाव को देख मोक्षतीर्थ मणिकर्णिकाघाट और हरिश्चन्द्रघाट पर उंचे स्थानों पर शवदाह हो रहा हैं।

शवयात्रियों को अपने परिजनों के पार्थिव शरीर का अन्तिम संस्कार करने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। सामनेघाट स्थित गंगा के किनारे बने कालोनियों में लोगों की बाढ़ की आशंका से नींद उड़ गई है। गंगा के जलस्तर में बढ़ाव की गति देख नौका संचालन पर रोक लगाई गई है। एनडीआरएफ टीम के साथ पीएसी और जल पुलिस भी सतर्क है। गंगा किनारे अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। गंगा आरती का स्थान भी बदलना पड़ा है। वाराणसी और आसपास के जनपदों में भी गंगा के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। फिलहाल वाराणसी में गंगा अभी चेतावनी बिंदू के नीचे है। लेकिन बढ़ाव की गति देख कर अनुमान लगाया जा रहा है कि गंगा चेतावनी बिंदू तक पहुंच सकती है।

डाक विभाग कर्मचारियों ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत निकाली रैली

रामगढ़, (हि.स.)। डाक विभाग अपने कर्मचारियों के साथ हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। रविवार को डाक विभाग के कर्मचारियों ने हर घर तिरंगा लगाने को लेकर एक रैली निकाली। शहर के सुभाष चौक से प्रधान डाकघर तक निकली इस रैली के माध्यम से लोगों को अपने घरों में तिरंगा लगाने की अपील की गई। हजारीबाग के डाक अधीक्षक आशुतोष कुमार सिन्हा के निर्देश पर रामगढ़ सब डिविजन के सहायक डाक अधीक्षक नवीन कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में, रामगढ प्रधान डाकघर के पोस्टमास्टर मनोज कुमार के संचालन में जिले भर के सभी डाककर्मी रैली में शामिल हुए। प्रभात फेरी का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर 13 अगस्त से 15 अगस्त को जिले के सभी घरों में हमारे देश की आन, बान और शान तिरंगा झंडा को फहराना है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम में जिले के सभी घरों के लिए डाक विभाग द्वारा तिरंगा झंडा उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले के सभी डाकघरों में मात्र 25/रुपया में तिरंगा झंडा प्राप्त किया जा सकता है। डाकघर का तिरंगा झंडा बहुत ही आकर्षक, सुंदर और टिकाऊ है। सभी डाकघरों से ऑनलाइन बुकिंग करके भी इसे अपने घर में प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन बुकिंग चार्ज मात्र 25/रुपया ही लग रहा है। मंगवाने के लिए कोई भी अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। पोस्टमैन झंडे को घरों तक ऑनलाइन बुकिंग के बाद पहुंचा देंगे। इसे ऑनलाइन बुकिंग के लिए www.epostoffice.gov.in पर लॉगिन करना है। अब घर बैठे ही तिरंगा झंडा को प्राप्त कर हर घर तिरंगा झंडा को फहराना है। प्रभात फेरी में डाक परिवार द्वारा भिन्न भिन्न चौराहों पर देश के सपूतों को माल्यार्पण भी किया गया।

झारखंड आदिवासी दिवस समारोह में 30 सामाजिक संगठन होंगे शामिल

रांची, (हि.स.)। झारखंड आदिवासी दिवस समारोह में 30 सामाजिक संगठन शामिल होंगे। इसके मद्देनजर रविवार को विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी को लेकर बैठक बुलाई गई। बैठक में विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियों को लेकर कई निर्णय लिए गए। विश्व आदिवासी दिवस समारोह में 30 सामाजिक संगठन संयुक्त रूप शामिल होंगे। बैठक में समिति की अध्यक्ष निरंजना हेरेंज टोप्पो ने कहा कि देश के कई राज्य में आदिवासियों के ऊपर हो रहे हमले, हत्या, दुष्कर्म सहित अन्य घटनाओं पर कहा कि राजनीतिक षड्यंत्र और कॉरपोरेट घरानों के कारण प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन करने वाले आदिवासी जनजाति समाज विलुप्तता के कगार पर पहुंच रहे हैं। पाहन महासंघ झारखंड प्रदेश, जय आदिवासी केंद्रीय परिषद, अखिल भारतीय एसटीएससी परिसंघ, राष्ट्रीय आदिवासी इंडीजिनस धर्म समन्वय समिति, भारत सरना समिति नगडा टोली, सिंहभूम हो आदिवासी समाज, प्राकृतिक धर्म सेवा केंद्र रांची, आदिवासी विकास सरना प्रार्थना सभा अनगड़ा, आदिवासी सरना सतड सहयोग समिति रांची, राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद, राजस्थान आदिवासी मीणा समाज झारखंड, सरना प्रार्थना सभा महुआ टोली होटवार, नेम्हा बेली फाउंडेशन, ग्रामसभा बड़ा घाघरा रांची, झारखंड प्रदेश आदिवासी गोंड महासभा, राजी पड़हा रांची, आदिवासी सरना समिति जगन्नाथपुर रांची, ट्रायबल एडवोकेट एसोसिएशन, केंद्रीय सरना प्रार्थना समिति, आदिवासी धर्म सेवा केंद्र, आदिवासी भूमिज समाज रांची, आदिवासी सरना ग्राम सभा बड़गाई, सरना प्रार्थना सभा बूटी, आदिवासी सरना प्रार्थना सभा किशनपुर सहित 32 संगठन एक साथ शामिल होकर हुंकार भरेंगे।

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत स्कॉलरशिप परीक्षा 18 अगस्त को

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत मिलने वाले स्कॉलरशिप चयन परीक्षा 18 अगस्त को होगी। यह परीक्षा जैक की ओर से ली जाएगी। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। इस परीक्षा के आधार पर राज्यभर में 5000 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। सभी जिलों के विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिले, इस उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने प्रत्येक जिले से चार-चार सौ विद्यार्थियों को चयनित करने का प्रावधान किया है। स्कॉलरशिप के लिए एक परीक्षा आयोजित की जाएगी, जो 90-90 मिनट की होगी और इसमें दो खंड में प्रश्न पूछे जाएंगे, खंड एक में 90 प्रश्न होंगे, जिसमें रिजनिंग इंग्लिश और प्रोफिशिएंसी से संबंधित प्रश्न होंगे। खंड-2 में एप्टिट्यूड टेस्ट होगा।

इस परीक्षा में बच्चों को 60 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य किया गया है। हालांकि, एससी एसटी छात्रों को सरकार ने राहत देते हुए 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य किया है। इस योजना के तहत 9वीं से 12वीं तक के चयनित बच्चों को साल में 12,000 रुपये मिलेंगे। विडंबना यह है कि शिक्षा विभाग के द्वारा शुरू की गई इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम का लाभ लेने में झारखंड के बच्चे उदासीन हैं। शिक्षा विभाग ने इस साल के चयन परीक्षा में राज्यभर के सरकारी स्कूलों के एक लाख बच्चों को शामिल कराने के लिए रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य रखा था लेकिन जैक के द्वारा तीन-तीन बार आवेदन भरने की तारीख बढ़ाए जाने के बावजूद भी लक्ष्य के अनुरूप रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। तीन बार आवेदन की तारीख बढ़ाने के बावजूद 60,000 विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन ही हुआ है।

बिहार में नहीं रहा कानून का राज : चिराग पासवान

भागलपुर, (हि.स.)। लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान शनिवार की देर रात भागलपुर पहुंचे। जहां कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने शनि मंदिर में पूजा अर्चना की। वहीं उन्होंने भागलपुर में भाजपा नेताओं और पत्रकार पर हुए लाठीचार्ज मामले में सरकार पर जमकर हमला बोला। चिराग पासवान

ने कहा कि सरकार मुख्यमंत्री छात्र, किसान, आम लोग, नेता और अब पत्रकार पर लाठी चला रहे हैं। बिहार में आईपीसी की धारा की फिर जरूरत ही क्या है। राहुल गांधी को स्टे लगा है। ये मुख्यमंत्री के लिए चिंता का विषय बन गया है। अगुवा बनने का प्रयास कर रहे थे। नाराज होकर आए मुख्यमंत्री को साइड करके राजद और कांग्रेस के नेता आपस मे मिल रहे हैं। इस मौके पर लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा सहित पार्टी के कार्यकर्ता काफी संख्या में मौजूद थे।

अगस्त 15 को 1900 सीसीटीवी कैमरे से शहर की होगी निगरानी

भागलपुर, (हि.स.)। आगामी 15 अगस्त से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युक्त 1900 सीसीटीवी कैमरे से शहर की निगरानी और निगहबानी शुरू हो जाएगी। भागलपुर के एसएसपी आनंद कुमार और एसडीएम धनंजय कुमार टेक्निकल अपग्रेडेशन से बड़ी उम्मीद लगा रहे हैं कि छोटे शहरों में अब जो जुलूस, जलवा, प्रदर्शन और प्रतिरोध मार्च का प्रदर्शन होगा उसमें उपद्रवी कोई बबाल नहीं कर पायेगा। स्मार्ट सिटी का कैमरा और कमांड कंट्रोल रूम का बैक अप शहरवासी के हित में शायद अमन और शांति के लिए लाभकारी साबित होगा। उल्लेखनीय हो कि एक दौर था जब अफवाह के पर विनाशकारी रूप लेता था। लेकिन आधुनिक दौर में जब डिजिटल एविडेंस, टेक्निकल सर्विलांस, सीसीटीवी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलावा कई सारे टेक्निकल टूल्स हैं तो सामाजिक उद्वेलन और अस्थिरता पर नियंत्रण के बजाय इजाफा क्यों दिख रहा है, यह एक बड़ा सवाल है।

छोटे शहर से लेकर बड़े शहरों के बीच से जो खबरें निकल के आ रही हैं, वह पुलिस, प्रशासन और समाज के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रही है। बात अगर बिहार में ही भागलपुर की करें तो 1989 के साम्प्रदायिक दंगे में जख्म खाए लोग आज भी अमन पसंद की चाह रखते हैं। अब सिल्क सिटी भागलपुर की पहचान गुम होने के बाद नई पहचान स्मार्ट सिटी भागलपुर के रूप में हुई है। आए दिन बबाल नहीं हो, लॉ एण्ड आर्डर के हालात बेहतर बनी रहे। उसको लेकर स्मार्ट सिटी ने विशेष तैयारी कर ली है।

बिहार शिक्षक नियुक्ति परीक्षा : 24 से 26 अगस्त तक दो पाली में होगी परीक्षा

- सोशल मीडिया पर वायरल हो गया सेंटर कोड

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार लोक सेवा आयोग ने बहुचर्चित अध्यापक (शिक्षक) नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। 24 से 26 अगस्त तक यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। 24 अगस्त गुरुवार को प्रथम पाली में दस बजे से 12 बजे तक प्रथम से पंचम वर्ग तक के पुरुष अभ्यर्थियों के सामान्य अध्ययन एवं द्वितीय पाली में 3:30 से 5:30 बजे तक प्रथम से पंचम वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए सामान्य अध्ययन विषय की परीक्षा होगी। 25 अगस्त को प्रथम पाली में सभी पुरुषों अभ्यर्थियों के लिए भाषा एवं द्वितीय पाली में सभी महिलाएं अभ्यर्थियों के लिए भाषा की परीक्षा होगी। अंतिम दिन 26 अगस्त को प्रथम पाली में नवम एवं दशम वर्ग तथा द्वितीय पाली में 11वीं एवं 12वीं के अभ्यर्थियों के लिए सामान्य अध्ययन एवं विषय की परीक्षा होगी। इस परीक्षा के लिए अभ्यर्थी दस से

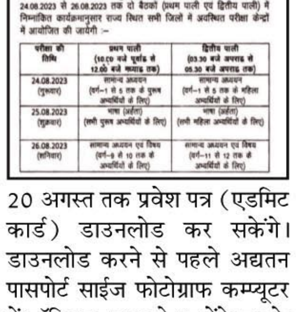

बिहार लोक सेवा आयोग
15, नेहरू पथ (बेली रोड), पटना - 800001
परीक्षा कार्यक्रम एवं आवश्यक सूचना
विज्ञापन संख्या-26/2023, अध्यापक नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा

विज्ञापन संख्या-26/2023, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय अध्यापक नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा दिनांक-24.08.2023 से 26.08.2023 तक दो बैठकों (प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली) में निम्नांकित कार्यक्रमानुसार राज्य स्थित सभी जिलों में अवस्थित परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जायेगी :-

परीक्षा की तिथि	प्रथम पाली (10.00 बजे पूर्वाह्न से 12.00 बजे मध्याह्न तक)	द्वितीय पाली (03.30 बजे अपराह्न से 05.30 बजे अपराह्न तक)
24.08.2023 (गुरुवार)	सामान्य अध्ययन (वर्ग-1 से 5 तक के पुरुष अभ्यर्थियों के लिए)	सामान्य अध्ययन (वर्ग-1 से 5 तक के महिला अभ्यर्थियों के लिए)
25.08.2023 (शुक्रवार)	भाषा (अर्हता) (सभी पुरुष अभ्यर्थियों के लिए)	भाषा (अर्हता) (सभी महिला अभ्यर्थियों के लिए)
26.08.2023 (शनिवार)	सामान्य अध्ययन एवं विषय (वर्ग-9 से 10 तक के अभ्यर्थियों के लिए)	सामान्य अध्ययन एवं विषय (वर्ग-11 से 12 तक के अभ्यर्थियों के लिए)

20 अगस्त तक प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) डाउनलोड कर सकेंगे। डाउनलोड करने से पहले अद्यतन पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ कम्प्यूटर में लॉगिन कर अपलोड करेंगे। उसके बाद ही प्रवेश पत्र डाउनलोड होगा। डाउनलोड किए गए प्रवेश पत्र आवंटित परीक्षा केन्द्र कोड के रूप में दर्ज रहेगा। प्रवेश पत्र में केन्द्र कोड एवं जिला का नाम अंकित रहेगा। सभी अभ्यर्थी प्रति पाली प्रवेश पत्र की एक अतिरिक्त प्रति अपने साथ परीक्षा केन्द्र ले जाएंगे तथा परीक्षा अवधि में वीक्षक के समक्ष हस्ताक्षर कर उन्हें सुपूर्द करेंगे। परीक्षा केन्द्र कोड के संबंध में विस्तृत जानकारी 21 अगस्त से उपलब्ध करायी जाएगी। हालांकि, सोशल मीडिया पर लोक सेवा आयोग पूरे बिहार के चयनित किए गए परीक्षा केंद्र का कोड एवं नाम वायरल हो रहा है। जिसमें बेगूसराय जिले में 105 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक के उच्च विद्यालय को परीक्षा केंद्र बना दिया गया है। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने के एक घंटा पूर्व तक ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। परीक्षा अवधि की समाप्ति पर ओएमआर शीट सील बंद करने के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति दी जाएगी। फिलहाल बिहार में शिक्षक नियुक्ति के लिए चल रहे आंदोलन के बीच परीक्षा तिथि की घोषणा से अभ्यर्थियों में हलचल तेज हो गई है।

मंदिर परिसर से युवक का शव बरामद, छानबीन में जुटी पुलिस

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र के अलीगंज स्थित मंदिर परिसर में रविवार को एक युवक का क्षत विक्षत शव बरामद किया गया है। मंदिर में उस समय सनसनी फैल गई जब युवक का क्षत विक्षत शव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने देखा। मंदिर में शव होने की सूचना जंगल में आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में आसपास के लोग मंदिर परिसर पहुंच गए। लोगों ने इसकी सूचना बबरगंज थाना पुलिस को दिया। मृतक की पहचान भैरोपुर निवासी रितेश कुमार उर्फ मुखिया मंडल के रूप में हुई है। वह एक हत्याकांड का आरोपी था और वह हाल के दिनों में जेल से बेल पर छूटकर बाहर आया था। मृतक के भाई मुकेश मंडल ने बताया कि कुछ दिन पूर्व भागलपुर के शीतला स्थान चौक

पर हुए मर्डर केस में उसके भाई को भी आरोपी बनाया गया था। जबकि वह मर्डर दिलीप मंडल के पुत्र ने किया था। जबसे उसका भाई जेल से बाहर आया था। उसी समय से दिलीप मंडल यह कहता था कि उसका बेटा अगर जेल से नहीं निकलेगा तो वह उसके भाई को भी मार देगा। उसके भाई की हत्या उसके पड़ोसी मंटू मंडल ने दिलीप मंडल के इशारे पर किया है। पूरे मामले पर सिटी डीएसपी अजय चौधरी ने बताया कि मंदिर परिसर से शव बरामद हुआ है। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि ईट से कुचलकर रितेश की हत्या की गई है। पुलिस सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। जल्द ही हत्याकांड में शामिल सभी अपराधी सलाखों के पीछे होंगे।

संपादकीय

चेतावनी के साथ राहत

मोदी उपनाम के एक जातीय समूह का अपमान करने के मामले में गुजरात उच्च न्यायालय से दोषी सिद्ध हुए राहुल गांधी को सर्वोच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिल गई है। न्यायालय ने दोषसिद्धि की याचिका पर निर्णय आने तक राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। यानी अब राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी बहाल होने का रास्ता खुल गया है और वे एक बार फिर संसद में दिख सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय से मिली राहत को कांग्रेस बड़ी जीत के तौर पर दिखा रही है, जबकि न्यायालय की अन्य टिप्पणियों को भी देखना चाहिए, जो कांग्रेस और राहुल गांधी को आईना दिखाती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने एक ही तर्क पर राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाई है कि उच्च न्यायालय ने दो साल की सजा सुनाने के पर्याप्त कारण नहीं बताए हैं। जबकि उच्च न्यायालय ने यह सिद्ध किया था कि मानहानिकारक टिप्पणी करना राहुल गांधी की आदत बन गया है। न्यायमूर्ति ने राहुल गांधी के अन्य मामलों का भी उल्लेख किया था। स्मरण रखें कि राफेल मामले में राजनीतिक लाभ लेने के लिए राहुल गांधी सर्वोच्च न्यायालय तक को गलत ढंग से उल्लेखित कर चुके हैं। तब राहुल गांधी ने न्यायालय की अवमानना के मामले में बिना शर्त माफी माँगी थी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील महेश जेठमलानी ने भी सर्वोच्च न्यायालय का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय पहले भी राफेल प्रकरण में राहुल गांधी को आगाह कर चुका है लेकिन उनके रवैये में कोई बदलाव नहीं आया। राहुल गांधी के खिलाफ ढेर सारे सबूत उपलब्ध हैं। बहरहाल, न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाते हुए यह भी स्पष्टतौर पर कहा कि "यह सही है कि इस तरह के बयान अपमानजनक और मानहानि के हैं"। इसका तो यही अर्थ हुआ कि सजा पर रोक लगानेवाली पीठ भी मानती है कि मोदी उपनाम के मामले में की गई राहुल गांधी की टिप्पणी एक समूचे जातीय समूह का अपमान करनेवाली है। इसके साथ ही न्यायालय ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में बयान को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए। सजा पर लगी रोक को कांग्रेस बड़ी जीत के तौर पर अवश्य ही देखे, लेकिन उसे न्यायालय की अन्य टिप्पणियों एवं अपेक्षाओं पर भी गंभीरता दिखानी चाहिए। राजनीति का रिवाज भी बन गया है कि न्यायालय से अपने हित में आए निर्णय का तो जोर-शोर से स्वागत किया जाता है लेकिन अपनी आलोचना या प्रतिकूल निर्णय/टिप्पणी पर संजीदगी नहीं दिखायी जाती। संवैधानिक संस्थाओं पर सरकार के दबाव का दावा करनेवाली और देश में तानाशाही शासन व्यवस्था के लागू हो जाने के अनेक दावे करनेवाली कांग्रेस को इस निर्णय के बाद तो कम से कम संवैधानिक संस्थाओं और भारत के लोकतंत्र को प्रश्नांकित करना बंद कर देना चाहिए। यह उम्मीद की जानी चाहिए कि राहुल गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेता सर्वोच्च न्यायालय की नसीहतों का ध्यान रखेंगे और सार्वजनिक भाषण में नकारात्मकता एवं अपमानजनक बातों से बचेंगे। राजनीतिक क्षेत्र में संवाद की मर्यादा को बढ़ाने में सहयोग करेंगे। हालांकि, अधिवक्ता महेश जेठमलानी की चिंता भी जायज है कि चेतावनी और नसीहतें तो राहुल गांधी को पहले भी मिल चुकी हैं। सर्वोच्च न्यायालय में वे माफी भी माँग चुके हैं। इसके बाद भी उनकी ऐसी टिप्पणियां आती रही हैं, जिन्हें माननीय न्यायालय ने उचित नहीं माना है।

सर्वोच्च न्यायालय ने एक ही तर्क पर राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाई है कि उच्च न्यायालय ने दो साल की सजा सुनाने के पर्याप्त कारण नहीं बताए हैं। जबकि उच्च न्यायालय ने यह सिद्ध किया था कि मानहानिकारक टिप्पणी करना राहुल गांधी की आदत बन गया है। न्यायमूर्ति ने राहुल गांधी के अन्य मामलों का भी उल्लेख किया था। स्मरण रखें कि राफेल मामले में राजनीतिक लाभ लेने के लिए राहुल गांधी सर्वोच्च न्यायालय तक को गलत ढंग से उल्लेखित कर चुके हैं। तब राहुल गांधी ने न्यायालय की अवमानना के मामले में बिना शर्त माफी माँगी थी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील महेश जेठमलानी ने भी सर्वोच्च न्यायालय का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय पहले भी राफेल प्रकरण में राहुल गांधी को आगाह कर चुका है लेकिन उनके रवैये में कोई बदलाव नहीं आया। राहुल गांधी के खिलाफ ढेर सारे सबूत उपलब्ध हैं। बहरहाल, न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाते हुए यह भी स्पष्टतौर पर कहा कि "यह सही है कि इस तरह के बयान अपमानजनक और मानहानि के हैं"। इसका तो यही अर्थ हुआ कि सजा पर रोक लगानेवाली पीठ भी मानती है कि मोदी उपनाम के मामले में की गई राहुल गांधी की टिप्पणी एक समूचे जातीय समूह का अपमान करनेवाली है। इसके साथ ही न्यायालय ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में बयान को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए।

कुछ अलग

कितना गंभीर है प्रस्ताव

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा है कि वह भारत के साथ सभी गंभीर मसलों पर बातचीत करना चाहते हैं क्योंकि युद्ध कोई विकल्प नहीं रह गया है। उनकी इस बात में असहमति की कोई गुंजाइश नहीं कि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी देशों के बीच युद्ध कोई विकल्प नहीं रह गया है। लेकिन शाहबाज शरीफ कोई पहली बार बातचीत की पेशकश नहीं कर रहे। इसी साल जनवरी में भी उन्होंने ऐसा प्रस्ताव दिया था। अगर उस प्रस्ताव के बाद हालात में कोई बदलाव नहीं आया तो उसकी भी ठोस वजहें मौजूद हैं। ध्यान रहे, पिछले बरसों में भारत की तरफ से द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती देने की कम कोशिशें नहीं हुईं। साल 2014 में सत्ता में आने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे प्रयास शुरू कर दिए थे। उन प्रयासों का फल भी दिख रहा था। बात बिगड़नी शुरू हुई तब, जब भारत की लाख कोशिशों के बावजूद सीमा पार से आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगाने की कोई सार्थक कोशिश नहीं दिखी। मजबूरन भारत को इन आतंकी हमलों पर रोक लगाने की पहल खुद करनी पड़ी। इसके साथ ही भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और बातचीत दोनों साथ-साथ नहीं चल सकते। दोनों देशों के रिश्तों में दूसरा बड़ा फैक्टर कश्मीर का सवाल है। पाकिस्तान भारत के अपने क्षेत्र में किए गए अनुच्छेद 370 से जुड़े बदलावों को तो मुद्दा बनाता है, हालांकि वह पूरी तरह भारत का आंतरिक मामला है, लेकिन यह नहीं देखता कि दोनों देश शिमला समझौते के तहत यह मान चुके हैं कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है। वह मौके-बेमौके इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहता है। ऐसे में यह कैसे माना जा सकता है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री सचमुच रिश्तों को बेहतर बनाने की इच्छा रखते हैं? अगर वह संदेश दें कि पाकिस्तान में कट्टरपंथी और आतंकी तत्वों को फलने-फूलने नहीं दिया जाएगा तो असंभव नहीं कि दोनों देशों के बीच सार्थक बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो जाए। लेकिन इन संभावनाओं के बीच इस सचाई को नहीं भुलाया जा सकता कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकारें भी आर्मी के इशारों पर ही काम करती आई हैं। और, शाहबाज सरकार तो चुनी हुई भी नहीं है। इधर पाकिस्तान अंदरूनी राजनीतिक संकट से भी गुजर रहा है, जहां हटाए गए प्रधानमंत्री इमरान खान और आर्मी के बीच टकराव बना हुआ है। दूसरी ओर, इमरान जनता के बीच लोकप्रिय बने हुए हैं। पाकिस्तान में आने वाले समय में संसदीय चुनाव भी प्रस्तावित हैं। इसके बाद यह स्पष्ट होगा कि इमरान या उनके विरोधियों में से जनता किसके साथ है। असल में, दोनों देशों के बीच कोई सार्थक बातचीत तभी हो सकती है, जब पाकिस्तान में सत्ता के अलग-अलग केंद्रों की इस पर एक राय हो। साथ ही, उसे सीमापार से आतंकवाद का खेल भी बंद करना होगा।

पाकिस्तान भारत के अपने क्षेत्र में किए गए अनुच्छेद 370 से जुड़े बदलावों को तो मुद्दा बनाता है, हालांकि वह पूरी तरह भारत का आंतरिक मामला है, लेकिन यह नहीं देखता कि दोनों देश शिमला समझौते के तहत यह मान चुके हैं कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है। वह मौके-बेमौके इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहता है। वह मौके-बेमौके इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहता है। ऐसे में यह कैसे माना जा सकता है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री सचमुच रिश्तों को बेहतर बनाने की इच्छा रखते हैं

आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू, बीएचयू जैसे विश्वविद्यालयों में भले ही फीस कुछ कम है

विदेशी छात्रों को आकर्षित करने से पहले भारतीय छात्रों की समस्याओं का हल निकालें

ललित गर्ग

विदेशी छात्रों के लिए सरकार ने एक नए पोर्टल 'स्टडी इन इंडिया' को लॉन्च किया है। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं को देश के शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस पोर्टल की शुरुआत करते हुए इसे देश को शिक्षा के क्षेत्र में ब्रांड इंडिया की एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति स्थापित करने का माध्यम बताया है। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता है, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सुध कौन लेगा? 'स्टडी इन इंडिया' राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 द्वारा निर्देशित है। यह भारत को पसंदीदा शिक्षा गंतव्य बनाने के साथ-साथ समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आजकल की शासन व्यवस्थाएं लोक कल्याणकारी एवं संवेदनशील न होकर आर्थिक एवं राजनीतिक प्रेरित होती जा रही हैं। शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूल जरूरतों के लिये भी सरकारों का नजरिया अर्थ-प्रदान होता रहा है। स्वास्थ्य और शिक्षा के निजीकरण की हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी है। विडम्बना देखिये कि देश के बच्चों को समुचित शिक्षा उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं और विदेशी बच्चों को उन्नत शिक्षा देने के लिये व्यापक प्रयत्न किये जा रहे हैं। विदेशी छात्रों के लिए सरकार ने एक नए पोर्टल 'स्टडी इन इंडिया' को लॉन्च किया है। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं को देश के शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस पोर्टल की शुरुआत करते हुए इसे देश को शिक्षा के क्षेत्र में ब्रांड इंडिया की एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति स्थापित करने का माध्यम बताया है। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता है, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सुध कौन लेगा? 'स्टडी इन इंडिया' राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 द्वारा निर्देशित है। यह भारत को पसंदीदा शिक्षा गंतव्य बनाने के साथ-साथ समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लेकिन उच्च शिक्षा के वंचित भारतीय छात्रों के लिये यह किस तरह हितकारी एवं उपयोगी है? 'स्टडी इन इंडिया' वेबसाइट पर ग्रेजुएशन (यूजी), पोस्टग्रेजुएशन (पीजी), डॉक्टरेट लेवल के कार्यक्रमों के साथ-साथ योग, आयुर्वेद, शास्त्रीय कला सहित अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी देगा। इसमें शैक्षणिक सुविधाओं, रिसर्च हेल्प से संबंधित जानकारी के बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन यह सब विदेशी छात्रों के लिये होगा। देश में शिक्षा के स्तर के सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बीच इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि दुनिया के शीर्ष सौ उच्च शिक्षण संस्थानों में भारत से एक भी नाम नहीं है। आज भी सक्षम परिवारों की उच्च शिक्षा के लिए पहली पसंद विदेश के शिक्षण संस्थान बने हुए हैं। फिर किस तरह हम विदेशी छात्रों को आकर्षित करेंगे, अगर आकर्षित कर भी लिया तो क्या वह भारतीय छात्रों के साथ नाइंसाफी नहीं होगा? संसाधनों की कमी और बेहतर शिक्षकों के अभाव से जूझ रही भारत की उच्च शिक्षा 'स्टडी इन इंडिया' से क्या हासिल कर लेगी, एक बड़ा सवाल है। शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना देने एवं निजी हाथों में सौंप देने से ही दोनों महंगी हुई है, आम आदमी तक उसकी पहुंच जटिल होती गयी है। इस बात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक

डॉ. मोहन भागवत ने चिन्ता जताते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है पर दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसकी वजह जनसंख्या के मुताबिक उपलब्धता की कमी और व्यावसायिकता है।' जब हम देश के लोगों को ही समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं तो विदेशों के लिये दरवाजें खोलना एवं उन पर सरकार की बड़ी शक्ति का खर्च होना कैसे औचित्यपूर्ण हो सकता है? एक ऐसे देश में जहां वंचित समूह पहले से ही अपनी भावी पीढ़ी को शिक्षित बनाने के लिए कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजर रहा हो, निजी स्कूलों व अस्पतालों की संवेदनहीनता एवं अर्थ लोलुपता से सामाजिक असंतोष एवं विद्रोह के स्वर उभरते रहे हैं। ऐसे हालातों में विदेशी छात्रों को उन्नत शिक्षा देने के अभियान में जुटना सरकार की मंशा पर एक सवालिया निशान है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 2020 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखते थे। 14 अगस्त 2004 को भारत की आजादी के 57वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने भाषण में शिक्षा पर जोर देते हुए कहा था कि 'भारत अगले 16 वर्षों में विकसित राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में है और शिक्षा के बिना यह संभव नहीं है। समृद्धि और विकास के लिए शिक्षा सबसे जरूरी तत्व है। शैक्षिक सुविधाओं तक हर व्यक्ति की पहुंच अत्यंत आवश्यक है। गांवों और गरीब परिवार के लिए शिक्षा आसानी से उपलब्ध नहीं है। भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद का छह-सात प्रतिशत तक शिक्षा पर खर्च करना चाहिए।' सरकारें शिक्षा पर खर्च तो कर रही है, लेकिन उसका लाभ गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों को कितना मिलता है, यह मंथन का विषय है। शिक्षा पर लंबे-लंबे भाषण देने वाले राजनेता, शिक्षाविद, अधिकारी और मंत्री भी देश की इन स्थितियों से परिचित हैं। बसों में मूंगफली बेचते हुए, स्टेशनों पर भीख मांगते हुए, चौराहों पर भुट्टा भूजते हुए, फैक्ट्रियों में बिसलरी की बोतलों में पानी भरते हुए, सड़क के किनारे टाट पर सब्जी बेचते या चाट का ढेला लगाते हुए इन बच्चों को कौन नहीं देखता है। ऐसा इन्हें क्यों करना पड़ता है? यह जानने की कोशिश कितने लोग करते हैं? रिक्शा, ऑटोरिक्शा, बस चलाने वाले ड्राइवरों के पीछे की भी कहानी ऐसी ही होती है। नीति-नियंता लोग अपने निजी ड्राइवर, नौकर या कामवाली बाई की पारिवारिक स्थिति के बारे भी विचार कर लेते तो भी इस तरह की स्थितियों के बारे में बहुत कुछ आसानी से समझ लेते। कहीं-कहीं ये भी देखने को मिलता है कि जिन बच्चों की खिलौनों से खेलने की उम्र होती है वही बच्चे मेला, हाट-बाजार में खिलौना बेचते हुए मिलते हैं। किताबों से तो उनका दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। फिर विकास के सुनहरे सपने उन्हें कैसे दिखाई दे सकता है? इन स्थितियों में कैसे नया भारत-सशक्त भारत आकार ले सकेगा? क्या 'स्टडी इन इंडिया' जैसी दूरगामी योजनाएं इन बच्चों के मुंह पर यह करारा तमाचा नहीं है? आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू, बीएचयू जैसे विश्वविद्यालयों में भले ही फीस कुछ कम है, लेकिन यहां तक पहुंचने की प्रक्रिया बहुत जटिल एवं प्रतिस्पर्धापूर्ण है। बच्चे संघर्ष करके वहाँ तक पहुँच जाते हैं और पढ़ाई आसानी से कर लेते हैं। किंतु अब वहां की भी फीस बढ़ाने की कवायद तेजी से होने लगी है। तमाम सरकारी प्रयासों एवं योजनाओं के शिक्षा महंगी होती जा रही है, तो देश का निम्न एवं मजदूर वर्ग यह सोचने को मजबूर है कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था कैसे करे। निजी कॉलेजों में तो इतना अधिक पैसा लगता है कि मध्य वर्ग के भी कान खड़े हो जाते हैं, तो फिर निम्न वर्ग की बात ही क्या? सरकार का असली मकसद तो उच्च शिक्षा को कार्पोरेट घरानों को सौंपना है, विदेशी विश्वविद्यालयों-कॉलेजों को भारत में स्थापित करना है, जिससे उच्च शिक्षा भी सरकार के लिये खर्च करने की बजाय मुनाफा बनाने वाली इंडस्ट्री बन सके। दो सौ साल की गुलामी के बाद जब देश आजाद हुआ तो हमारे सामने कई चुनौतियां और सपने थे। उन चुनौतियों और सपनों को पूरा करने के लिये संविधान को मुख्य आधार बनाया गया। जनता के मुख्य अधिकार शिक्षा पर विशेष बल देने पर जोर दिया गया और माना गया कि जब तक शिक्षा देश के जन जन तक नहीं पहुंचेगी तब तक देश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना असम्भव है। लेकिन दुर्भाग्य से शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी निवेश में लगातार कमी आयी है। वैसे कहा जाता है कि निजीकरण की प्रक्रिया से प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिलता है और विकास के लिये यह बहुत जरूरी है। यह मिथ्या प्रचार ही लगता है क्योंकि अगर भारत की बात करें तो निजीकरण की प्रक्रिया से एकाधिकार, उपेक्षा, शोषण और महंगाई को बढ़ावा ही मिला है। देश के वंचितों को इस निजीकरण की प्रक्रिया से फायदे की जगह भारी नुकसान हो रहा है चाहे वह कृषि का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो या शिक्षा का क्षेत्र हो। अब 'स्टडी इन इंडिया' जैसे कार्यक्रमों से शिक्षा के अधिक विसंगतिपूर्ण एवं असंतुलित होने की ही संभावना है।

श्रीराम मंदिर 'राष्ट्र मंदिर' शिलान्यास के तीन वर्ष...

काल के कपाल पर मानव सभ्यता के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के कालजयी प्रतीक के रूप में अंकित आज के दिन ही 03 वर्ष पूर्व श्रीरामजन्मस्थान पर भव्य-दिव्य राम मंदिर 'राष्ट्र मंदिर' का शिलान्यास हुआ था। यह सामान्य दिवस नहीं है, इसके लिए तो पांच शताब्दियों का अविराम संघर्ष, 'अहिल्या' सदृश प्रतीक्षा एवं घायल जटायु के समान आर्तनाद करती सांस्कृतिक चेतना की आहत हुंकार युगों से बांट जोह रही थी। पुत्र रक्त में नहाई हुई धर्मनगरी अयोध्या, आज सकल आस्था के केंद्र प्रभु श्रीरामलला के भव्य-दिव्य मंदिर निर्माण की गतिशीलता से स्वयं के संघर्ष को सुफलित होती देख रही है। आज आस्था के प्रांजल भाव से प्रेरित आत्मोत्सर्ग की अपरिमित भक्त श्रृंखलाओं की अकथनीय "त्याग ऋचाएं" राम नगरी अयोध्या के उल्लासित वातावरण में स्पंदन कर रही हैं। स्मृतियों के पक्षी की उड़ान को तीन वर्ष पीछे ले जाने पर 05 अगस्त 2020 को अभिजीत मुहूर्त में भारतीय गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्रीरामजन्मस्थान पर राष्ट्र मंदिर 'राम मंदिर' के हुए शिलान्यास की पावन अनुभूतियां मन में सजीव हो उठती हैं।

आज का दिन भारत की आस्था, अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिवस है। काल के कपाल पर मानव सभ्यता के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के कालजयी प्रतीक के रूप में अंकित आज के दिन ही 03 वर्ष पूर्व श्रीरामजन्मस्थान पर भव्य-दिव्य राम मंदिर 'राष्ट्र मंदिर' का शिलान्यास हुआ था। यह सामान्य दिवस नहीं है, इसके लिए तो पांच शताब्दियों का अविराम संघर्ष, 'अहिल्या' सदृश प्रतीक्षा एवं घायल जटायु के समान आर्तनाद करती सांस्कृतिक चेतना की आहत हुंकार युगों से बांट जोह रही थी। पुत्र रक्त में नहाई हुई धर्मनगरी अयोध्या, आज सकल आस्था के केंद्र प्रभु श्रीरामलला के भव्य-दिव्य मंदिर निर्माण की गतिशीलता से स्वयं के संघर्ष को सुफलित होती देख रही है। आज आस्था के प्रांजल भाव से प्रेरित आत्मोत्सर्ग की अपरिमित भक्त श्रृंखलाओं की अकथनीय "त्याग ऋचाएं" राम नगरी अयोध्या के उल्लासित वातावरण में स्पंदन कर रही हैं। स्मृतियों के पक्षी की उड़ान को तीन वर्ष पीछे ले जाने पर 05 अगस्त 2020 को अभिजीत मुहूर्त में भारतीय गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्रीरामजन्मस्थान पर राष्ट्र मंदिर 'राम मंदिर' के हुए शिलान्यास की पावन अनुभूतियां मन में सजीव हो उठती हैं। शरीर का रोम-रोम राममय हो जाता है। मन रामभक्तों के पावन अवदान के प्रति कृतज्ञ हो उठता है। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। यही तो था वह अद्भुत, अलौकिक, अनिर्वचनीय क्षण, जिसकी चिरंतन प्रतीक्षा में लाखों हुतात्माओं ने 'काल संग क्रीड़ा' करने में भी संकोच नहीं किया था। सन 1528 के म्लेक्ष बाबर से लेकर 1990 तक उसके रक्तपिपासु उत्तराधिकारियों द्वारा अयोध्या की पावन धरा पर "राम भक्तों" का बहाया गया लहू आज विजय का रक्त चंदन बन प्रत्येक सनातनी के भाल पर दमकते हुए उद्घोष कर रहा है कि "त्वदीयाय कार्याय बद्धा कटीयम्, शुभामाशिषं देहि तत्पूर्तये।" श्री रामजन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण की अतृप्त अभीप्सा के साथ गोलोकवासी हुईं सहस्रों देव आत्माएं आज मुदित मन और सजल नेत्रों के साथ रघुकुल नंदन, मर्यादा पुरुषोत्तम, प्रजा पालक, भक्त वत्सल, जन हितकारी, दुःखभंजन, कृपानिधान प्रभु श्री राम को अपने जन्मस्थान मंदिर में विराजते हुए देख रही हैं। उन्हीं आंखों ने कभी उस जनक्रांति के स्व-स्फूर्त भावावेगों के ज्वार को भी देखा था जिसने तत्कालीन राजसत्ता को जननायक प्रभु श्री राम के कण-कण के साथ-साथ जन-जन में विद्यमान होने का अहसास कराया था। ब्रितानी शासन में पावन श्री गोरक्षपीठ के महंत दिग्विजयनाथ के समर्पित नेतृत्व में प्रारंभ हुआ श्रीराम जन्मस्थान मुक्ति आंदोलन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके आनुषांगिक संगठन विश्व हिंदू परिषद की अगुआई में द्रुत गति से अखिल भारतीय जनमानस की चेतना जागरण का कारक बन गया। विदित हो कि दिसंबर 1949 में अयोध्या में श्रीरामलला के प्रकटीकरण के समय ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज अयोध्या जी में ही मौजूद थे, वहीं 1986 में जब मन्दिर का ताला खुला तो 'बड़े महाराज' यानी राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ रामनगरी में उपस्थित थे। योगी आदित्यनाथ के संघर्ष को तो हम सभी साक्षी हैं। गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों ने राम जन्मस्थान मुक्ति संघर्ष में स्वयं को समर्पित कर दिया तो महंत परमहंस रामचंद्रदास, अशोक सिंघल, महंत नृत्यगोपाल दास, चंपत राय, साध्वी उमा भारती, साध्वी ऋतम्भरा समेत हजारों साधु-संतों और करोड़ों आस्थावानों ने अगणित समस्या सिंधु को पार करते हुए राष्ट्र गौरव यज्ञ में अपनी-अपनी भाव आहूति अर्पित कर आंदोलन को सिद्ध कर दिया। स्मरण रहे कि श्रीराम जन्मस्थान मुक्ति संघर्ष किसी पंथ, मजहब या समुदाय का संघर्ष नहीं था बल्कि यह तो उस प्रत्येक निर्बल स्वाभिमानी व्यक्ति, समुदाय और समष्टि का संघर्ष था, जो अपनी अस्मिता को किसी बर्बर, क्रूर, दम्भी राजसत्ता से मुक्त कराने का स्वप्न देखती है। यह तो भाव को समभाव से स्वीकार करने की मनुहार थी, जो सम्पूर्ण राष्ट्र की समेकित भावना के रूप में प्रस्फुटित हुई। मुगलों, अंग्रेजों तत्पश्चात तुष्टिकरण के दावानल में भी अक्षत रही। राम मंदिर की आधारशिला कल-युग में 'राम युग' के पदार्पण का शंखनाद है। वह 'राम युग', जो सत्य, शील और मर्यादा को जीता है। जो सद्भाव, सहकार, समन्वय, सहजीवन और सह-अस्तित्व की लोकतांत्रिक चेतना से अभिसंचित है। जहां सत्ता का कार्य लोकमंगल की सुचेष्टाओं को फलीभूत करना है। जहां व्यक्ति से अधिक विचार का महत्व है। जहां प्रजा के रक्षण और पोषण का दायित्व व्यक्ति नहीं, अपितु व्यवस्था करती है। व्यवस्था ऐसी जो चित्त, चरित्र चिंतन की अभियंता है। जहां स्त्री, धरा और प्रकृति पर की गयी चोट को धर्म पर प्रहार समझा जाता है। जिसको प्रकट करते हुए गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि "सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।" राम मंदिर, इस भावना का प्रतिनिधि प्रतीक है। इस सर्वकालिक प्रतीक को जीवंत करने का दायित्व तापस वेशधारी महंत योगी आदित्यनाथ ने आहरित कर लिया है जैसे राम मंदिर निर्माण का दायित्व उनके पितामह गुरू दिग्विजयनाथ ने धारण किया था। कार्य दुष्कर है किंतु राम भक्त कहता है कि "राम काजु कीन्हें बिनु, मोहि कहां विश्राम" और रामराज्य की संकल्पना को जीवंत करना ही तो राम काज है। जिस तरह से उ.प्र की धरा से अपराधी और उपद्रवी विधि सम्मत परिणति को प्राप्त हो रहे हैं और 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्' का भाव चरितार्थ हो रहा है।

देश दुनीया से

सार्थक चर्चाओं की विदाई के बीच अधिनायकवाद के संकेत

अगर कानून के नजरिये से देखें, तो अधिनायकवाद का विचार सरकार-विरोधी है। इस विचार के तहत कानून के शासन में कमी, बहुलता को नामंजूरी, सत्ता का केंद्रीकरण और बहुमत या कभी-कभी एक ही व्यक्ति की इच्छा का थोपा जाना आता है। अधिनायकवाद का संबंध अमूमन रबर-स्टैंप की तरह काम करने वाली संसदों से होता है, जहां ज्यादा या तकरीबन सभी सीटें सत्ताधारी सरकार के पास होती हैं। दिलचस्प है कि ऐसी संसदें भी कानून पारित करती हैं! अब इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई संसदों ने अधिनायकवादी संसदों की नकल करना शुरू कर दिया है। वे ऐसे कानून पारित करती हैं, जो विधिक कसौटी पर खरे उतर सकते हैं और नहीं भी। हालांकि, मेरे विचार से ऐसे कानून कभी वैधता की कसौटी पर खरे नहीं उतर सकते। वैधता की कमी वाले विधायन का एक हालिया उदाहरण इस्राइल की संसद (नेसेट) द्वारा पारित एक विधेयक है, जो संसद द्वारा बनाए गए कानूनों की समीक्षा करने की अदालतों की शक्ति पर प्रतिबंध लगाता है। भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। चूंकि आपातकाल के दौरान (25 जून, 1975 से लेकर 21 मार्च, 1977 के बीच) हुए संविधान संशोधनों और पारित विधेयकों पर उंगलियां उठाई जाएंगी, ऐसे में, मुझे यह सीधे स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं कि उस दौरान किए गए कई संशोधन और पारित किए गए कानून विधिक या वैधता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। अब उन पुरानी बातों को छोड़कर भारतीय संसद द्वारा पारित हालिया कानूनों पर नजर डालते हैं। वर्तमान सरकार दरअसल, 'सांविधानिकता' के बारे में यह संकीर्ण नजरिया रखती है कि कानून को संविधान के किसी स्पष्ट प्रावधान का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। लेकिन जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने रेखांकित किया है कि कुछ अंतर्निहित सीमाएं होती हैं, जिनका ध्यान रखा जाना चाहिए, मसलन, सांविधानिक नैतिकता और आनुपातिकता। एक अगस्त, 2023 के द हिंदू में श्री सुहृत पार्थसारथी ने एक और सीमा का उल्लेख करते हुए कहा है, 'भारतीय संविधान नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण है और संघ व राज्यों के बीच संबंधों में विभिन्न सूक्ष्मताओं में निहित पवित्रता को ही इसकी सीमा के तौर पर परिभाषित किया गया है।' वर्तमान मानसून सत्र में पेश तीन विधेयक ऐसे हैं, जिन्होंने सांविधानिक सीमाओं का अतिक्रमण किया है। वर्ष 2001 से 2021 के बीच कुल वन क्षेत्र 6,75,538 वर्ग किमी से बढ़कर 7,13,789 वर्ग किमी हो गया है। इसमें से ज्यादातर जमीन पर कैनोपी घनत्व (वृक्षों द्वारा छायांकित भाग का प्रतिशत) 10 से 40 फीसदी है। (वृक्षों द्वारा छायांकित जमीन के 40 फीसदी से ज्यादा वाले वनों में सिर्फ 37,251 वर्ग किलोमीटर की कमी आई थी)। यह संशोधन विधेयक प्रतिगामी प्रावधानों को पेश कर पिछले 40 साल में जो कुछ भी किया गया है, उस पर पानी फेरने जैसा है। वन के रूप में दर्ज ऐसी भूमि पर, जिसे 25 अक्तूबर, 1980 से पहले अधिसूचित नहीं किया गया था और उस भूमि पर, जिसे 12 दिसंबर, 1996 से पहले गैर-वन के रूप में उपयोग की श्रेणी में स्थानांतरित किया गया था, ये प्रावधान लागू नहीं होंगे। गैर-अधिसूचित प्राकृतिक वन ('डीम्ड वन') इसकी परिधि से बाहर होंगे। ये बहिष्करण सर्वोच्च न्यायालय के टी एन गोदावर्मन मामला, वन अधिकार अधिनियम, 2006 और नियमगिरि पहाड़ियों के मामले में लिए गए फैसलों के उलट हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर चल रही राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं के 100 किमी के भीतर आने वाली जमीन इसकी परिधि में नहीं आएगी।

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। चूंकि आपातकाल के दौरान (25 जून, 1975 से लेकर 21 मार्च, 1977 के बीच) हुए संविधान संशोधनों और पारित विधेयकों पर उंगलियां उठाई जाएंगी, ऐसे में, मुझे यह सीधे स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं कि उस दौरान किए गए कई संशोधन और पारित किए गए कानून विधिक या वैधता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। अब उन पुरानी बातों को छोड़कर भारतीय संसद द्वारा पारित हालिया कानूनों पर नजर डालते हैं। वर्तमान सरकार दरअसल, 'सांविधानिकता' के बारे में यह संकीर्ण नजरिया रखती है कि कानून को संविधान के किसी स्पष्ट प्रावधान का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

नागरिक बोध

मिलेट ईयरः मानव स्वास्थ्य से पृथ्वी के स्वास्थ्य तक उपयोगी है मोटा अनाज

एफएओ यानी संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के आह्वान पर मोटे अनाजों पर ध्यान वापस लाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को 'मिलेट ईयर' घोषित किया। इसकी वजह यह थी कि घरेलू और वैश्विक मांग पैदा करने तथा लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र में वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव रखा था। हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने साथ ही यह रेखांकित किया था कि, 'भारत दुनिया में मोटे अनाजों का सबसे बड़ा उत्पादक है और इसलिए इस पहल को सफल बनाने की जिम्मेदारी भी भारतीयों के कंधों पर है।' उनका कहना था कि इसे एक जन आंदोलन बनाना चाहिए और देश के लोगों के बीच मोटे अनाजों के बारे में जागरूकता भी बढ़ानी चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार, भोजन को श्रेष्ठ औषधि माना जाता है, जो न केवल मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि किसी भी प्रकार की बीमारियों से भी बचाता है। आयुर्वेदिक संहिताओं में भी तृण धान्य (घास से प्राप्त अनाज) या क्षुद्र धान्य (छोटे आकार के अनाज) या कुधान्य (अनाजों में निम्न) के रूप में मोटे अनाजों का उल्लेख है। स्वास्थ्य और कल्याण के लिए मोटे अनाज हमेशा हमारे आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। यजुर्वेद में प्रियंगव (कंगनी), श्यामाका (बाजरा) और नर्तकी (रागी) का उल्लेख है, जिससे यह पता चलता है कि अपने यहां कांस्य युग के पहले से ही मोटे अनाज की व्यापक खपत रही है। आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से मोटे अनाज को मधुर (रस), गर्म (वीर्य), रूखा और हल्का माना जाता है। आयुर्वेदिक साहित्य बताता है कि मोटा अनाज आहार के अलावा दवा भी है। इनमें उच्च स्तर की ऊर्जा, कैल्शियम, आयरन, जिंक, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, लिपिड और उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन होते हैं। इसके अलावा, वे आहार फाइबर और सूक्ष्म पोषक तत्वों के भी समृद्ध स्रोत हैं। रागी और बाजरा जैसे मोटे अनाजों में एंटीऑक्सीडेंट्स भी हैं। आयुर्वेद के अनुसार, यवनाला या ज्वार का उपयोग भोजन की रुचि पैदा करने तथा अत्यधिक प्यास व अत्यधिक नमी की मात्रा को शांत करने के लिए किया जाता है। इसमें मूत्रजनन और कामोत्तेजक गुण भी होते हैं। रागी ठंडा होता है और इसका उपयोग ताकत बढ़ाने और प्रजनन क्षमता में सुधार करने के लिए किया जाता है। कंगनी का इस्तेमाल अत्यधिक तरल पदार्थों को अवशोषित करने और मल के सामान्य गठन और पाचन को बढ़ाने में मदद करने, शरीर के ऊतकों को पोषण देने, अत्यधिक नमी को सुखाने, फ्रैक्चर ठीक करने के लिए और प्रजनन क्षमता में सुधार के लिए किया जाता है। हालांकि, यह पाचन के लिए कठिन भी है। ऐसे ही सामा या कुटकी का इस्तेमाल कोलेस्ट्रॉल कम करने, त्वरित चयापचय को बढ़ावा देने, ऊतकों को ठीक करने और ऊर्जा पैदा करने के लिए किया जाता है। गौर करने की बात है कि अधिकांश मोटे अनाज ग्लूटेन मुक्त हैं। विडंबना यह है कि कई क्षेत्रों में नकदी फसलों और गेहूं और चावल जैसे मुख्य अनाजों के बढ़े प्रचलन ने पिछले कुछ वर्षों में मोटे अनाजों की खेती को हाशिये पर डाल दिया है। इन्हें गरीबों की फसल भी बताया गया है। जबकि ये पोषक तत्वों से भरपूर सुपर फूड हैं, जिनमें कुपोषण और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दूर करने, जीवन शैली संबंधी विकारों को रोकने और वैश्विक खाद्य व पोषण सुरक्षा देने की क्षमता है। मोटे अनाज उच्च तापमान के प्रति सहनशील हैं और सिंचाई के बिना शुष्क जलवायु में इन्हें आसानी से उगाया जा सकता है। अन्य फसलों के साथ इनकी खेती कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी अच्छी है। इनका इस्तेमाल चारे के लिए भी किया जा सकता है। मोटे अनाजों को जहां न्यूनतम उर्वरक चाहिए, वहीं चावल, गेहूं और मक्का जैसी फसलों की तुलना में इनका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन बहुत कम है। यानी ये मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

हिरोशिमा में परमाणु हमले के 78 साल: पीएम किशिदा बोले–रूस की न्यूक्लियर अटैक की धमकी बर्दाश्त नहीं, दुनिया को परमाणु–मुक्त बनाना जरूरी

हिरोशिमा।

जापान में 78 साल पहले ही दिन अमेरिका ने हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया था। इस मौके पर प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा– रूस लगातार यूक्रेन में परमाणु हमले की धमकी दे रहा है, जिसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। हम दुनिया में इकलौता ऐसा देश हैं, जिसने पर परमाणु हमले की मार झेली है। हम दुनिया को परमाणु मुक्त बनाने के लिए काम करते रहेंगे। पीएम ने कहा– हिरोशिमा और नागासाकी में जो हुआ उसे दोहराया नहीं जा सकता है। परमाणु हमले की सालगिरह पर एक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। इसमें हमले में जान गंवाने वाले लोगों के परिजन, सुरक्षित बचे नागरिकों के अलावा, करीब 111 देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। हालांकि, इसमें रूस और बेलारूस को न्योता नहीं दिया गया। समारोह में सभी लोग काले कपड़े पहने नजर आए।

जापान में रखा गया 1 मिनट का मौन, 111 देश के प्रतिनिधि मौजूद रहे – 1945 में हिरोशिमा में सवा 8 बजे बम गिराया गया था। इसी को ध्यान में रखते हुए सब लोगों ने 1 मिनट का मौन रखा। परमाणु हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति की कामना भी की गई। समारोह में 50 हजार से ज्यादा लोग मौजूद रहे। पीएम किशिदा ने कहा– दुनिया को परमाणु मुक्त देश बनाने का रास्ता और कठिन होता जा रहा है। इसकी वजह इंटरनेशनल कम्यूनिटी में बढ़ाता तनाव है। जंग के इस समय में पूरी दुनिया को परमाणु मुक्त बनाने के लिए सभी को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने भी हिरोशिमा पर हमले की सालगिरह पर बयान जारी किया। उन्होंने कहा– कुछ देश लगातार परमाणु हमले की धमकियां दे रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस समस्या का सामना करने के लिए पूरी दुनिया को एक होना होगा।

जी7 समिट में भी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को बंद करवाने पर फोकस – किशिदा ने इस साल मई में हिरोशिमा में जी7 समिट को होस्ट किया था। इस दौरान उन्होंने सदस्यीय देशों के नेताओं को हिरोशिमा के शांति पार्क, स्मारक और संग्रहालयों का दौरा कराया था। किशिदा का लक्ष्य जी7 देशों में न्यूक्लियर हथियारों के इस्तेमाल को बंद करवाने का एजेंडा आगे बढ़ाना था। 100 मेडिकल जर्नल्स में परमाणु तबाही की चेतावनी इससे पहले अगस्त की शुरुआत में दुनियाभर की करीब 100 मेडिकल जर्नल्स में परमाणु हथियारों को लेकर चेतावनी दी गई थी। जर्नल्स में इन हथियारों को तुरंत खत्म करने की बात पर जोर दिया गया था और कहा गया था कि दुनिया में परमाणु तबाही का डर बढ़ता जा रहा है।

6–9 अगस्त को हिरोशिमा और नागासाकी पर हुआ था परमाणु हमला – 6 अगस्त 1945 को 8 बजकर 15 मिनट पर अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर एलोना गे विमान से परमाणु बम गिराया था। 43 सेकेंड हवा में रहने के बाद ये फट गया था। इसके तुरंत बाद एक बड़ा आग का गोला उठा था और आसपास का तापमान 3000 से 4000 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था।

न्यूज ब्रीफ

ताइवान पर हमले की तैयारी में चीन, डॉक्यूमेंट्री दिखाई: फाइटर जेट, बॉम्बर के साथ ट्रेनिंग करते दिखे सैनिक, कहा- ये अमेरिका को चेतावनी

बीजिंग। चीन ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा है। चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सैनिक जंग के लिए ट्रेनिंग करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने देश के लिए शहीद होने की कसमें खाईं। दरअसल 96 साल पूरे होने पर बीजिंग ने स्टेट मीडिया पर एक डॉक्यूमेंट्री जारी की। इसका नाम झू मेंग या चेसिंग ड्रीम्स था। इसमें चीनी सेना किसी भी पल जंग के लिए तैयार नजर आई। 8 एपिसोड की डॉक्यूमेंट्री में चीन के सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक पर मौजूद पायलट जरूरत पड़ने पर सुसाइड अटैक की बात कह रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, मिलिट्री कमेंटेटर सौंग झोंगपिंग कहता है कि इस डॉक्यूमेंट्री का मकसद ताइवान की डिफेंस फोर्स के सामने आत्मविश्वास को दिखाना है। साथ ही ये अमेरिका के लिए भी एक चेतावनी है। डॉक्यूमेंट्री के एक एपिसोड में जे–20 फाइटर जेट का पायलट कहता है– मेरे साथी लड़ाके ही मेरी आखिरी मिसाइल होंगे। अगर जंग में हमारे सारे हथियार खत्म भी हो गए तो हम सब मिसाइल की तरह दुश्मन की तरफ आगे बढ़ेंगे। डॉक्यूमेंट्री में दर्जनों सैनिकों की कहानी, उनकी सर्विस और लोकेशन के बारे में बताया गया है। साथ ही इसमें ताइवान के आसपास मिलिट्री एक्सरसाइज को दिखाया गया है। डॉक्यूमेंट्री में इस बात पर जोर दिया है कि चीनी सैनिकों को शताब्दी से पहले इसके लक्ष्य को पूरा करना है। डॉक्यूमेंट्री में मिलिट्री की ट्रेनिंग से जुड़े उस हिस्से को भी दिखाया गया जो आमतौर पर प्रतिबंधित रहता है। इसमें ऑपरेशन, उड़ान के दौरान टारगेट पर पकड़ बनाना, समुद्र में कंट्रोल और लैंडिंग से पहले दुश्मन के सूचना भेजने की तकनीक को विफल करने जैसे वीडियो शामिल थे।

हेल्थ इक्विपमेंट्स इलाज भी कर सकते हैं: हाथ में बंधे बैंड से कंट्रोल होंगी डायबिटीज जैसी बीमारियां, चूहों पर सफल हुआ एक्सपेरिमेंट

ज्यूरिख। स्विट्जरलैंड की ईटीएच रिसर्च यूनिवर्सिटी के मुताबिक, स्वास्थ्य संबंधी उपकरण जानकारी इकट्ठा करने के साथ हमारा उपचार करने में भी सक्षम हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया है कि पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे हाथ में बंधे फिटनेस बैंड व्यक्ति के स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी को इकट्ठा करने और उसके आधार पर इलाज करने में तेजी से बढ़ती भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, इस समय इलेक्ट्रॉजेनेटिक इंटरफेस की कमी के कारण इन उपकरणों को जीन–आधारित उपचारों के लिए सीधे प्रोग्राम नहीं कर सकते हैं। लेकिन, अब इस समस्या का हल मिल गया है। इस नई तकनीक को डार्ट (डायरेक्ट करंट एक्चुएटेड रेगुलेशन टेक्नोलॉजी) से जाना जाता है। ये इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की डिजिटल तकनीक और हमारे जैविक निकायों की एनालॉग तकनीक को एक साथ लाती है। हम जींस के एक निश्चित समूह के साथ जन्म लेते हैं। वैसे तो जेनेटिक कोड में ज्यादातर कोई बदलाव नहीं होता है। लेकिन, बढ़ती उम्र और हमारी आदतों में बदलाव आने से इसमें थोड़े बहुत परिवर्तन आ सकते है। डार्ट कुछ बदलाव को वापस पहले जैसे कर सकता है। इस रिसर्च के दौरान शोधकर्ता डायबिटिक चूहे के ब्लड शुगर स्तर को सामान्य सीमा तक लाने में भी सफल हुए हैं। ये तकनीक इंसुलिन के उत्पादन को सीधा प्रोत्साहित कर डायबिटीज को काबू करने में मदद कर सकती है। शोधकर्ताओं को विश्वास है कि इंसुलिन के उत्पादन के अलावा इस तकनीक को बाकी स्थितियों से निपटने के लिए इसमें विकास और विस्तार किया जा सकता है।

अपने नागरिकों को प्रवेश से रोकने पर चीन ने रूस को जमकर सुनाई खरीखोटी

बीजिंग । अपने नागरिकों को रूस में प्रवेश करने से रोकने को लेकर चीन ने रूस को जमकर खरी–खोटी सुनाई है। सभी जानते हैं कि चीन मौका मिलने पर किसी को भी बख्शता नहीं है। अब चीन ने एक छोटी सी बात पर अपने सबसे करीबी, शक्तिशाली दोस्त रूस की आलोचना की है। मॉस्को में चीनी दूतावास ने चीन के नागरिकों को रूस में प्रवेश से इनकार करने पर रूसी अधिकारियों की आलोचना की है। चीनी दूतावास ने इसे रूसी अधिकारियों का अपने नागरिकों के प्रति क्रूर व्यवहार बताया है। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा कि इस घटना में रूस की क्रूर और अत्यधिक कानून–प्रवर्तन गतिविधियों ने चीनी नागरिकों के वैध अधिकारों और हितों का गंभीर उल्लंघन किया है। चीनी दूतावास ने कहा कि उसके पांच नागरिकों से एक से चौकी पर चार घंटे तक पूछताछ की गई। इन चीनी नागरिकों ने 29 जुलाई को रूस–कजाकिस्तान सीमा पार करने का प्रयास किया था।

यूक्रेन का दावा– रूस ने ब्लड बैंक पर हमला किया

फ्यूल टैंक अटैक का बदला लिया ; रूस बोला– उन्होंने युनिवर्सिटी पर क्लस्टर बम गिराया

कीव/मॉस्को।

रूस ने यूक्रेन के खार्कीव शहर में एक ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेंटर को निशाना बनाया है। साथ ही रूस ने यूक्रेन के एक एरोनॉटिक्स ग्रुप मोटर सिच पर भी हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन हमलों में महिलाओं सहित कई लोगों की मौत हुई हैं और कुछ लोग घायल भी हुए हैं। बचावकर्मी ब्लड सेंटर में आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं।

जेलेंस्की ने कहा– रूस ने गाइडेड एयर बमों से हमला किया। ये वॉर क्राइम ही रूस के बारे में सबकुछ बताता है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति जिंदगी की कीमत जानते हैं उनके लिए आतंकवादियों को हराना सम्मान की बात है। हालांकि रूस की तरफ से इस हमले को लेकर अभी कोई बयान सामने नहीं आया है।

डोनेट्स्क की यूनिवर्सिटी में आग बुझा रहे फायर फाइटर्स

दूसरी तरफ, रूस कब्जे वाले डोनेट्स्क शहर में एक यूनिवर्सिटी पर हमला हुआ। रूस ने यूक्रेन पर इसका आरोप लगाया। डोनेट्स्क में मॉस्को की तरफ से अपॉइंट किए गए मेयर अलेक्सी कुलेमजिन ने कहा– यूक्रेनी हमलों की वजह से यूनिवर्सिटी में आग लग गई है। फायर ब्रिगेड की टीम इस पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। यूक्रेन ने इस हमले के लिए क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया।

यूक्रेन ने समुद्री ड्रोन से फ्यूल टैंकर को बनाया निशाना

सुबह यूक्रेन ने दावा किया था कि उसने रूस के सैनिकों के लिए फ्यूल की सप्लाई करने वाले टैंकर को बम से उड़ा दिया है। यूक्रेन ने इस हमले के लिए नेवल ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। हमले से टैंकर के इंजन रूम में छेद हो गया था। हालांकि, रूसी मीडिया के मुताबिक, किसी भी क्रू मेंबर को नुकसान नहीं पहुंचा।

रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन नागरिकों से जुड़ी फैसिलिटी को निशाना बना रहा है। हमले के बाद ब्लैक सी में कई घंटों कर जहाजों की आवाजाही बंद कर दी गई। क्रीमिया पुल के इस्तेमाल पर भी कुछ देर के लिए रोक लगा दी गई थी। इससे पहले भी यूक्रेन ने रूस के नोवोरोसिक पोर्ट के पास एक जहाज पर हमला किया था।

जहाज पर हमले के बाद रूस ने कहा था- बदला लेंगे

यूक्रेन ने अटैक का एक वीडियो भी जारी किया था। इसमें एक समुद्री ड्रोन एक जहाज से टकराते हुए दिख रहा था। यूक्रेन ने बताया है कि जब ड्रोन रूसी जहाज से टकराया तो उसमें 450 किलो डाइनामाइट था। हालांकि, रूस ने ड्रोन से हुए किसी भी नुकसान से इनकार किया था। इन हमलों से माना जा रहा है कि ग्रेन डील खत्म होने के बाद एक बार फिर रूस–यूक्रेन जंग ब्लैक सी तक पहुंच गई है। जिस पोर्ट पर हमला हुआ था वो रूस के निर्यात का बड़ा हब है। रूस ने इन हमलों के बाद यूक्रेन से बदला लेने की भी बात कही थी। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा था कि यूक्रेन लगातार उन पर आतंकी हमले कर रहा है। यूक्रेन आम नागरिकों से जुड़ी चीजों को निशाना बना रहा है और हम इस पर चुप नहीं बैठेंगे। यूक्रेन और इस तरह के हमले प्लान करने वाले उसके नेताओं को इसकी सजा मिलेगी।

क्या थी ब्लैक सी ग्रेन डील

यूक्रेन फूड सप्लाई के मामले में दुनिया के अव्वल देशों में से एक है। ब्लैक सी से गुजरने वाले उसके ग्रेन शिप्स पर रूस के हमलों का खतरा था। लिहाजा, उसने सप्लाई रोक दी और इससे चेन एंड सप्लाई कमजोर पड़ गई। कई यूरोपीय और अफ्रीकी देशों में लोगों के भूख से मरने का खतरा पैदा हो गया। तुर्किये की कोशिशों से पिछले साल जुलाई में एक डील हुई। इसमें यह था कि रूस और यूक्रेन दोनों ही एक–दूसरे के कार्गो शिप्स पर हमले नहीं करेंगे। इसके अलावा ह के अफसर हर शिप की जांच करेंगे, ताकि इनका इस्तेमाल हथियार ले जाने में न हो। ये डील 17 जुलाई को एक्सपायर हो गई और रूस ने इसे रिन्यू करने से इनकार कर दिया। इसका मतलब अब वो अनाज ले जा रहे जहाजों को भी निशाना बना सकता है।

क्लस्टर बम क्या होते हैं

क्लस्टर बम एक ऐसा हथियार है, जिसे हवा में रिलीज करने पर कई छोटे–छोटे बम निकलते होते हैं। ये छोटे बम साधारण बमों की तुलना में ज्यादा इलाके को प्रभावित करते हैं। ये खतरनाक इसलिए माने जाते हैं क्योंकि मुख्य बम से निकलने वाले कई सारे छोटे विस्फोटक निर्धारित लक्ष्य के आसपास भी नुकसान पहुंचाते हैं। ज्यादातर मामलों में इनकी चपेट में आम नागरिक भी आते हैं। इन्हें लड़ाकू विमानों के जरिए आसमान और तोपों के जरिए जमीन से भी दागा जा सकता है। बम के फटने के बाद आसपास गिरने वाले छोटे विस्फोटक लंबे समय तक पड़े रह सकते हैं।

चीन का फिलीपींस के जहाज पर वॉटर कैनन से वार

मिलिट्री बोट में रखा था सैनिकों का खाना; यूएस बोला- खतरनाक हरकतें कर रहा ड्रैगन

मनिला।

साउथा चाइना सी में चीन के कोस्टगार्ड ने फिलीपींस की मिलिट्री सप्लाई बोट पर वॉटर कैनन से वार कर दिया। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक घटना शनिवार को हुई जब फिलीपींस की बोट अपनै सैनिकों के लिए खाना लेकर जा रही थी। अमेरिका ने चीन की इस हरकत को खतरनाक बताया है। चीन ने अभी तक इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। दरअसल, चीन साउथ चाइना सी के लगभद पूरे हिस्से पर अपना दावा करता आ रहा है। फिलीपींस ने कहा है कि वो चीन की ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। ये अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। चीन ने अपनी हरकतों से बोट में मौजूद लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाला है।

अमेरिका बोला- हम फिलीपींस के साथ

अमेरिका ने चीन की हरकत पर फिलीपींस का साथ देनी की बात कही है। अमेरिका ने कहा है कि चीन की तरफ से लगातार की जा रही ऐसी हरकतों से इलाके की सिक्योरिटी को खतरा है। अगर फिलीपींस के जहाजों, एयरक्राफ्ट या आर्मड फोर्सेस पर कोई हमला हुआ तो अमेरिका 1951 में हुई फिलीपींस डिफेंस ट्रीटी को लागू कर देगा। हालांकि, अमेरिका का साउथ चाइना सी में कोई दावा नहीं है इसके बावजूद वो लगातार इलाके में चीन की हरकतों की आलोचना करता रहता है। हाल ही में अमेरिका ने फिलीपींस के साथ एक समझौता किया था। इसके तहत अमेरिका फिलीपींस के मिलिट्री कैंप्स का इस्तेमाल कर सकता है। चीन ने इस समझौते की कड़ी आलोचना की थी। साउथ चाइना सी का लगभग 35 लाख स्क्वेयर किलोमीटर का एरिया विवादित है। – इस पर चीन, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ताइवान और ब्रुनेई दावा करते रहे हैं। – साउथ चाइना सी में तेल और गैस के बड़े भंडार दबे हुए हैं। – अमेरिका के मुताबिक, इस इलाके में 213 अरब बैरल तेल और 900 ट्रिलियन क्यूबिक फीट नेचुरल गैस का भंडार है। – वियतनाम इस इलाके में भारत को तेल खोजने की कोशिशों में शामिल होने का न्योता दे चुका है।

गल्फ में अमेरिका का सामना करेगा ईरान: नेवी को दी लंबी दूरी तक वार करने वाली मिसाइलें; कहा- इलाके में यूएस फोर्सेस का क्या काम

तेहरान।

ईरान ने गल्फ के होर्मुज पास में तैनात अपनी नेवी को ड्रोन और हजार किलोमीटर दूर तक वार करने वाली मिसाइलें दी हैं। इलाके में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी का हवाला देते हुए ईरान सेना के प्रवक्ता ने कहा– इलाके के देश अपने समुद्री रास्तों की सुरक्षा के लिए पूरी क्षमता रखते हैं। दरअसल, अमेरिका ने पिछले दिनों होर्मुज पास से गुजरने वाले जहाजों में हथियारबंद सैनिकों की तैनाती की घोषणा की थी। इसकी वजह ईरान से जहाजों की सुरक्षा को बताया गया था। ईरान ने अमेरिका के इस एक्शन पर पलटवार करते हुए पूछा है– ओमान की खाड़ी और हिंद महासागर में अमेरिका का क्या काम है। वो किस मकसद से यहां मौजूद हैं।

होर्मुज पास से गुजरता है दुनिया का 20प्रतिशत तेल

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईरान ने होर्मुज पास में कई सौ बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें तैनात की हैं। जो एक के बाद एक लगातार कई टारगेट पर हमला कर सकती हैं। होर्मुज पास वो इलाका है जहां से दुनिया का 20प्रतिशत तेल गुजरता है। न सिर्फ ईरान बल्कि अमेरिका भी तेजी से इलाके में सैनिकों और हथियारों की तैनाती कर रहा है। अमेरिका ने अपना –10 थंडरबोल्ट 2 वॉरप्लेन, फाइटर जेट तैनात किए हैं। इसके अलावा अमेरिका के कई युद्धपोत भी इस इलाके में मौजूद हैं।

ईरान- अमेरिका जंग में भी नहीं हुई थी ऐसी तैनाती

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने ईरान से 1988 में हुई जंग के दौरान भी इस तरह इलाके में हथियारों को तैनात नहीं किया था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका अब इलाके में सबसे ज्यादा एक्टिव दिख रहा है। वहीं, ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स ने गल्फ के विवादित आईलैंड पर मिलिट्री ड्रिल भी की थी। अमेरिका और ईरान के बीच ओमान की खाड़ी में 2019 से जहाजों को जब्त करने को लेकर विवाद चल रहा है। दरअसल, 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से न्यूक्लियर डील खत्म कर ली थी।

इमरान खान की गिरफ्तारी से पाकिस्तान में बवाल की आशंका, 19 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में पीटीआई के 19 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। ये कार्यकर्ता पीटीआई चीफ इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में धरना प्रदर्शन कर रहे थे। बता दें कि इमरान खान को तोशाखाना मामले में पाकिस्तान की डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन कोर्ट ने तीन साल जेल की सजा सुनाई है। साथ ही इमरान खान के पांच साल तक चुनाव लड़ने पर भी रोक लगा दी गई है। इमरान खान की गिरफ्तारी से एक बार फिर पाकिस्तान में बवाल की आशंका बढ़ गई है।

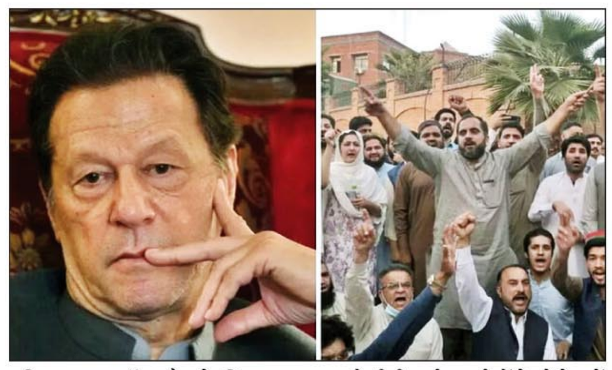

पीटीआई का विरोध प्रदर्शन का एलान

पुलिस ने बयान जारी कर बताया है कि पीटीआई के 19 समर्थकों को कराची से गिरफ्तार किया गया है। इनमें से पांच को कराची प्रेस क्लब के बाहर से, 11 को जिला मालिर से, पांच को शराफी गोथ से, छह को कायदाबाद से और तीन को उत्तरी नजिमाबाद ब्लॉक के से गिरफ्तार किया गया है। पीटीआई पार्टी ने इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में पूरे पाकिस्तान में शांतिपूर्ण मार्च निकालने की बात कही थी। इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में उनके लाहौर में जमान पार्क स्थित आवास के बाहर वकीलों समेत पीटीआई कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि बीती नौ मई को जब इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था तो पीटीआई समर्थकों ने पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किए थे और जबरदस्त हिंसा भड़क उठी थी। उस दौरान कई सैन्य अफसरों और सरकारी अधिकारियों के आवास गुस्साई भीड़ ने जला दिए थे। यही वजह है कि इस बार पाकिस्तानी की पुलिस और सेना विरोध प्रदर्शनों को लेकर सतर्कता बरत रहे हैं।

इमरान खान पर जुर्माना भी लगा

बता दें कि इमरान खान को उनके लाहौर स्थित घर से गिरफ्तार किया गया और उसके बाद इस्लामाबाद लाया गया। इस्लामाबाद की ट्रायल कोर्ट ने उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने इमरान खान पर एक लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीटीआई के मुताबिक इमरान खान को लाहौर की कोट लखपत जेल में रखा गया है।

इमरान खान की लोगों से अपील- चुप ना बैठें

इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनका एक वीडियो ट्वीट किया गया। वीडियो में इमरान खान ने बताया कि उन्हें पहले ही आशंका थी कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। इसलिए उन्होंने पहले ही वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था। इस वीडियो में इमरान खान ने कहा कि वह देश को बचाने के लिए लड़ रहे हैं।

किम जोंग ने आर्म्स फैक्ट्री में राइफल चलाई

क्रूज मिसाइल डेवलपमेंट देखा, कहा- जंग के लिए हथियारों को आधुनिक बनाओ

प्योंगयांग।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन गुरुवार से शनिवार तक हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों का दौरा किया। इनमें वो फैक्ट्री भी थीं जहां क्रूज मिसाइल और एरियल वेपन बनाए जाते हैं। इस दौरान तानाशाह खुद हाथ में बंदूक पकड़कर फायर करते नजर आए। किम ने सुपर लार्ज–कैलिबर मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और ट्रांसपोर्टर–इरेक्टर–लॉन्चर के लिए गोले बनाने वाली फैक्ट्रियों का भी निरीक्षण किया। किम ने कहा कि युद्ध की तैयार के लिए सबसे जरूरी छोटे हथियारों का आधुनिकीकरण है।

किम ने कहा- प्रोडक्शन बढ़ाकर हथियारों की क्रांति लाएं

किम ने देश की सुरक्षा के लिए हथियारों का प्रोडक्शन बढ़ाने पर जोर दिया। किम ने अलग–अलग तरह के एडवांस्ड स्ट्रैटेजिक वेपेन को भी बनाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा हथियार बनाकर क्रांति लानी है। एक्सपर्ट्स् के मुताबिक, किम आमतौर पर इस तरह हथियारों की फैक्ट्री का दौरा नहीं करते हैं।

विक्ट्री डे परेड पर मिसाइलों के साथ किया था शक्ति प्रदर्शन

इससे पहले विक्ट्री डे के मौके पर नॉर्थ कोरिया में मिलिट्री परेड का आयोजन किया गया था। इस परेड में परमाणु क्षमता वाली मिसाइलों के साथ नए ड्रोन्स और कई बैलिस्टिक मिसाइलें दिखाई गई थीं। इनमें अमेरिका तक वार करने में सक्षम ह्वासोंग–17 और 18 को भी शामिल किया गया था। नॉर्थ कोरिया के विक्ट्री डे सेलिब्रेशन में रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और चीन का एक डेलीगेशन भी शामिल हुआ था। इस दौरान किम जोंग ने रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू से मुलाकात की थी और दोनों नेताओं के बीच सैन्य मसलों और सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई थी। इसके बाद रक्षा मंत्री शोइगू ने भी स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि नॉर्थ कोरिया की आर्मी दुनिया की सबसे ताकतवर आर्मी बन गई है। शोइगु ने नॉर्थ कोरिया की डिफेंस ऐग्जीबिशन में बैलिस्टिक मिसाइलें और दूसरे अहम हथियार भी देखे थे।

सॉलिड फ्यूल आईसीबीएम की टेस्टिंग की

बता दें कि हाल ही में नॉर्थ कोरिया ने पहली सॉलिड फ्यूल वाली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की टेस्टिंग की थी। इसके अलावा वो स्पाई सैटेलाइट के साथ कई दूसरी मिसाइल और रॉकेट लॉन्चर्स की भी टेस्टिंग की थी। इस बीच अमेरिका ने लगातार नॉर्थ कोरिया पर रूस को जंग के लिए हथियार देने का आरोप लगाया है।

नॉर्थ कोरिया ने दिखाए थे परमाणु हथियार

इससे पहले मार्च में नॉर्थ कोरिया ने कई इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल सहित दूसरी मिसाइलों की टेस्टिंग की थी। देश ने पहली बार अपने परमाणु हथियार दुनिया के सामने पेश किए थे। इस दौरान नॉर्थ कोरिया ने और भी खतरनाक परमाणु हथियार बनाने की बात कही थी। न्यूक्लियर एक्सपर्ट्स का मानना है कि नॉर्थ कोरिया के हथियार बेशक छोटे हैं फिर भी इन्हें इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों पर लगाकर अमेरिका और साउथ कोरिया में तबाही मचाई जा सकती है। सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्यून सू के मुताबिक ने कहा था को पहली बार ऑफिशियली दिखाए गए नॉर्थ कोरिया के परमाणु हथियार 2016 के मुकाबले बड़े हैं।

प्रधानमंत्री ने बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण की रखी आधारशिला

प्रधाननमंत्री ने वर्चुअली देश के 507 स्टेशनों के नवीनीकरण-कार्य का किया शुभारंभ

झज्जर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रविवार को देश के 507 अन्य रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण की भी वर्चुअल माध्यम से आधारशिला रखी। इस मौके पर रेलवे स्टेशन पर आयोजित स्थानीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि भारतीय रेलवे नेटवर्क देश के विकास की धुरी साबित हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण का बड़ा निर्णय लिया है। इससे देश के विकास को और तीव्र गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि 1932 में निर्मित बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन अपने आप में धरोहर का रूप ले चुका है। लगभग 90 वर्ष बाद इस स्टेशन का आधुनिकीकरण पूरे जिला झज्जर और विशेष रूप से बहादुरगढ़ के लिए गौरव की बात है। डीसी ने कहा कि अब देश के रेलवे स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त होंगे। दुनिया हमारे रेलवे स्टेशनों को आदर्श के रूप में देखेगी। उन्होंने बताया कि बहादुरगढ़ स्टेशन के आधुनिकीकरण पर प्रथम चरण में 25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। नए भवन का निर्माण और मौजूदा भवन का नवीनीकरण, वेटिंग हॉल और पेसंजर फ्रेंडली आधुनिक सुविधाएं, पार्किंग एरिया, प्रवेश व निकासी के अलग द्वार, वाई-फाई की सुविधाओं सहित अन्य सौंदर्यीकरण का कार्य विश्व स्तर का होगा। इसके साथ रेलवे के तकनीक विभाग को आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। कार्यक्रम को जिला परिषद चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना और नगर परिषद चेयरमैन सरोज राठी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. अरविंद शर्मा के निजी सचिव सुनील लाकड़ा ने सांसद का संदेश पढ़ा और इस क्षेत्र में रेलवे से संबंधित भावी विकास परियोजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सांसद के प्रयासों बहादुरगढ़ से आसौदा तक मेट्रो रेल लाइन के लिए हरियाणा सरकार ने लगभग साढ़े 1200 करोड़ रुपए मंजूर कर दी है। अब अगले चरण में मेट्रो रेल लाइन को रोहतक पंहुचाना प्रयास रहेगा। उन्होंने बताया कि रैपिड रेल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आरआरटीएस) योजना भी सांसद डॉ. अरविंद शर्मा ने मंजूर करवा दी है। अगले चरण में झज्जर रेलवे स्टेशन को आधुनिक बनाने के लिए सांसद ने रेलवे को प्रस्ताव बनाकर भेज दिया है।

बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या मामले में आप नेता जावेद के खिलाफ एफआईआर

गुरुग्राम (हिंस)। मेवात हिंसा मामले में पुलिस ने कड़ा एक्शन लेना शुरू कर दिया है। बजरंग दल के कार्यकर्ता प्रदीप की हत्या मामले में सोहना पुलिस ने जावेद व अन्य 150 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसके साथ प्रशासन ने रविवार को उस होटल को भी नेस्तनाबूद कर दिया, जिस होटल की छत से श्रद्धालुओं पर पत्थर बरसाए गए थे। बताया जा रहा है कि जावेद आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक हैं। हालांकि जावेद का कहना है कि केस गलत है और वह उस दिन क्षेत्र में थे ही नहीं। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश की मनोहर सरकार ने भी फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान की सुरक्षा हटाकर कड़ी कार्रवाई के संदेश दे दिया है। पुलिस को दी शिकायत में पवन ने बताया कि बीते सोमवार को वे जब मेवात से सोहना आ रहे थे, रायसीना के पास जावेद अपने साथियों के साथ डंडे, पत्थर, लोहे की राड और पिस्टल लेकर रास्ता में खड़ा हुआ था। पवन ने कहा है कि मैं कार से नीचे उतरा तो जावेद ने कहा कि इसे मार दो। जो होगा, मैं संभाल लूंगा। ये सुनकर भीड़ ने हमला कर दिया। इस हमले में प्रदीप के सिर पर लोहे की राड मारी, जिससे वह नीचे गिर पड़ा। उसके बाद गोलियां चलनी शुरू हुई तो पुलिस वहां आ गई। पुलिस ने मुझे व गनपत को भीड़ से निकाला। गंभीर रूप से घायल प्रदीप को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। सोहना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इसी बीच नूंह में दंगों के बाद मनोहर सरकार ने फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान की सिक्योरिटी हटा दी है। दरअसल, नूंह हिंसा को लेकर विधायक की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे है। विधानसभा में मामन खान की धमकी वाला वीडियो और ट्वीट को लेकर सरकार की उन पर पैनी नजर है। सिक्योरिटी वापस लेने के बाद विधायक मामन खान ने अपनी जान को खतरा बताया है। उनका कहना है कि उन्हें धममियां मिल रही हैं।

राशन डीलरों की हड़ताल से अटका गेहूं वितरण

झुंझुनू (हिंस)। राशन डीलरों की प्रदेश व्यापी हड़ताल के कारण जिले में पिछले एक सप्ताह से गेहूं का वितरण अटका हुआ है। इससे गरीबी रेखा से जुड़े लोगों के सामने अनाज का संकट खड़ा हो गया है। खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े लोग रोज राशन की दुकानों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन मायूस होकर वापस लौट रहे है। जिले में 6 महीने का कमीशन सहित आठ सूत्रीय मांगों के निस्तारण को लेकर राशन डीलर एक अगस्त से हड़ताल पर हैं। राशन डीलरों ने गोदामों से अगस्त का राशन तो उठा लिया, लेकिन राशन का वितरण नहीं कर रहे हैं। पहली तारीख से राशन वितरण शुरू हो जाता है, लेकिन दुकानें बंद होने से खाली हाथ लौट रहे हैं। राशन डीलरों ने हड़ताल से पहले सरकार को चेतावनी दी थी कि उनकी मांगों को लेकर सकारात्मक रवैया नहीं अपनाया गया तो वो एक अगस्त से उचित मूल्य दुकानदारों के आर्थिक सुधार के लिए कार्य बहिष्कार कर देंगे। इस दौरान सरकार ने कोई वार्ता करना भी जरूरी नहीं समझा। ऐसे में सरकार और राशन डीलर की लड़ाई में गरीब आदमी परेशान हो रहा है। उनके घर अनाज का संकट खड़ा हो गया। जिले में लाखों लोग प्रभावित हो रहे है। सरकार 15 अगस्त से प्रदेशभर में अन्नपूर्णा फूट पैकेट का वितरण करने जा रही है। ये पैकेट राशन के डीलरों के माध्यम से ही वितरित किए जाने है, लेकिन राशन डीलरों ने इसका विरोध कर दिया है, जिससे सरकार की यह योजना प्रभावित होगी।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में तेजी से हो रहा विकास : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर-जगाधरी रेलवे स्टेशन पर आधुनिक सुविधाएं मिलने से जल्द सूरत ही बदलेगी। इसका मकसद इस रेलवे स्टेशन को देश के बेहतरीन स्टेशनों की श्रेणी में लाना है। इस स्टेशन पर अनुमानित लागत 22 करोड़ रुपए के करीब आएगी। यह बात राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कही है। मंत्री कंवरपाल रविवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 71 स्टेशनों के निर्माण और 508 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए जगाधरी स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्टेशनों के निर्माण की आधारशिला रखी थी। उन्होंने बताया कि स्टेशन की कायाकल्प का काम छह से सात महीने में पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए बड़ी गर्व की बात है की देश के 508 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। यमुनानगर-जगाधरी रेलवे स्टेशन का नाम भी इसके अंतर्गत आया है। यहां बड़े लंबे समय से रेलवे स्टेशन की पुनर्विकास के कार्य का लोगों को इंतजार था और अब वह घड़ी आ गई है, जब लोग इस पूरे रेलवे स्टेशन का नया स्वरूप जल्द देखेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में बड़ी तेजी से विकास हो रहा है, जो अपने आप में प्रशंसनीय है। वंदे भारत ट्रेन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस ट्रेन में वह सारी सुविधाएं देश के लोगों को मिल रही हैं, जो विदेशों की ट्रेनों में मिलती थीं। आज हमारे देश के एयरपोर्ट दुनिया में सबसे सुंदर दिखते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया और आशा व्यक्त की कि आगे भी इसी तरह विकास का कार्य होता रहेगा। इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश सपरा, मेयर मदन चौहान, पूर्व चेयरमैन रामनिवास गर्ग सहित बड़ी संख्या में गणमान्य शामिल रहें।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की डीएलएड की परीक्षाएं तीसरी बार स्थगित

भिवानी (हिंस)। परीक्षाओं को शांतिप्रिय एवं नकल रहित माहौल में संचालित करवाए जाने के उद्देश्य से हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने नूंह हिंसा के मद्देनजर एक बार फिर से डीएलएड की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. वीपी यादव का कहना है कि हालात सामान्य होने पर परीक्षाओं का नया शैड्यूल जारी कर दिया जाएगा। जिसके लिए छात्र-अध्यापक समय-समय पर बोर्ड अधिकारिक वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट बीएसईएच डॉट ओआरजी डॉ. इन को चेक करते रहे। दरअसल, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड इन दिनों प्रदेशभर में 10वीं, 12वीं एवं डीएलएड की परीक्षाएं करवा रहा है। जिन परीक्षाओं के नकल रहित संचालन में किसी प्रकार की परेशानी ना आए, इसके लिए भी बोर्ड प्रशासन ने पुख्ता प्रबंध किए गए है, लेकिन बीते दिनों नूंह जिले में धारा 144 व कर्फ्यू के कारण पहले प्रदेशभर में 1 व 2 अगस्त को संचालित होने वाली 10वीं तथा डीएलएड परीक्षाओं को स्थगित किया गया था। उसके बाद 5 अगस्त तक होने वाली सभी परीक्षाओं को प्रदेश भर में स्थगित किया गया। लेकिन अब हालातों के मद्देनजर 7, 8 व 9 अगस्त को होने वाली डीएलएड परीक्षाओं को एक बार फिर से स्थगित किया गया है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. वीपी यादव एवं सचिव कृष्ण कुमार ने बताया कि शिक्षा बोर्ड द्वारा 7, 8 व 9 अगस्त को होने वाली डीएलएड परीक्षाओं को स्थगित करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुछ जिलों में धारा-144 व कर्फ्यू लगने के कारण प्रदेशभर में ये परीक्षाएं स्थगित रहेगी।

नाबालिग से गैंगरेप कर जलाने का मामला, भाजपा महिला सांसदों का दल पहुंचा भीलवाड़ा

भीलवाड़ा (हिंस)। जिले के कोटड़ी थाना क्षेत्र के गावं में नाबालिग से गैंगरेप के बाद कोयले के भट्टी में जलाने के मामले में भाजपा की चार महिला सांसदों का दल रविवार को घटना स्थल पर पहुंचा। इस दौरान महिला सांसदों ने पीड़िता के परिजनों से मुलाकात करते हुए गहलोत सरकार पर निशाना साधने के साथ ही राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी सवाल उठाए। उल्लेखनीय है कि भीलवाड़ा में बच्ची के साथ हुई विभत्स घटना को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चार सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। इसमें सांसद सरोज पांडे, सांसद रेखा वर्मा, सांसद कांता कर्दम और सांसद लॉकेट चटर्जी को शामिल है। इन चार सांसदों ने घटना स्थल को भी देखा है। उनके साथ भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर भी मौजूद रही। महिला सांसदों की टीम ने घटना स्थल का जायजा लेने के बाद पीड़ित परिवार से मुलाकात की। महिला सांसदों ने घटना के लिए पुलिस को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश के सीएम अशोक गहलोत से इस्तीफा मांगा है। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोटड़ी में हुई इस विभत्स घटना पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओर से जांच के लिए चार महिला सांसदों की टीम गठित की गई। इस टीम का नेतृत्व सांसद सरोज पांडे ने किया। महिला सांसदों ने पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दी तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों से मुलाकात के दौरान पीड़िता की मां का रो-रोकर बुरा हाल रहा। वह बार-बार न्याय करो बेटी गई है बोलती रही। महिला सांसदों की टीम में सरोज पांडे, रेखा शर्मा, कांता कर्दम और लॉकेट चतुर्वेदी शामिल थी। सांसद सरोज पांडे ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास गृह मंत्री का पद होते हुए सरकार ने राजस्थान की संस्कृति को तार-तार कर दिया है। इस मुर्दा सरकार को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। पांडे ने कहा कि पीड़ित परिवार से सरकार के किसी नुमाइंदे ने मिलना जरूरी नहीं समझा, न ही मुआवजा राशि दी है। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। हम मांग करते हैं कि तत्काल इस सरकार को इस्तीफा देना चाहिए। इसमें पूरे प्रशासन की लापरवाही सामने आई है, जिस कांस्टेबल को सस्पेंड किया जाना चाहिए, वह नेताओं के संरक्षण के कारण अभी तक विराजमान है। यदि उनके घर परिवार की बेटी होती तो क्या गहलोत सरकार का रुख यही होता? सरोज पांडे ने कहा कि मुख्यमंत्री को शर्म आनी चाहिए, महिलाओं पर राजनीति नहीं की जाती है। भाजपा ने कभी महिलाओं की राजनीति नहीं की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जवाब देना चाहिए कि महिला अपराध में राजस्थान देश में नंबर 1 क्यों है? वह मुख्यमंत्री के साथ गृह मंत्री के पद पर अपने कर्तव्य का निर्वहन कर पा रहे हैं या अपनी कुर्सी बचाने में लगे हुए हैं, सांसद ने कहा कि वो 24 घंटे में अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सबमिट कर देंगे।

राजस्थान में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी भाजपा : चंद्रशेखर

बीकानेर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने दावा किया है कि राजस्थान में भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि कमल का फूल हमारा उम्मीदवार होना चाहिए। पार्टी को स्थाई व अजय बनाना है। उन्होंने प्रत्येक मंडल में बूथ स्तर पर कार्यकताओं के साथ मीटिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा 365 दिन चलने वाली पार्टी है। चाहे कोरोना की प्रथम व द्वितीय लहर हो चाहे बाढ़ अकाल या भूकंप हो, भाजपा कार्यकर्ताओं ने आमजन को मदद पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हम पंच, सरपंच, पार्षद, चेयरमैन, प्रमुख, बोर्ड निगमों के अध्यक्ष, सोसायटी के अध्यक्ष, विधायक और सांसद सभी जितने हैं यह लक्ष्य हम सभी का होना चाहिए। प्रदेश संगठन महामंत्री रविवार को भाजपा जिला बीकानेर देहात समन्वय समिति व विधानसभा वार कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जिलाध्यक्ष जालम सिह भाटी भी मौजूद थे। बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, संभाग प्रभारी सीआर चौधरी, प्रदेश मंत्री विजेन्द्र पूनिया और जिला प्रभारी ओम सारस्वत मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बैठक में विधानसभा चुनाव 2023 व लोक सभा चुनाव 2024 के संदर्भ में 7 विधानसभा सीटों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की।

नहीं सुधर रहा पाकिस्तान, पंजाब में 77 किलो हेरोइन भेजी

फिरोजपुर (पंजाब)। सरहद पर आई बाढ़ की आड़ में पाकिस्तान से हेरोइन व असलहा की खेप लाने वाले चार तस्करों को काउंटर इंटेलीजेंस ने पकड़ा है। इनके पास से 77.800 किलो हेरोइन, तीन पिस्टल, छह मैगजीन व 115 कारतूस बरामद किए हैं। पकड़ी गई हेरोइन की कीमत 389 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक यह 2023 में बरामद सबसे बड़ी हेरोइन की खेप है। थाना काउंटर इंटेलीजेंस ने रविवार को उक्त चारों तस्करों के खिलाफ मामला दर्जकर आगे की तफ्तीश शुरू कर दी है। काउंटर इंटेलीजेंस के एआईजी लखबीर सिंह का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ में और भी कुछ मिलने की संभावना है। इनके संबंध पाकिस्तान तस्करों से हैं। एआईजी लखबीर सिंह ने बताया कि उनकी टीम ने गुप्त सूचना पर स्पेशल ऑपरेशन के दौरान तस्कर गंगा गिल उर्फ काली निवासी सीमांत गांव बारेके जिला फिरोजपुर और वीर सिंह उर्फ वीरू निवासी मुहार सोना जिला फाजिल्का को किले वाला चौक के पास से काबू किया। ये बाइक पर सवार होकर हेरोइन की सप्लाई करने जा रहे थे। तलाशी के दौरान इनके बैग से 39 पैकेट हेरोइन के मिले। हेरोइन का वजन 41.800 किलो था, दो पिस्टल नौ एमएम, चार मैगजीन, 100 कारतूस, एक पिस्टल .30 बोर और दो मैगजीन और 15 कारतूस मिले हैं। उक्त दोनों तस्करों के खिलाफ काउंटर इंटेलिजेंस थाना फाजिल्का में मामला दर्ज किया है। एआईजी ने बताया कि उनकी टीम ने दो और तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 36 किलो हेरोइन बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जसभिंदर सिंह उर्फ भिंदा और जगदीप सिंह निवासी गांव दीप सिंह वाला जिला फरीदकोट के रूप में हुई है। ये बाइक पर सवार होकर प्लास्टिक के बैग में हेरोइन लेकर किसी को सप्लाई करने जा रहे थे। एआईजी ने बताया कि वीर सिंह के खिलाफ फाजिल्का में 200 ग्राम हेरोइन का मामला दर्ज है। इस मामले में ये अदालती भगोड़ा है। पिछले साल आरोपी गंगा गिल और उसके भाई रविंदर सिंह के खिलाफ डेढ़ किलो हेरोइन का मामला थाना सदर फिरोजपुर में दर्ज हुआ था। इस मामले में रविंदर गिरफ्तार हो चुका है, जबकि गंगा फरार था। यही नहीं गंगा के दूसरे भाई विक्रम व पिता टेक चंद पर थाना सदर में पांच किलो हेरोइन, पिस्टल व 25 कारतूस का मामला दर्ज है, विक्रम व टेक दोनों फरार हैं। जगदीप के खिलाफ थाना सादिक में एनडीपीएस का मामला दर्ज है। पाकिस्तान से आई हेरोइन की खेप को लेकर एक सप्ताह पूर्व पुलिस ने टिंडी वाला गांव में दबिश दी थी लेकिन खेप बरामद नहीं हुई थी। खुफिया सूत्रों के मुताबिक वहां से हेरोइन की खेप निकल चुकी थी। शायद यह वही खेप है। बाढ़ में कई जगह बीएसएफ की फेंसिंग और टावर डूबे हैं। इसी का फायदा तस्करों ने उठाया है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने सीमांत गांव टिंडी वाला में लगभग 31 जुलाई को दबिश दी थी लेकिन वहां से कुछ नहीं मिला था। ये चर्चा थी कि टिंडी वाला में पाकिस्तान से भारी मात्रा में हेरोइन की खेप पहुंची है। बाढ़ में हुसैनीवाला बार्डर से सटे कई गांव डूबे हैं, बाढ़ के कारण कई जगह पर फेंसिंग गिरी है।

तीन पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ तीन गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले की मंगलवाड़ा थाना पुलिस ने सीआईडी सीबी के साथ मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के निवासी तीन लोगों से नाकाबंदी के दौरान तीन पिस्टल व 11 जिंदा कारतूस जब्त किए है। कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यन्त ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिला पुलिस को अवैध हथियारों की धरपकड और हथियारों की तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत मंगलवाड़ थानाधिकारी रविन्द्र चारण, कांस्टेबल थानसिंह, संदीप व करनलसिंह लोकल एवं स्पेशल एक्ट की कार्यवाही के दौरान चित्तौडगढ़ उदयपुर सिक्सलेन हाईवे रोड पर नटराज होटल के सामने सरहद लोठियाना पर नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान सीआईडी सीबी के एएसआई बनवारी लाल व हैड कांस्टेबल राकेश कुमार की सूचना पर नाकाबन्दी की। इस दौरान गुजरात पासिंग एक स्विफ्ट कार को रुकवा कर नियमानुसार तलाशी ली गई। कार में सवार मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के आरडी थाना नाहरगढ़ निवासी चन्द्रपालसिंह उर्फ बन्टी पुत्र गोपालसिंह सोंधिया राजपूत के कब्जे से एक पिस्टल मय चार जिंदा कारतूस, मध्यप्रदेश के रायसिंह पीपलिया थाना नाहरगढ़ जिला मंदसौर निवासी धर्मेन्द्रसिंह पुत्र रामसिंह राजपूत के कब्जे से एक पिस्टल मय चार जिंदा कारतूस व मध्यप्रदेश के बांसखेडी थाना नाहरगढ़ जिला मंदसौर निवासी श्रीराम पुत्र जगदीश डांगी के कब्जे से एक पिस्टल मय तीन जिंदा कारतूस बरामद कर कुल 03 पिस्टल व 11 जिंदा कारतूस व उक्त कार को भी जब्त कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों से अवैध पिस्टल व कारतूस की खरीद व ले जाने के बारे में पूछताछ जारी है।

मोहल्ले में शराब का ठेका खोलने का लोगों ने किया विरोध, मचाया बवाल

प्रदर्शन कर राम नगर के लोगों ने दिया धरना

कैथल (हिंस)। शनिवार को रात 9 बजे राम नगर में शराब का ठेका खोलने पर लोगों ने बवाल मचा दिया। आस पास की महिलाओं व पुरुषों ने भारी संख्या में एकत्रित होकर ठेका का शटर बंद कर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन की सूचना पाकर नई अनाज मंडी पुलिस प्रभारी, सिटी थाना पुलिस प्रभारी दलबीर सिंह दल बल सहित मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर शांत किया। इसके बाद पुलिस चौकी परिसर में दोनों पक्षों की बैठक हुई। ठेका संचालकों ने दस दिन का समय मांगा, लेकिन लोग बोले एक घंटे का समय भी नहीं देंगे। यहां ठेका किसी भी कीमत पर नहीं खोलने देंगे। महिलाओं का कहना था कि यह रास्ता राजकीय कन्या स्कूल को जाता है। यहां महिलाओं, छात्राओं का आना-जाना है, लेकिन शराब का ठेका खुलने से माहौल खराब होगा। पिछले साल भी यहां ठेका खोला गया था, लेकिन लोगों ने विरोध किया तो बंद कर दिया था। आज रात को फिर यहां दोबारा से ठेका खोल दिया गया। इसकी सूचना मिलने पर महिलाएं शराब ठेका के बाहर एकत्रित हो गई और रोष प्रदर्शन किया। वार्ड के पार्षद राजेश सिसौदिया ने बताया कि शराब का ठेका खुलने से माहौल खराब होगा। शराब ठेकेदार को इस बारे में समझाया गया था, लेकिन वह नहीं माना और ठेका शुरू कर दिया। ठेका को बंद करवाने के लिए आसपास के लोगों ने धरना शुरू कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक दोनों पक्षों में बैठक चल रही है।

कुपवाड़ा में घुसपैठ नाकाम, एक घुसपैठिया ढेर

कुपवाड़ा (हिंस)। कुपवाड़ा जिले के तंगधार सेक्टर में रविवार को सुरक्षाबलों ने एक घुसपैठिए को मार गिराया है। उसके शव के पास से गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। तंगधार सेक्टर के अमरोही इलाके में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलो ने एक संदिग्ध हरकत देखी। इसी बीच सुरक्षाबलों ने देखा कि एक घुसपैठिया सीमा पार करने की कोशिश कर रहा है। सुरक्षाबलों ने उसे वापस लौटने को कहा, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद सुरक्षाबलों ने गोलीबारी कर उसे मार गिराया। मारे गए घुसपैठिए के शव के पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

बाढ़ में टूटी नहरों की जल्द होगी मरम्मत सरकार ने मंजूर किया 6 करोड़ का बजट

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान में बीकानेर जिले में बीते दिनों हुई भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति में कई नहरें क्षतिग्रस्त हो गई थी। इससे सिंचाई पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई। बाढ़ के दौरान कोलायत वितरिका, गिरीराजसर और देवड़ा वितरिका में कई स्थानों पर कट लग गए थे और ये क्षतिग्रस्त हो गई। अब सरकार ने इन वितरिकाओं की मरम्मत के लिए 6 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया है। आईजीएनपी बीकानेर खंड के अधीक्षण अभियंता विवेक गोयल के अनुसार इस राशि से इन तीनों वितरिकाओं की मरम्मत कराई जाएगी। इसके लिए विभाग ने निविदाएं लगा दी है। अगले दस दिनों में कार्य शुरू हो जाएगा। गौरतलब है कि डॉ.करणीसिंह लिफ्ट कैनाल से कोलायत, देवड़ा और गिरीराजसर वितरिकाएं निकलती है। तेज बारिश के बाद जल स्तर बढ़ने से कोलायत, देवड़ा और गिरीराजसर वितरिका में कई स्थानों पर कटाव आ गया था। जानकारी के अनुसार कोलायत वितरिका 45 किमी, देवड़ा वितरिका 34 और गिरीराजसर वितरिका 40 किमी लंबी है।

हवाई अड्डों को बेहद आलीशान बनाने और फिजूलखर्ची से बचे सरकार

नई दिल्ली ।
संसद की एक समिति ने सिफारिश की है सरकार को देश के हवाई अड्डों को बेहद आलीशान बनाने और उन पर फिजूलखर्ची से बचना चाहिए। सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि यात्री लागत आम आदमी की पहुंच में रहे। राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा कि हवाई सेवाओं के सबसे महत्वपूर्ण हितधारक आम नागरिक हैं, जिनकी हवाई यात्रा करने की आकांक्षा समय बीतने और अर्थव्यवस्था के विकास के साथ बढ़ेगी।

राज्यसभा में पेश हुई रिपोर्ट

संसदीय समिति ने सुझाव दिया है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र के अन्य हवाई अड्डों की तुलना में भारत के हवाई अड्डों में उपयोगकर्ता शुल्क किफायती और प्रतिस्पर्धी रहना चाहिए। बता दें कि समिति की यह रिपोर्ट राज्यसभा में पेश की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत एक विकासशील देश है और यहां के यात्री कीमतों को लेकर काफी सचेत रहते हैं। हमारी राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति में किफायती और स्थिरता पर जोर दिया गया है। समिति ने रिपोर्ट में बताया कि ज्यादातर लोग हवाई अड्डों का इस्तेमाल सिर्फ यात्रा करने, सामान की जांच कराने, सामान वापस लेने के लिए ही करते हैं। इसलिए अन्य चीजों पर बहुत ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है और इसकी जगह यात्री सेवा को बेहतर करने की जरूरत है। संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ये सच है कि हवाई अड्डों के आधारभूत ढांचे की गुणवत्ता अहम होती है क्योंकि यह देश में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और विदेशी निवेश में अहम योगदान देते हैं, लेकिन बहुत ज्यादा इन्हें आलीशान बनाने से बचना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया कि एयरपोर्ट टर्मिनल आरामदायक बनाने पर फोकस होना चाहिए और यात्रा सुखद होनी चाहिए, निजी कंपनियों को बहुत ज्यादा आलीशान और महंगे हवाई अड्डों के निर्माण से बचना चाहिए। समिति की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत एक संसाधनों की कमी वाला देश है। ऐसे में सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए ।

न्यूज ब्रीफ

संकट में बायजू, 120 करोड़ डॉलर के टर्म लोन पर नहीं बनी बात, बायजूस ने नवंबर 2021 में विदेशी निवेशकों से 120 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया था

नई दिल्ली । देश की सबसे अधिक वैल्यू वाली स्टार्टअप बायजूस के आगे की डगर एक बार फिर अनिश्चित हो गई है। बायजूस और इसके कर्जदार 120 करोड़ डॉलर के टर्म लोन पर अभी तक किसी मुद्दे पर बात नहीं बनी है। इसके लिए 3 अगस्त तक का समय तय किया गया था लेकिन अब यह तारीख भी बीत गई और अब आगे कब तक इस पर कोई बात बनेगी, इसे लेकर कुछ तय नहीं है। सूत्रों ने बताया कि बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला है। एडटेक कंपनी के प्रवक्ता का कहना है कि बायजूस ऐसी किसी टाइमलाइन को लेकर प्रतिबद्ध नहीं थी। अगले हफ्ते बायूजस के को-फाउंडर बायजू रवींद्रन की अगले हफ्ते लेंडर्स के साथ बैठक है और दोनों ही पक्षों को उम्मीद है कि कोई नतीजा निकल जाएगा। एडहॉक टर्म लोन लेंजर्स की कमेटी ने औपचारिक रूप से 24 अगस्त को इस टाइमलाइन का ऐलान किया था कि 3 अगस्त तक लोन से जुड़ी शर्तों में बदलाव पर बात बन जाएगी। इस कमेटी में शामिल लेंडर्स ने बायजूस पर जो 120 करोड़ डॉलर का जो टर्म लोन है, उसका 85 फीसदी दिया हुआ है।

फोन में डी2एच जैसी टेक्नोलॉजीः मोबाइल पर बिना इंटरनेट देख सकेंगे लाइव टीवी और ओटीटी कंटेंट

नई दिल्ली। जिस तरह आप बिना इंटरनेट के घर पर टीवी चैनलों का आनंद लेते हैं, ठीक वैसे ही मोबाइल फोन पर ले सकेंगे। बहुत ही कम दाम पर ओटीटी कंटेंट भी देख सकेंगे, वो भी बिना किसी डेटा खर्च के। ये संभव होगा- डायरेक्ट टू मोबाइल यानी डी2एम टेक्नोलॉजी से। ये टेक्नोलॉजी डी2एच की तरह है। इसके लिए केंद्रीय दूरसंचार विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और आईटीटी कानपुर ने काम शुरू कर दिया है। ये टीम अगले हफ्ते इस टेक्नोलॉजी की व्यवहारिकता पर दूरसंचार ऑपरेटरों से बातचीत करेगी। यह ब्रॉडबैंड और ब्रॉडकास्ट का मिश्रण है। मोबाइल पर जिस टेक्नोलॉजी से एफएम रेडियो प्रसारित होता है, डी2एम वैसी ही है। फोन में लगा रिसीवर रेडियो फ्रीक्वेंसी पकड़ेगा।

टीवीएस सप्लाई चेन का आईपीओ 10 अगस्त को ओपन होगाः 14 तारीख तक कर सकेंगे अप्लाय, 23 अगस्त को एनएसई-बीएसई पर लिस्ट होंगे शेयर

मुंबई। इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन सॉल्यूशन देने वाली कंपनी टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 10 अगस्त को ओपन होगा। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 600 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 10 अगस्त से 14 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। 23 अगस्त को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस ने अभी तक आईपीओ का प्राइज बैंड जारी नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले 1-2 दिन में कंपनी प्राइज बैंड जारी करेगी। कंपनी ने इश्यू के 75प्रतिशत हिस्से को क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 10प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस 25 देशों में बिजनेस करती है। कंपनी के 4 बिजनेस वर्टिकल्स हैं- सप्लाई चेन सॉल्यूशन्स, मैन्यूफैक्चरिंग, ऑटो डीलरशिप और आफ्टरमार्केट सेल्स एंड सर्विस। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस के कस्टमर्स की बात करें तो इसमें ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग, सेफ्टी, रेल, एफएमसीजी , ई-कॉमर्स और हेल्थकेयर इंडस्ट्री की कंपनियां शामिल हैं। कंपनी के प्रमुख कस्टमर्स में सोनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड, अशोक लीलैंड, टीवीएस मोटर, हीरो मोटोकॉर्प, पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस, यामाहा मोटर, लेक्समार्क इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी सहित अन्य कंपनियां शामिल हैं।

एक्स पर लाइव स्ट्रीम होगी मस्क-जुकरबर्ग की फाइट

एलन मस्क बोले- इससे होने वाली कमाई चैरिटी में दान करेंगे

वॉशिंगटन।
टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की फाइट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लाइव स्ट्रीम होगी। मस्क ने एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, इससे होने वाली इनकम को बुजुर्गों के लिए चैरिटी में दान करेंगे। मस्क ने यह भी बताया कि उनके पास वर्कआउट के लिए टाइम नहीं है, इसलिए वह काम के समय ही इस फाइट की तैयारी कर रहे हैं। पूरे दिन वजन उठा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक लाइव स्ट्रीम भी की थी, जिसमें वह डंबल उठाते हुए दिखाई दे रहे थे।

केज फाइट के लिए ट्रेनिंग ले रहे हैं मस्क और जुकरबर्ग - मस्क और जुकरबर्ग ने केज फाइट के लिए ट्रेनिंग कुछ दिन पहले शुरू की थी। ट्रेनिंग की फोटोज भी सामने आई थी। एक तस्वीर में मस्क पॉपुलर पॉडकास्टर और एआई रिसर्चर लेक्स फ्रिडमैन के साथ लड़ रहे हैं। फ्रिडमैन ने ही तस्वीरें ट्विटर पर शेयर कीं और लिखा- मस्क की पावर से प्रभावित हूं।

केज फाइट का चैलेंज कैसे शुरू हुआ और ये कहां होगी - कंपनी मेटा ने ट्विटर जैसा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की बात कही थी। इसके बाद डेली मेल ने एक रिपोर्ट पब्लिश की, जिसकी हेडलाइन थी- ट्विटर को खत्म करने का जुकरबर्ग का मास्टर प्लान सामने आया। इस रिपोर्ट को ट्विटर पर शेयर किया जाने लगा। ऐसी ही एक पोस्ट पर एलन मस्क ने जुकरबर्ग को चिढ़ाने वाली इमोजी पोस्ट की। मारियो नाफवाल नाम के ट्विटर हैंडल से जुकरबर्ग के नए प्लेटफॉर्म से जुड़ी और डीटेल्स शेयर की गई। नाफवाल को एलन मस्क फॉलो भी करते हैं। इसमें कहा गया कि मेटा के नए ऐप का नाम थ्रेड हो सकता है। इस पर एक ट्विटर यूजर ने लिखा- बेहतर होगा मस्क सावधान रहें... मैंने सुना है कि जुकरबर्ग अब जु-जित्सु कर रहे हैं। यहीं से केज फाइट चैलेंज की शुरुआत हुई। मस्क ने पोस्ट पर जवाब दिया- मैं केज फाइट के लिए तैयार हूं। इसके बाद जुकरबर्ग ने मस्क से फाइट की लोकेशन पूछी और मस्क ने जवाब दिया- वेगास ऑक्टागन। मस्क स्ट्रीट फाइटर और जुकरबर्ग जु-जित्सू चैंपियन 52 वर्षीय मस्क साउथ अफ्रीका में बड़े हुए हैं।

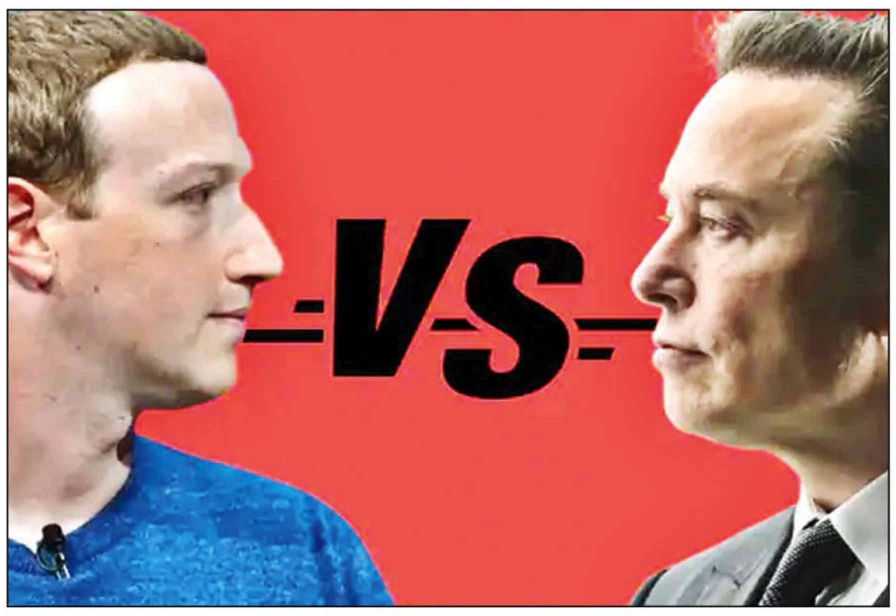

एफपीआई ने सात कारोबारी सत्र में 8,545 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली । लगातार तीन महीने तक भारतीय पूंजी बाजार में पैसा लगाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) अब बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। बाजार के जानकारों ने बताया कि पिछले सात कारोबारी सत्रों के दौरान एफपीआई ने 8,545 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड पर मिलने वाला ब्याज तेजी से बढ़कर चार प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है। इससे उभरते बाजार वाले देशों में पूंजी प्रवाह निकट भविष्य में नकारात्मक रहने की आशंका है। एफपीआई ने भारतीय बाजार में पिछले तीन महीने में कुल 1,37,603 करोड़ रुपए का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी बांड पर ब्याज ऊंची बनी रहती है तो एफपीआई द्वारा बिकवाली जारी रखने या कम से कम खरीदारी से परहेज करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि एफपीआई ने ऑटो, पूंजीगत सामान और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में निवेश जारी रखा है। इसके अलावा एफपीआई की रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि उन्होंने आईटी शेयरों में खरीददारी शुरू कर दी है। इस सेक्टर में पहले वे बिकवाली कर रहे थे। यह हाल में आईटी शेयरों में आई मजबूती को दिखाता है। उनका कहना है कि मजबूत मांग के कारण भारत की सेवा गतिविधियों का माह-दर-माह सूचकांक तेजी से बढ़कर 62.3 पर पहुंच गया जो 13 साल में सबसे तेज वृद्धि दर है। इसके कारण लगातार तीन दिन तक बिकवाली का दबाव झेलने के बाद घरेलू शेयर बाजारों में कुछ राहत देखी गई।

आरबीआई की मौद्रिक नीति की बैठक इस हफ्ते से शुरू होगी, रेपो रेट को स्थिर रखने की उम्मीद

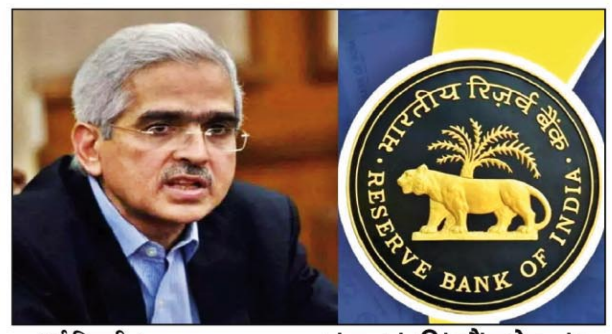

नई दिल्ली ।
8 अगस्त से भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की बैठक शुरू हो जाएगी। ये बैठक 10 अगस्त तक चलेगी। इस बैठक का फैसला आरबीआई के अध्यक्ष 10 अगस्त को सुनाएंगे। कई विशेषज्ञों ने कहा कि रिजर्व बैंक अपनी आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला लेगी। देश में महंगाई और आर्थिक विकास की गति को बनाए रखने के लिए उधार लेने की लागत को स्थिर रखने की चिंता बनी हुई है। आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 8-10 अगस्त को होने वाली है। इस बाठक में नीतिगत निर्णय की घोषणा 10 अगस्त को गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा की जाएगी। एमपीसी की आखिरी बैठक 6-8 जून के दौरान हुई थी।

ब्याज दरों को स्थिर रखने की उम्मीद

देश में पिछले साल मई में उधार लेने की लागत को बढ़ाया गया था। वहीं, आरबीआई ने फरवरी के बाद से रेपो रेट को 6.5 फीसदी को बढ़ा कर 6.25 फीसदी किया गया था। पिछले बैठक में भी रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला लिया था।

पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक स्वरूप कुमार साहा ने कहा

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रबंध निदेशक त्रिभुवन अधिकारी ने कहा सरकार ने केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि खुदरा मुद्रास्फीति दोनों तरफ 2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे। केंद्रीय बैंक अपने द्विमासिक मौद्रिक नीति निर्णय पर पहुंचने के लिए सीपीआई को ध्यान में रखता है।

खुदरा मुद्रास्फीति दर

देश में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित भारत की खुदरा मुद्रास्फीति जून में बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर 4.81 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें सख्त होना है। हालाँकि, मुद्रास्फीति आरबीआई के 6 प्रतिशत से नीचे के आरामदायक स्तर के भीतर बनी हुई है। 14 अगस्त को जुलाई के महंगाई आंकड़े जारी होंगे। एमपीसी में तीन बाहरी सदस्य और आरबीआई के तीन अधिकारी शामिल हैं। पैनल के बाहरी सदस्य शशांक भिड़े, आशिमा गोयल और जयंत आर वर्मा हैं।

चैट जीपीटी के नए वर्जन में सुधार के साथ गड़बड़ियां भीः मैथ्स, मेडिकल सवालों के जवाब और कोड जेनरेट करने में दिक्कत आई

वॉशिंगटन।
चैट जीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स ने रिसर्च सहित कई क्षेत्रों में नई संभावनाएं पैदा कीं। वहीं, एआई के इंसानी नियंत्रण के बाहर जाने को लेकर डर भी जाहिर किया गया। लेकिन अब सामने आ रहा है कि वे भी भटकाव का शिकार होते हैं। जटिल एआई मॉडल के एक हिस्से को सुधारने के प्रयास दूसरे हिस्से के प्रदर्शन को बदतर कर सकते हैं। एक नई रिसर्च में सामने आया है कि ओपन एआई के चैटजीपीटी को मैथ्स, मेडिकल सवालों के जवाब और कोड जेनरेट करने जैसे टास्क में खासी दिक्कत आई है।

स्टैनफोर्ड और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स का कहना है कि एआई डेवलपर्स इस समस्या को ड्रिफ्ट कहते हैं। इसमें मॉडल के एक हिस्से को सुधारने का प्रयास दूसरे हिस्से के प्रदर्शन को बदतर बना देता है।

चैटबोट में 1000 नंबर फीड कर प्राइम नंबर पहचानने को कहा

स्टेनफोर्ड के एआई लैब के प्रो. जेम्स जाउ का कहना है कि हमने चैटबोट में 1000 नंबर फीड कर प्राइम नंबर पहचानने को कहा। मार्च में जीपीटी-4 ने सटीक रूप से बताया कि 84प्रतिशत नंबर प्राइम हैं या नहीं। यह कंप्यूटर के लिए मध्यम स्तर का प्रदर्शन कहा जा सकता है। जून में उसे केवल 51प्रतिशत सफलता मिली। आठ विभिन्न कार्यों में छह में जीपीटी-4 ने खराब प्रदर्शन किया। इससे पहले वाले जीपीटी-3.5 का प्रदर्शन अपटेडेट वर्जन से भी खराब रहा। 1500 सवालों के डेटा बेस के सवालों में जीपीटी-4 ने मार्च में 98प्रतिशत सवालों के जवाब दिए थे। जून में केवल 23प्रतिशत के उत्तर दिए। बहुत से लोग जो इन मॉडल पर प्रयोग से चकित हो रहे थे। बाद में उन्होंने जवाब में कई गलतियां पाईं या जवाब नहीं मिला।

इतनी तेजी से गिरावट का अंदाजा नहीं थाः प्रो जाउ

प्रो. जाउ का कहना है कि ज्ञान के मामले में हमारी सोच रही है कि एक समस्या पर नियंत्रण के बाद इसके आधार पर आगे विकास होता है। लेकिन, एआई एक कदम आगे जाता है, लड़खड़ा कर एक कदम अप्रत्याशित दिशा में भटक जाता है।

इंडसइंड बैंक ने एफडी की ब्याज दरों में कटौती कीः अब फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलेगा अधिकतम 8.25प्रतिशत तक का ब्याज

नई दिल्ली।
इंडसइंड बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी पर मिलने वाले ब्याज की दरों में कटौती की है। इंडसइंड बैंक में एफडी कराने पर अब आम नागरिकों को अधिकतम 7.5प्रतिशत ब्याज मिलेगा। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को अब 8.25प्रतिशत तक का ब्याज मिलेगा।

एक्सिस बैंक ने भी एफडी की ब्याज दरें घटाईं

इससे पहले इसी महीने एक्सिस बैंक ने 2 करोड़ से कम रकम की फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में कटौती की थी। क्सिस बैंक 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की अवधि की एफडी पर 3.50-7.10प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज दे रहा है।

एफडी से मिलने वाले ब्याज पर भी देना होता है टैक्स

एफडी से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह से टैक्सेबल होता है। आप एक साल में एफडी पर जो भी ब्याज कमाते हैं, वो आपकी एनुअल इनकम में जुड़ता है। कुल आय के आधार पर, आपका टैक्स स्लैब निर्धारित किया जाता है। चूंकि एफडी पर अर्जित इंटरेस्ट इनकम को इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज माना जाता है, इसलिए इसे टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स या टीडीएस के तहत चार्ज किया जाता है। जब आपका बैंक आपकी ब्याज आय को आपके अकाउंट में जमा करता है, तो उसी समय टीडीएस काट लिया जाता है।

आइए जानते हैं एफडी पर टैक्स से जुड़े कुछ प्वाइंट्स

यदि आपकी कुल आय एक वर्ष में 2.5 लाख रुपए से कम है, तो बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट पर टीडीएस नहीं काटता है। हालांकि, इसके लिए आपको फॉर्म 15 जमा करना पड़ेगा। ऐसे में अगर आप टीडीएस बचाना चाहते हैं तो फॉर्म 15जरूर जमा करें। यदि सभी एफडी से आपकी इंटरेस्ट इनकम एक वर्ष में 40,000 रुपए से कम है, तो टीडीएस नहीं काटा जाता है।

केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई-भत्ते में जल्द हो सकती है बढ़ोतरीः 3प्रतिशत बढ़ सकता है डीए

नई दिल्ली।
केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते में जल्द ही बढ़ोतरी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक मार्च को होने वाली कैबिनेट की बैठक में सरकार डीए में बढ़ोतरी पर फैसला ले सकती है। सरकार 3प्रतिशत डीए बढ़ा सकती है। अगर ऐसा होता है तो उनका महंगाई भत्ता 42प्रतिशत से बढ़कर 45प्रतिशत हो जाएगा। इसका फायदा करीब 52 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 60 लाख पेंशनर्स को होगा। बढ़े हुए महंगाई भत्ते का फायदा 1 जुलाई 2023 से मिलेगा। महंगाई भत्ता साल में दो बढ़ाया जाता है।

क्या होता है महंगाई भत्ता

महंगाई भत्ता ऐसा पैसा है जो महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर को बनाये रखने के लिये दिया जाता है। यह पैसा सरकारी कर्मचारियों, पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों और पेंशनधारकों को दिया जाता है। इसका कैलकुलेशन देश की मौजूदा महंगाई के अनुसार हर 6 महीने पर किया जाता है। इसकी गणना संबंधित वेतनमान के आधार पर कर्मचारियों के मूल वेतन के अनुसार की जाती है। महंगाई भत्ता शहरी, अर्ध-शहरी या ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों का अलग-अलग हो सकता है।

महंगाई भत्ते का कैलकुलेशन कैसे होता है

महंगाई भत्ता निर्धारण के लिए एक फॉर्मूला दिया गया है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए ये फॉर्मूला है [(पिछले 12 महीने के ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स का औसत - 115.76)/115.76]म100 । अब अगर (पब्लिक सेक्टर यूनिट्स) में काम करने वाले लोगों के महंगाई भत्ते की बात की जाए तो इसके कैलकुलेशन का तरीका यह है- महंगाई भत्ता प्रतिशत= (बीते 3 महीनों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का औसत (बेस ईयर 2001=100)-126.33))×100

ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स क्या है

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरा थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं।

डीए के बाद कितना फायदा होगा

इसके लिए नीचे लिखे फॉर्मूला में अपनी सैलरी भरें..(बेसिक पे + ग्रेड पे) म डीए प्रतिशत = डीए अमाउंट आसान भाषा में समझें तो बेसिक सैलरी में ग्रेड सैलरी को जोड़ने के बाद जो सैलरी बनती है, उसमे महंगाई भत्ते की दर का गुणा किया जाता है। जो नतीजा आता है, उसे ही महंगाई भत्ता यानी डेअरनेस अलाउंस कहा जाता है। अब इसे एक उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए आपकी बेसिक सैलरी 10 हजार रुपए और ग्रेड पे 1000 रुपए है।

दोनों को जोड़ने पर टोटल 11 हजार रुपए हुआ। अब बढ़ने वाले 45प्रतिशत महंगाई भत्ते के लिहाज से देखें, तो यह 4,950 रुपए हुआ। सबको जोड़कर आपकी टोटल सैलरी 15,950 रुपए हुई। वहीं 42प्रतिशत डीए के लिहाज से आपको 15,620 रुपए सैलरी मिल रही है। यानी 3प्रतिशत डीए बढ़ने के बाद हर महीने 330 रुपए का फायदा होगा।

दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो फ्लाइट की टॉयलेट में यात्री ने किया धूम्रपान, लैंडिंग के बाद गिरफ्तार

महाराष्ट । सऊदी अरब से मुंबई आए एक यात्री को विमान के अंदर धूम्रपान करने के आरोप में हाल ही में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें एयरलाइन के शौचालय में धूम्रपान करते हुए पकड़ा गया था। फिलहाल आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। यह लगाई गईं धाराएं बता दें, मुंबई के सहारा पुलिस स्टेशन में एक यात्री कवराज तगत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जो इंडिगो की दुबई-मुंबई उड़ान के दौरान शौचालय में धूम्रपान करते हुए पाया गया था। एफआईआर में आईपीसी की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और विमान नियम की धारा 25 (विमान के किसी भी हिस्से में या उसके आसपास, जिसमें एक नोटिस प्रदर्शित किया गया है कि धूम्रपान निषिद्ध है) लगाई गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान का रहने वाला 26 वर्षीय कावराज तगत सिंह तीन अगस्त को दुबई से मुंबई के लिए इंडिगो एयरलाइंस के विमान में था। यात्रा के दौरान, वह शौचालय गया और धूम्रपान करने लगा। चालक दल ने गंध आने पर जांच की तो शौचालय में जली हुई सिगरेट का एक टुकड़ा पाया गया। चालक दल ने यात्री से धूम्रपान के बारे में पूछा तो उसने चालक दल के सदस्यों को सिगरेट की जेब और लाइटर दे दिया। मुंबई एयरपोर्ट पर उतरने पर फ्लाइट क्रू ने तुरंत यात्री को सहारा पुलिस को सौंप दिया।

अकेली से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे दो अंतरराष्ट्रीय एक्टर

-इनमें एक्टर्स त्साही हलेवी और अमीर बुट्रोस शामिल

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म अकेली दो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध अभिनेताओं, त्साही हलेवी और अमीर बुट्रोस की बॉलीवुड में डेब्यू का प्रतीक है, जिन्होंने लोकप्रिय इजराइली सीरीज फौदा में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रसिद्धि हासिल की है। कलाकारों में त्साही हलेवी और अमीर बुट्रोस का शामिल होना इस पहले से ही आशाजनक फिल्म में साज़िश की एक और परत जोड़ता है। अपने उत्साह के बारे में बात करते हुए, त्साही हलेवी कहते हैं, यह भारतीय सिनेमा की ऐसी रंगीन दुनिया का हिस्सा बनने का एक शानदार अवसर है! मैं बहुत उत्साहित हूं और जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट सुनी तो आश्चर्यचकित रह गया! पूरी कास्ट और क्रू के साथ काम करना वास्तव में अच्छा था और मुझे यकीन है कि यह एक प्रभावशाली और अविस्मरणीय फिल्म होगी। अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर समान रूप से रोमांचित आमिर बाउटरस ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय फिल्मों में मेरी शुरूआत करने के लिए अकेली बिल्कुल सही फिल्म है। इसमें एक शानदार कहानी और सही संदेश है। यह सबसे अद्भुत कलाकारों से भी लैस है। मैं बॉलीवुड का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। अकेली का निर्माण शशांत शाह के साथ नितिन वैद्य, निनाद वैद्य अपर्णा पडगांवकर और विक्की सिदाना द्वारा किया गया है। 2016 में स्थापित दशमी स्टूडियोज ने पहले ही खुद को कंटेंट से भरपूर मराठी सिनेमा में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किय। फैंस और फिल्म प्रेमी समान रूप से 18 अगस्त 2023 को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहें हैं, और वे नुसरत भरुचा, त्साही हलेवी और अमीर बुतरस सहित प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ एक भावनात्मक और रोमांचक सफर पर जाने के लिए तैयार हैं। जैसे-जैसे बहुप्रतीक्षित फिल्म अकेली अपनी रिलीज की तारीख के करीब आ रही है, वैसे-वैसे लोगों में उत्साह बढ़ रहा है। दशमी स्टूडियोज द्वारा निर्मित अकेली ने एक भावनात्मक और रोमांचकारी सिनेमाई सफर का वादा करते हुए, अपने मनोरम टीजर के साथ दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है।

कंगना चाहती हैं कि कोई उन्हें एक्शन फिल्म में कास्ट करे

- विद्युत जामवाल के साथ बनाना चाहती हैं जोड़ी

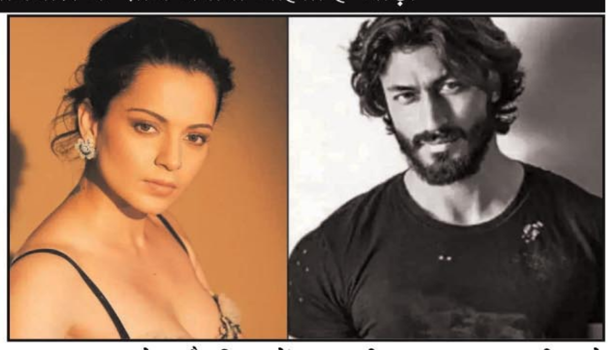

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की पंगा क्वीन यानि अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फैशन शो का एक वीडियो पोस्ट किया, जहां अभिनेत्री और विद्युत शो स्टॉपर थे। वीडियो पर कंगना ने लिखा, अच्छी जोड़ी... किसी को हमें एक्शन फिल्म में कास्ट करना चाहिए। कंगना चाहती हैं कि कोई उन्हें एक्शन फिल्म में कास्ट करे। उन्होंने कहा कि अभिनेता विद्युत जामवाल के साथ उनकी जोड़ी अच्छी लगती है। जामवाल की आगामी फिल्म क्रैक-जीतेगा तो जिएगा एक एक्सट्रीम स्पोर्ट्स फिल्म है। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो भाइयों पर आधारित है जो जीतने के लिए स-ाहसी स्टंट करने को भी तैयार हैं। वहीं, कंगना रनौत इमरजेंसी में नजर आएंगी। जिसमें कंगना रनौत ने पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है, फिल्म 1975 के आपातकाल पर बेस्ड है। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

कंगना के पास तेजस भी है, जिसमें वह एक फाइटर पायलट का किरदार निभाती नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास चंद्रमुखी 2 भी है। बता दें कि विद्युत ने 2011 में फोर्स से डेब्यू किया था। वह कलारीपयट्टू का अभ्यास भी करते हैं। उन्हें 2012 और 2013 में टाइम्स ऑफ इंडिया में भारत के शीर्ष 10 मोस्ट डिजायरेबल मेन की सूची में स्थान मिला। 2012 में, पीपुल मैगजीन इंडिया ने उन्हें सबसे सेक्सी पुरुषों में श्रेणी में रखा था। 2020 में, उन्हें व्लादिमीर पुतिन और बेयर ग्रिल्स के साथ द वर्ल्ड लिस्ट ऑफ 10 पीपल यू डोंट हैव टू मेस विद में नामित किया गया था।

फिल्म "अकेली" का दमदार ट्रेलर रिलीज

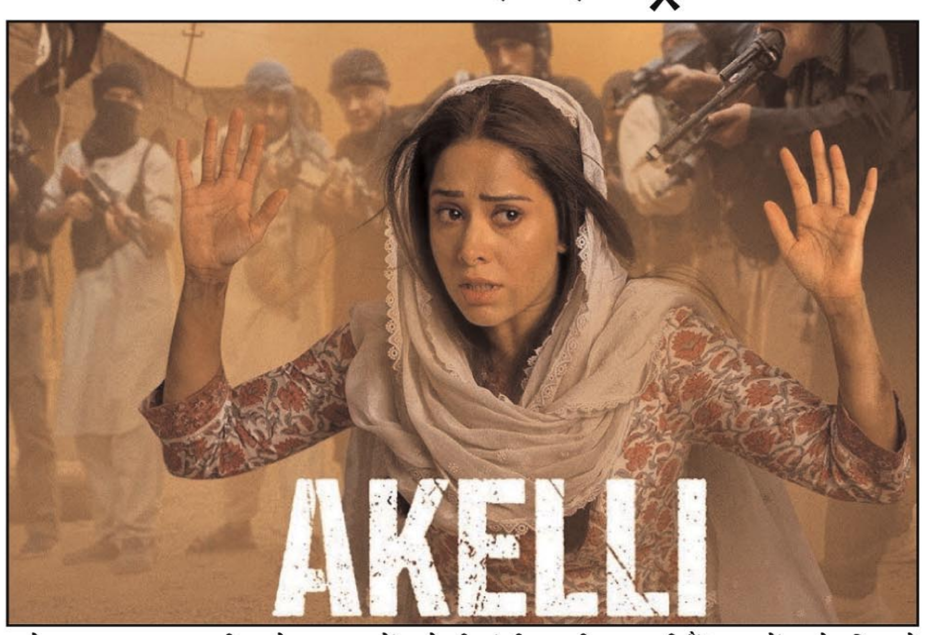

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा की आने वाली फिल्म "अकेली" की खूब चर्चा हो रही है। फिल्म का दमदार टीजर रिलीज होने के बाद से ही फैंस ट्रेलर और फिल्म देखने के लिए उत्सुक थे। अब जैसे ही फिल्म की रिलीज डेट नजदीक आ रही है तो मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में नुसरत अपनी जान बचाने की पूरी कोशिश करती नजर आ रही हैं। नुसरत भरूचा की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म युद्धग्रस्त इराक में अकेली फंसी भारतीय लड़की की कहानी है। ट्रेलर में युद्ध की स्थिति को बखूबी दशार्या गया है। "अकेली" नुसरत के नौकरी के लिए इराक जाने और वहां फंस जाने की कहानी है, जिसके बाद वह अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म का ट्रेलर बेहद रोमांचक है। ट्रेलर की शुरूआत में नुसरत भरूचा बुर्का पहन कर भागने की कोशिश करती हैं, लेकिन कुछ हथियारबंद लोगों से घिरी नजर आती हैं। इराक में अपने परिवार से दूर लड़की को अन्य लड़कियों के साथ रखा गया है। फिर ट्रेलर में शा-रीरिक और मानसिक शोषण का भयानक खेल दिखाया गया है। "अकेली" में नुसरत भरूचा के अलावा निशांत दहिया, त्साही हलेवी और अमीर बुत्रास अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 18 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रणय मेश्राम ने किया है।

मैं काम करने की शौकीन हूं : भूमि पेडनेकर

- मैं जो भी प्रोजेक्ट करती हूं, उसमें अपना 200 प्रतिशत देती हूं

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का अभिनय के प्रति एक गहरा जुनून है। काम के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए भूमि पेडनेकर ने बताया, मैं काम करने की शौकीन हूं और मुझे इस तथ्य से प्यार है कि मैं एक अभिनेत्री हूं, जो अपने जीवन का हर पल कुछ ऐसा कुछ बनाने की कोशिश में बिताती हूं जो हमेशा रहे। अभिनय एक खास पेशा है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। जब भी मैं किसी फिल्म के सेट पर कदम रखती हूं, मैं कृतज्ञता से भर जाती हूं कि मेरा काम मुझे किसी तरीके से अविस्मरणीय बना देगा। इसलिए, मैं जो भी प्रोजेक्ट करती हूं, उसमें अपना 200 प्रतिशत देती हूं। हर बार, भूमि पेडनेकर ने अपने जबरदस्त प्रदर्शन के साथ अपनी योग्यता को साबित किया है, जिसने आलोचकों और दर्शकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। प्रत्येक भूमिका के साथ, वह अपने पात्रों के सार में गहराई से उतरती है और अपने चित्रण में प्रामाणिकता और ईमानदारी लाती है। प्रत्येक किरदार की बारीकियों को समझने और तैयारी में कुछ अतिरिक्त करने की उनकी इच्छा उनके समर्पण का प्रमाण है। भूमि पेडनेकर ने बताया, ह्लमुझे लगता है कि मैं अपनी फिल्मों के जरिए महत्वपूर्ण प्रभाव प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हूं, क्योंकि फिल्में हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं। अब हम जो भी बनाते हैं, उसे आने वाले वर्षों में याद किया जाएगा और विश्लेषित किया जाएगा, जैसे पहले की फिल्में समय की कसौटी पर खरी उतरती हैं या अब उन पर सवाल उठाया जाता है कि वो क्या कहने की कोशिश कर रही थी। कला लगभग अमर है ह्व भूमि पेडनेकर को दम लगा के हईशा में अपने डेब्यू के बाद से ही प्रशंसा मिल रही हैं और एक ऐसी कलाकार के रूप में उभरी हैं, जिन्होंने अपने लिए एक अनोखी जगह बनाई है। मैं हमेशा से एक ऐसी महिला अभिनेत्री बनना चाहती थी, जिसका मेरी फिल्मों और मेरे द्वारा निभाई गई भूमिकाओं के जरिए सांस्कृतिक प्रभाव पड़े। इसलिए, मेरे पास हमेशा ऐसी ही परियोजनाएं होती हैं और मैं ऐसी ही परियोजनाएं चुनुंगी जो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं। भूमि ने बताया, मैं अच्छी तरह से जानती हूं कि मैं अपने काम के जरिए अपने लिए एक विरासत बना रही हूं और मैं स्क्रीन पर जो काम करती हूं उस पर गर्व करना चाहती हूं। अपनी प्रभावशाली अभिनय क्षमता के अलावा, भूमि ने सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों की भी सक्रिय रूप से वकालत की है। वह एक ऐसी व्यक्ति हैं जिनके अंदर अपने ग्रह के लिए गहरा जुनून है और वह हमेशा पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर खुलकर बोलने वाली समर्थक रही हैं। बता दें कि भूमि पेडनेकर ने हमेशा अपने जबरदस्त अभिनय और अपने द्वारा निभाए गए हर किरदार में प्रामाणिकता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। अब तक की गई हर फिल्म में अपने बेहतरीन अभिनय की वजह से वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सबसे अधिक डिमांड वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। सिनेमा की दुनिया में शुरूआत से ही भूमि पेडनेकर ने एक दुर्लभ दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जिसने उन्हें दूसरो से अलग कर दिया है।

गणेश चतुर्थी के दौरान रिलीज होगी चंद्रमुखी 2

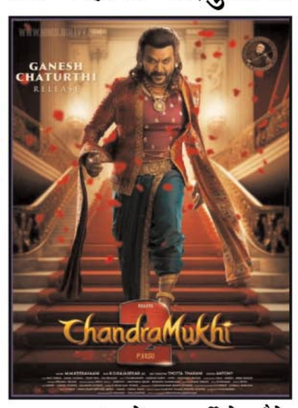

कंगना रनौत की फिल्म चंद्रमुखी 2 गणेश चतुर्थी के मौके पर लगने जा रही है। उनकी यह फिल्म एक बार फिर चर्चा में हैं। जिसका फर्स्ट लुक रिवील कर दिया गया है। उन्हें इस लुक में देख फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है। इसी के साथ मेकर्स ने ये भी जानकारी दी है कि फिल्म इसी साल सितंबर महीने में गणेश चतुर्थी के मौके पर रिलीज हो रही है। ये साउथ फिल्म की ब्लॉकबस्टर मूवी का सीक्वल है। कंगना ने इंस्टाग्राम पर चंद्रमुखी 2 से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया। इसके कैप्शन में लिखा गया है, द ब्यूटी एंड द पोज। इसने बिना किसी कोशिश के ध्यान खींच लिया है। चंद्रमुखी 2 से कंगना रनौत का पहला लुक। गणेश चतुर्थी के मौके पर हिंदी तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होने से दर्शकों में काफी उत्साह है।

नागिन 7 की चर्चा जोरो पर

आजकल नागिन 7 को लेकर शो खूब चर्चा में हैं। अगले सीजन की कास्ट को लेकर फैंस के मन में बहुत से सवाल हैं। खबरों के मुताबिक नागिन 7 की लीड एक्ट्रेस के लिए प्रियंका चाहर चौधरी का नाम बार-बार सामने आ रहा है। इसी के चलते अब शो के लीड एक्टर को लेकर भी बड़ी खबर सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार शो में मेल लीड एक्टर का रोल बिग बॉस 16 फेम प्रतीक सहजपाल प्ले करेंगे। एक्टर को नागिन 6 में भी देखा गया था। एकता कपूर अपने हिट सुपरनैचुरल शो के सातवें सीजन की तैयारी कर रही हैं। खैर अभी ना मेकर्स ने और ना ही प्रियंका चाहर चौधरी और प्रतीक सहजपाल ने कुछ कंफर्म किया है। फिलहाल लोग नागिन 7 के लीड एक्टर्स की अनाउंसमेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहें हैं। अगर प्रियंका चाहर चौधरी और प्रतीक सहजपाल सच में एक साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं तो ये जोड़ी काफी हिट होने वाली है। शो को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट हैं। बता दें कि एकता कपूर का टीवी शो नागिन लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। हर कोई एक्ट्रेस के इस शो में लीड रोल प्ले करने के लिए बेताब है।

इशिता ने इंस्टाग्राम पर वीडियो किया शेयर

हाल ही में एक्ट्रेस इशिता मां बनी हैं। एक्ट्रेस ने 19 जुलाई 2023 को एक बेटे को जन्म दिया। इशिता ने दृश्यम फिल्म में अजय देवगन की बेटी का रोल प्ले किया था। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर दिखाया है कि कैसे उनके पति बाप बनने के बाद थक गएं हैं। वीडियो में इशिता नाइट सूट में नजर आ रहीं हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि न्यू बॉर्न के पापा यानी वत्सल सेठ सो रहें हैं और इशिता दत्ता शिकायत करती नजर आ रहीं हैं, डिलीवरी मैने की, बच्चा पैदा मैने किया...पर थक कौन गया है..द फादर...वैसे तो इन्हे मेरी मदद करनी चाहिए, लेकिन ये सो रहें हैं आराम से...बेबी तो है ही टायर्ड लेकिन ये क्यों इतना टायर्ड है? इसने क्या किया? यह वीडिया काफी फनी भी है और एक्ट्रेस की बात बिलकुल सही भी है। ऐसे में लोग मजेदार कमेंट कर रहें हैं- डिलीवरी के समय पति का भी पूरा रोल होता है.... हॉस्पिटल में आना जाना... भोजन और अन्य चीजें उपलब्ध कराना... भागम भाग लग रही है इसलिए पति भी थक जाता है। वह मानसिक रूप से थका हुआ होगा क्योंकि हम डिलीवरी अच्छे से करवाने के लिए बहुत कुछ करते हैं... हर चीज शारीरिक थकान नहीं होती, मानसिक थकान पूरे शरीर को अधिक प्रभावित करती है।

सबसे बड़े घोटाले की कहानी "स्कैम 2003- द तेलगी स्टोरी" का दमदार टीजर रिलीज

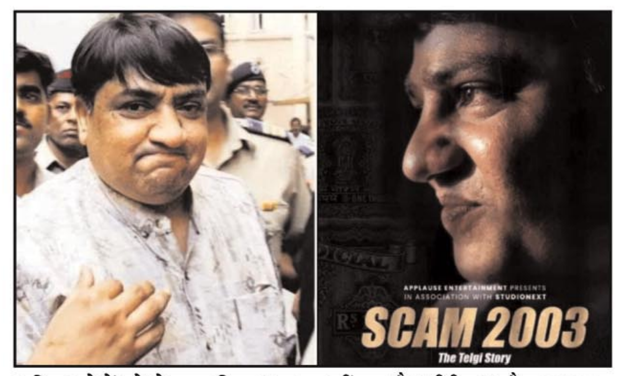

"स्कैम 1992" के बाद अब देश के सबसे बड़े स्टांप पेपर घोटाले की कहानी एक सीरीज के रूप में नजर आएगी। "स्कैम 2003- द तेलगी स्टोरी" का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ था। इस टीजर से वेब सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान किया गया है। "घोटाला 2003" भारत के सबसे बड़े स्टाम्प पेपर घोटाले के रूप में जाना जाता है। इस सीरीज की पूरी कहानी अब्दुल करीम तेलगी पर आधारित होगी। पूरे देश को झकझोर देने वाली इस घटना की कहानी पत्र-ाकार और रिपोर्टर संजय सिंह की हिंदी किताब "रिपोर्टर की डायरी" से ली गई है। कैसे तेलगी ने स्टाम्प पेपर छापने की मशीनें खरीदने के लिए बैंकों, बीमा कंपनियों और कई अन्य लोगों को धोखा दिया। 300 से अधिक लोगों को रोजगार मिला। इस सबमें करीब 30 हजार करोड़ का घोटाला हुआ। टीजर देखने के बाद साफ है कि सीरीज की कहानी इसी पर आधारित होगी। टीजर में डायलॉग "मैं पैसा नहीं कमाना चाहता क्योंकि, पैसा कमाया या बनाया जाता है" ध्यान खींचता है। सीरीज "स्कैम 2003- द तेलगी स्टोरी" 2 सितंबर से सोनी लिव पर प्रसारित होगी। यह सीरीज हंसल मेहता द्वारा निर्मित और तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित है। अभिनेता गगन देव रियार श्रृंखला में अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका निभाएंगे।

फिर बनेंगी बावर्ची, मिली और कोशिश

ऋषिकेश मुखर्जी की बावर्ची व मिली और गुलजार की कोशिश जब बनी थीं तो मुख्यधारा के सिनेमा का हिस्सा नहीं थीं। मगर अपने यहां समांतर और मेनस्ट्रीम सिनेमा के बीच भी एक धारा रही है। ऋषिकेश और गुलजार का सिनेमा इसी तीसरी धारा का प्रतिनिधित्व करता है। यह ऐसी फिल्मों की धारा थी जो बहुत ज्यादा नहीं चलती थीं, पर अपना काम चला लेती थीं। इनकी खूबी यह थी कि वे कमर्शियल यानी मुख्यधारा के दर्शकों की तरह समांतर सिनेमा के प्रशंसकों को भी पसंद आती थीं। वास्तविकता तो यह है कि कमर्शियल सिनेमा के बहुत से दर्शक इसी धारा से होकर समांतर सिनेमा तक पहुंचे। इस धारा ने अपने फिल्म इतिहास की अनेक महत्वपूर्ण फिल्में दी हैं। इन्हीं में से तीन फिल्मों बावर्ची, मिली और कोशिश को फिर से बनाने की घोषणा हुई है। असल में इन तीनों फिल्मों के निमार्ता एनसी सिप्पी थे। उनके पोते समीर राज सिप्पी ने ही जादूगर फिल्म्स के साथ मिल कर इनके रीमेक का ऐलान किया है। बावर्ची में राजेश खन्ना, मिली में अमिताभ बच्चन और कोशिश में संजीव कुमार नायक थे, मगर इन तीनों ही फिल्मों की हीरोइन जया बच्चन थीं। जादूगर फिल्म्स के अबीर सेनगुप्ता और अनुश्री मेहता के मुताबिक वे इन फिल्मों को नए कलेवर और नई शैली में बनाएंगे। समीर राज सिप्पी मानते हैं कि इन क्लासिक फिल्मों को आज के परिप्रेक्ष्य और आधुनिक नजरिये में ढालने का समय आ गया है। पता नहीं वह कौन सा समय होता है जब किसी पुरानी मशहूर फिल्म को फिर से बनाने की जरूरत पैदा हो जाए। और ऐसा करके कोई क्या हासिल कर सकता है? संजय लीला भंसाली ने एक भव्य देवदास बना दी, मगर क्या वह शरतचंद्र, बिमल रॉय और दिलीप कुमार की देवदास का विकल्प हो सकती है? हर फिल्म और हर कहानी का शायद अपना एक समय होता है। उसका समय बार-बार नहीं आता। नए परिप्रेक्ष्य और आधुनिक नजरिये से उन्हीं क-हानियों को दोबारा बना कर कहीं हम उन मूल फिल्मों से जुड़ी यादों को धूसरित तो नहीं कर देंगे जो लोगों ने दशकों बाद भी एहतियात से संजो कर रखी हैं?

सूडोकु नवताल- 6515

★★★✯☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6514 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्दजाल - 7262

बं	म	म	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

शब्द जाल में 'म' नाम से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

मंजिल, मर्यादा, मदर इंडिया, मर्द, मशाल, मरते दम तक, मकसद, मनचली, मंगल पांडे, मन की आंखें

शब्दजाल - 7261 का हल

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	के	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	को	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6215

3	1					
	31		37		28	
4		5			1	2
	29		40	7	34	3
1	6			3		
	32		26	5	34	1
	5		3		2	7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6214 का हल

1	2	3	4	5	6	7
7	24	2	32	3	41	6
2	3	4	5	6	7	1
6	28	1	36	2	30	4
3	4	5	6	7	1	2
5	39	7	43	4	25	5
4	5	6	7	1	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

डब्लूएफआई अध्यक्ष पद के लिए 2 उम्मीदवार ही रेस में : संजय सिंह और कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट अनीता श्योराण में मुकाबला; दो कैंडिडेट ने नाम वापस लिया

संजय सिंह

मुंबई।
भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद के लिए यूपी कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह और 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेडलिस्ट अनीता श्योराण के बीच मुकाबला होगा। चुनाव 12 अगस्त को होना है। नामांकन वापस लेने के लिए अंतिम दिन दो उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया। जम्मू कश्मीर के दुष्यंत शर्मा और दिल्ली कुश्ती संघ के जयप्रकाश पहलवान ने नाम वापस ले लिया।

12 अगस्त को चुनाव, 7 अगस्त को उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट जारी होगी

ओलिंपिक समिति की ओर से गठित एडहॉक कमेटी के सदस्य और चुनाव अधिकारी जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के पूर्व न्यायधीश महेश मित्तल कुमार सात अगस्त को उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची जारी करेंगे। 12 अगस्त को चुनाव अध्यक्ष (1), वरिष्ठ उपाध्यक्ष (1), उपाध्यक्ष (4), महासचिव (1), कोषाध्यक्ष (1), संयुक्त सचिव (2) और कार्यकारी सदस्य (5) पदों के लिए होंगे। बृजभूषण के समर्थन वाले पहलवानों में दिल्ली कुश्ती संघ के अध्यक्ष जयप्रकाश पहलवान ने अपना नाम वापस ले लिया। जिसके बाद इस गुट से संजय सिंह रह गए। वहीं खेल मंत्रालय के समर्थन से अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने वाली अनीता और दुष्यंत शर्मा में से दुष्यंत ने भी अपना नाम वापस ले लिया। अनीता श्योराण हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर हैं। उनका नाम वोटिंग लिस्ट में खेल मंत्रालय ने ओडिसा ईकाई से डाल दिया था। जिसको लेकर बृजभूषण सिंह के समर्थकों ने विरोध जताया था।

संजय सिंह बृजभूषण के खास, अनीता को खेल मंत्रालय का समर्थन प्राप्त

संजय सिंह निर्वतमान अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के गुट से हैं। जबकि अनीता को खेल मंत्रालय और बृजभूषण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे ओलिंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का समर्थन हासिल है। सूत्रों की मानें तो आखिरी समय तक खेल मंत्रालय और पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के बीच समझौते की बात चली लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। सचिव के लिए चंडीगढ़ के दर्शन लाल और रेलवे प्रमोशन बोर्ड के प्रेमचंद लोचाब के बीच मुकाबला वहीं सचिव पद के लिए पूर्व ओलिंपियन जयप्रकाश की ओर से नाम वापस लेने बाद अब मुकाबला चंडीगढ़ के दर्शन लाल और रेलवे प्रमोशन बोर्ड के सचिव प्रेमचंद लोचाब के बीच होगा। दर्शनलाल बृजभूषण सिंह के समर्थक हैं।

न्यूज ब्रीफ

टी-20 से रिटायरमेंट की नहीं सोच रहे रोहितः कहा- अमेरिका में छुट्टियां मनाने की खास वजह, यहां अगला टी-20 वर्ल्ड कप, एक्साइटेड हूं

मुंबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कैलिफोर्निया में एक इवेंट के दौरान कहा कि 2024 का टी-20 वर्ल्ड

कप अमेरिका में खेला जाएगा। इसलिए मैं यहां फिर से आने के लिए एक्साइटेड हूं। रोहित ने कहा, एन्जॉय करने के अलावा, अमेरिका आने का एक और कारण है। क्योंकि आप जानते हैं, जून 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप होना है। यह काफी रोमांचक होगा और हम इसका इंतजार कर रहे हैं। 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। रोहित शर्मा 36 साल के हो गए हैं। ऐसे में उनके अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने की संभावना कम लग रही थी, लेकिन उन्होंने अब खुद ही संकेत दिया है कि वो अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रहे हैं। रोहित ने 9 महीने से कोई इंटरनेशनल टी-20 मैच नहीं खेला है। बता दें, 2022 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद भारत के टी-20 टीम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। हाल के दिनों में हार्दिक पांड्या इस फॉर्मेट में भारतीय टीम का नेतृत्व कर रहें हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के बजाए टीम सेलेक्टर्स युवाओं को मौका देना पसंद कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन का फाइनल हारे एचएस प्रणयः चीन के वेंग होंगयांग ने 9-21, 21-23, 22-20 से हराया; डेढ़ घंटे चला मुकाबला

मुंबई। ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन में भारत के एचएस प्रणय को फाइनल में चीन के वेंग होंग यांग से

हार का सामना करना पड़ा। वेंग होंग ने उन्हें फाइनल में 9-21, 21-23, 22-20 से हराया। वेंगे पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करने हुए उसके बाद दोनों गेम जीत लिए।

प्रणय ने सेमीफाइनल में प्रियांशु रजावत को हराया
प्रणय ने इसे पहले सेमीफाइनल में हमवतन प्रियांशु रजावत को 21-18, 21-12 से हराकर फाइनल में अपना जगह पक्का किया था। वहीं वेंग होंग यांग ने सेमीफाइनल में मलेशिया के ली जी जिया को 21-19, 13-21, 21-13 से हराया। फाइनल मुकाबला प्रणय और वेंग होंग यांग के बीच एक घंटे 30 मिनट तक चला। प्रणय को पहले गेम में एक तरफा जीत मिली। उन्होंने वेंग को 21-9 से हराया। वहीं दूसरे गेम में वेंग ने प्रणय के समाने चुनौती पेश की और इस गेम को अपने पक्ष में करते हुए 23-21 से जीत लिया। प्रणय ने तीसरे गेम में वेंग को चुनौती दी। पर इस गेम को 22-20 से प्रणय गंवा दिए। एचएस प्रणय और प्रियांशु रजावत के बीच सेमीफाइनल एकतरफा रहा। प्रणय ने महज 43 मिनट में ही प्रियांशु को 21-18, 21-12 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। प्रियांशु ने क्वार्टरफाइनल में किदाम्बी श्रीकांत को 30 मिनट के अंदर ही 21-13, 21-8 से हराकर बाहर कर दिया था। प्रणय ने अपने शुरुआती तीनों राउंड के मुकाबले 3-3 गेम में जीते। उन्होंने फर्स्ट राउंड में हॉन्ग-कॉन्ग के ली चीयुक यीयू, सेकेंड राउंड में ताइवान के ची यु जेन और तीसरे राउंड में इंडोनेशिया के एंथनी सिनिसुका गिंटिंग को हराया था।

पैट कमिंस की कलाई चोट.....भारत दौरे को लेकर संशय के बादल

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस कलाई में चोट के साथ एशेज टेस्ट श्रृंखला का 5वां मैच खेलने के कारण अगले माह भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि अभी कमिंस की चोट की जानकारी नहीं दी है। कमिंस को दक्षिण अफ्रीका और भारत दौरे (3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला) पर टीम का नेतृत्व करना है। यह श्रृंखला एकदिवसीय विश्व कप से पहले 22 सितंबर से मोहाली में शुरू होगी। रिपोर्ट के अनुसार दो सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि मेडिकल स्टाफ ने फ्रैक्चर की आशंका को खारिज नहीं किया है। पिछले हफ्ते ओवल में एशेज श्रृंखला की आखिरी टेस्ट के शुरुआती दिन इस तेज गेंदबाज की कलाई चोटिल हो गई थी। उन्होंने कलाई पर पट्टी लगाकर मैच में खेलना जारी रखा था। चोट के कारण कमिंस की गेंदबाजी में कोई बाधा नहीं आई, लेकिन बल्लेबाजी करते समय कमिंस परेशान दिखे।

पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के 13 प्लेयर्स चुने

बाकी 2 स्पॉट पर 6 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट ; चैम्पियंस ट्रॉफी जिताने वाले सरफराज भी संभावितों में

मुंबई।
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 2 महीने बाद शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए संभावित खिलाड़ियों को चुन लिया है। वर्ल्ड कप स्क्वॉड में 15 प्लेयर्स शामिल हो सकेंगे, पीसीबी के थिंक टैंक (एक्सपर्ट्स) ने इसके लिए 13 प्लेयर्स तय कर लिए हैं। बाकी बची 2 जगह पर भी 6 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट किए हैं। टीम जारी करने की डेडलाइन 5 सितंबर है, उससे पहले शॉर्टलिस्ट किए गए 6 में से 2 खिलाड़ियों को शामिल कर फाइनल स्क्वॉड जारी कर दिया जाएगा।

मोहम्मद हारिस और शफीक 13 संभावितों में नहीं - पाकिस्तान के न्यूज चैनल की रिपोर्ट अनुसार, बाबर आजम ही टीम की कप्तानी करेंगे। 13 संभावितों में आगा सलमान, उसामा मिर और मोहम्मद वसीम जूनियर के नाम शामिल किए गए हैं। जबकि टीम को इमर्जिंग एशिया कप जिताने वाले कप्तान मोहम्मद हारिस और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज का हिस्सा रहे अब्दुल्ला शफीक और इहसानुल्लाह खान को भी 13 प्लेयर्स में जगह नहीं मिली।

देखें वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान के 13 संभावित प्लेयर्स - बाबर आजम, फखर जमान, इमाम-अल-हक, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), शादाब खान, हारिस रउफ, नसीम शाह, शाहीन अफरीदी, उसामा मीर, मोहम्मद नवाज, आगा सलमान, इफ्तिखार अहमद और मोहम्मद वसीम जूनियर।

2 स्पॉट के लिए 6 प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट - 13 संभावित चुनने के बाद वर्ल्ड कप स्क्वॉड में 2 ही प्लेयर्स शामिल हो सकेंगे। इन 2 पोजिशन के लिए सरफराज अहमद, शान मसूद, अब्दुल्लाह शफीक, सउद शकील, मोहम्मद हारिस और तैय्यब ताहिर शामिल हैं।

सरफराज कैसे आ सकते हैं भारत - वर्ल्ड कप स्क्वॉड में 15 प्लेयर्स के साथ 3 रिजर्व प्लेयर्स के नाम भी देने होते हैं। इस सिचुएशन के अनुसार, शॉर्टलिस्ट किए गए 6 प्लेयर्स में से 2 मेन स्क्वॉड में जगह बनाएंगे, वहीं बाकी 4 में से ही किन्हीं 3 प्लेयर्स का नाम रिजर्व प्लेयर्स में शामिल किए जाने के चांस रहेंगे। शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स में शामिल सरफराज अहमद ने अपनी कप्तानी में पाकिस्तान को 2017 की चैम्पियंस ट्रॉफी जिताई थी। टीम ने फाइनल में भारत को ही हराया था। अगर सरफराज रिजर्व प्लेयर्स का हिस्सा भी रहे तो वह वर्ल्ड कप के दौरान भारत आ सकते हैं। अगर टूर्नामेंट के दौरान या पहले कोई प्लेयर इंजर्ड हो गया तो सरफराज इंजर्ड खिलाड़ी की जगह लेकर मेन स्क्वॉड में शामिल किए जा सकते हैं।

अफगानिस्तान सीरीज से आखिरी 2 प्लेयर्स तय होंगे - वर्ल्ड कप के लिए स्क्वॉड जारी करने की डेडलाइन 5 सितंबर है। पाकिस्तान टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 22 अगस्त से 3 वनडे की सीरीज खेलेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इसी दौरान पाकिस्तान बोर्ड अपना फाइनल वर्ल्ड कप स्क्वॉड भी जारी कर देगा। अफगानिस्तान से वनडे सीरीज श्रीलंका में होगी। इस सीरीज के बाद ही 30 सितंबर से एशिया कप भी शुरू हो जाएगा, जिसके मुकाबले श्रीलंका के साथ पाकिस्तान में भी होंगे।

वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से, पाकिस्तान का पहला मैच 6 अक्टूबर को - इस बार का वनडे वर्ल्ड कप भारत में 5 अक्टूबर से खेला जाएगा। ओपनिंग मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होगा। पाकिस्तान अपना पहला मैच 6 अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा। भारत के खिलाफ टीम का मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से उसे अब 14 अक्टूबर को कराया जाएगा।

पाकिस्तान के 3 मैच री-शेड्यूल हो सकते हैं - रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के 3 वर्ल्ड कप मैच सुरक्षा कारणों से री-शेड्यूल हो सकते हैं। भारत के खिलाफ उनका मुकाबला 15 अक्टूबर को होना था, लेकिन यह अब 14 अक्टूबर को होगा। इस कारण श्रीलंका के खिलाफ टीम का मुकाबला 12 की बजाय 10 अक्टूबर को शिफ्ट होगा।

8200 करोड़ में बिक सकते हैं बीसीसीआई के मीडिया राइट्स

2028 तक के 88 होम मैचों के अधिकार बिकेंगे; ऑस्ट्रेलिया से 21 और इंग्लैंड के 18 मुकाबले

मुंबई।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को टीम इंडिया के भारत में होने वाले मैचों की मीडिया राइट्स की नीलामी से बड़ी राशि मिलने की उम्मीद है। एशिया कप से पहले होने वाली इस नीलामी से भारतीय बोर्ड को एक बिलियन डॉलर (करीब 8200 करोड़ रुपए) मिल सकते हैं। बोर्ड 2028 तक के 88 होम मैचों के मीडिया राइट्स नीलाम करेगा। इनमें किसी आईसीसी टूर्नामेंट के तहत होने वाले मुकाबले शामिल नहीं हैं। इनमें सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज के तहत भारत में होने वाले मुकाबले ही शामिल हैं। 2 दिन पहले ही इसके राइट्स के टेंडर जारी हुए हैं। नीलामी अगस्त के आखिरी हफ्ते में हो सकती है। इससे पहले, 25 अगस्त टेंडर डॉक्यूमेंट जमा करने की आखिरी तारीख है। ऑस्ट्रेलिया से 21 और इंग्लैंड से 18 मैच खेलेगी टीम इंडिया 2023 से 2028 साइकिल में भारतीय टीम 88 मुकाबले खेलेगी। इनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 और इंग्लैंड के खिलाफ 18 मुकाबले होंगे। आईपीएल की तर्ज पर ई-नीलामी कराएगा बोर्ड मीडिया राइट्स के लिए भारतीय बोर्ड ई-नीलामी करा सकता है। बोर्ड ने पिछले साल आईपीएल मीडिया राइट्स के लिए भी ई-नीलामी ही कराई थी। जबकि 2018 में बीसीसीआई राइट्स के लिए ऑफलाइन ऑक्शन हुए थे। जिसमें स्टार इंडिया ने बाजी मारी थी। करीब 6 हजार करोड़ में बिके थे पिछले राइट्स पिछली नीलामी में भारतीय बोर्ड ने अपने मीडिया राइट्स 944 मिलियन डॉलर (6138 करोड़ भारतीय रुपए) में स्टार इंडिया को नीलाम किए थे।

चेन्नई में स्पोर्ट्स इवेंट में बड़ा हादसा, रेस के दौरान 13 वर्षीय श्रेयस की बाइक क्रैश, हुई मौत

चेन्नई।
बेंगलुरु के 13 वर्षीय प्रतिभाशाली कोप्पाराम श्रेयस हरीश की चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में एमआरएफ एमएमएससी एफएमएससीआई इंडियन नेशनल मोटरसाइकिल रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर में दुर्घटना के बाद लगी चोटों के कारण मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद इवेंट के प्रमोटर मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब ने निर्धारित बाकी बची रेस रद्द कर दी। 26 जुलाई 2010 को जन्मे, बेंगलुरु के केन्सरी स्कूल के छात्र श्रेयस को एक उभरते सितारे के रूप में देखा जा रहा था। उन्होंने इस सीजन में पेट्रोनास टीवीएस वन-मेक चैम्पियनशिप की रूकी कैटेगरी में हिस्सा लेते हुए राष्ट्रीय स्तर पर लगातार चार रेस समेत कई रेस जीती थीं। हालांकि, चेन्नई में रेसिंग इवेंट के दौरान उन्हें जान गंवानी पड़ी। यह घटना रेस की शुरुआत के तुरंत बाद हुई। श्रेयस ने पोजीशन के लिए क्वालिफाई किया था। टर्न-1 से बाहर निकलते समय श्रेयस ट्रैकपर बाइक क्रैश के बाद ट्रैक पर गिर गए और उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं। रेस को तुरंत रेड फ्लैग दिखाकर रोक दिया गया और श्रेयस को ट्रैक पर तैनात ट्रॉमा केयर एम्बुलेंस में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनके पिता कोप्पाराम हरीश उनके साथ मौजूद थे। एमएमएससी के अध्यक्ष अजीत थॉमस ने कहा- इतने युवा और प्रतिभाशाली राइडर को खोना दुखद है। श्रेयस, जो अपनी विलक्षण रेसिंग टैलेंट से धूम मचा रहे थे, उन्हें घटना के तुरंत बाद मौके पर चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और अस्पताल ले जाया गया। इन परिस्थितियों में हमने इस सप्ताह के अंत के बाकी कार्यक्रमों को रद्द करने का फैसला किया है। एमएमएससी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। इस साल मई में श्रेयस ने मिनीजीपी इंडिया का खिताब जीतने के बाद स्पेन में मिनीजीपी रेस में हिस्सा लिया था और दोनों रेस में क्रमशः पांचवें और चौथे स्थान पर रहे थे। उन्हें अगस्त में मलयेशिया के सेपांग सर्किट में एमएसबीके चैंपियनशिप 2023 में 250 सीसी श्रेणी (ग्रुप बी) में टीम सीआरए मोटरस्पोर्ट्स का प्रतिनिधित्व करते हुए रेस करनी थी। इस साल भारतीय मोटरस्पोर्ट में यह दूसरी मौत है। जनवरी में, 59 वर्षीय केई कुमार, जो कि एक प्रसिद्ध और सम्मानित रेसर, उनकी मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में एमआरएफ एमएमएससी एफएमएससीआई इंडियन नेशनल कार रेसिंग चैंपियनशिप 2022 के दूसरे दौर में दुर्घटना के बाद मौत हो गई थी।

ऐशेज...बॉल बदलने पर ड्यूक्स के मालिक जांच करवाएंगे : कहा- मेरा नाम खराब हो रहा; गेंद पर स्टांप रहता है, 5 साल पुरानी होना मुश्किल

मुंबई।
ड्यूक्स के मालिक ने ऐशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट में गेंद बदलने पर हुए विवाद को लेकर जांच करने का वादा किया है। पांचवें मैच में जिस बॉल को लेकर विवाद हुआ उस गेंद को 5 साल पुराना बताया जा रहा है। ऐसे में ड्यूक गेंद बनाने वाली कंपनी ब्रिटिश क्रिकेट लिमिटेड के मालिक दिलीप जजोदिया ने हाल ही में कोड स्पोर्ट्स से कहा, मैच में पांच साल पुरानी गेंद दे दी जाए इसकी संभावना बहुत कम है, क्योंकि गेंद पर स्टांप रहता है। उन्होंने आगे कहा, ऐसा नहीं है कि ये नामुमकिन है, लेकिन इसके चांसेस बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा है कि हम मामले में जांच करेंगे क्योंकि इससे मेरा नाम खराब हो रहा है।

पूरा मामला

पांचवें टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के 37वें ओवर में उस्मान ख्वाजा के हेलमेट पर मार्क वुड की बाउंसर लगने के बाद गेंद बदल दी गई। ऑस्ट्रेलिया के ख्वाजा के हेलमेट पर गेंद लगी, जिसके बाद गेंद का शेप बिगड़ गया। इंग्लैंड टीम ने अंपायर कुमार धर्मसेना और जोएल विल्सन से गेंद बदलने का अनुरोध किया और गेंद बदल दी गई। ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की हार के बाद कहा था कि उन्होंने तुरंत अंपायर कुमार धर्मसेना से गेंद के चॉइस के बारे में पूछताछ की, जो पिछली गेंद की तुलना में काफी नई लग रही थी। बता दें, ऑस्ट्रेलिया ने विरोध किया था कि 36 ओवरों के बाद जो नई गेंद लाई गई, वह जैसी होनी चाहिए थी (जितनी पुरानी), उससे अधिक हार्ड और शाइनी थी।

रिकी पोंटिंग ने की थी आलोचना

इस पूरे विवाद पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने जमकर अंपायरों के फैसले पर आलोचना की थी। उन्होंने गेंद के चुनाव को अंपायर्स की बड़ी गलती बताई थी और इसकी जांच होनी चाहिए कहा था।

वर्ल्ड आर्चरी...अदिति के बाद ओजस प्रवीण ने दिलाया गोल्ड

17 साल की स्वामी एक सीजन में 2 टाइटल जीतने वाली दुनिया की पहली तीरंदाज

बर्लिन।
भारत ने बर्लिन में जारी वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में तीसरा गोल्ड जीत लिया है। 17 साल की अदिति स्वामी के बाद ओजस प्रवीण ने देश को इंडिविजुअल कैटेगरी का दूसरा गोल्ड दिलाया। यह दिन का दूसरा गोल्ड और ओवरऑल तीसरा मेडल है।

इसके साथ ही चैंपियनशिप में भारत के कुल मेडल की संख्या 15 पहुंच गई है। इसमें 3 गोल्ड शामिल हैं। एक दिन पहले भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने गोल्ड जीता था।

ओजस ने मेंस कंपाउंड कैटेगरी में 150 में से 150 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने मेंस कैटेगरी का पहला गोल्ड दिलाया है। उनसे पहले अदिति ने अदिति ने विमेंस कंपाउंड कैटेगरी के फाइनल में मैक्सिको की दो बार की वर्ल्ड चैंपियन एंड्रिया बकेरा को 149-147 से हराया। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप के एक ही सीजन में दो टाइटल जीतने वाली दुनिया की पहली तीरंदाज बन गई हैं। अदिति अंडर-18 (कैडिट) कैटेगरी में भी वर्ल्ड चैंपियन हैं। अदिति के अलावा ज्योति सुरेखा ने ब्रॉन्ज हासिल किया। पहली बार वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप 1931 में हुई थी। हालांकि कंपाउंड इवेंट 1995 से हो रहे हैं। कंपाउंड इवेंट ओलिंपिक में शामिल नहीं है।

फाइनल में ओजस के सभी तीर निशाने पर

मेंस कंपाउंड कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में ओजस प्रवीण ने कमाल की तीरंदाजी की। उन्होंने 150 में से 150 अंक अर्जित किए। यानी कि ओजस के सभी के सभी तीर निशाने पर लगे।

फाइनल में सभी तीर परफेक्ट 10 पर लगे, सिर्फ एक अंक गंवाया

फाइनल मुकाबले में अदिति ने शानदार प्रदर्शन किया। इस युवा आर्चर ने 5 सेट के फाइनल में सिर्फ एक तीर 9 अंक पर मारा। शेष सभी तीर निशाने पर मारते हुए 10-10 अंक हासिल किए।

अदिति ने पहले सेट में तीन परफेक्ट 10 लगाते हुए 30 अंक अर्जित किए, जबकि मैक्सिकन आर्चर ने 29 अंक हासिल किए। पहले सेट में शानदार शुरुआत के बाद अदिति ने दूसरे, तीसरे और चौथे सेट में भी परफेक्ट 10 हासिल किए। आखिरी सेट का पहला तीर 9 अंक लेकर आया। इस तरह अदिति ने 150 में से 149 अंक हासिल किए।

वहीं, दो बार की वर्ल्ड चैंपियन एंड्रिया बकेरा ने पहले सेट में एक अंक से पिछड़ने के बाद दूसरे सेट में 30 अंक हासिल किए। उन्हें तीसरे और चौथे सेट में 29-29 अंक से संतोष करना पड़ा। आखिरी और पांचवें सेट में 30 अंक लेने के बाद भी वे जीत नहीं सकीं।

ज्योति ने ब्रॉन्ज दिलाया

चैंपियनशिप की विमेंस कंपाउंड इंडिविजुअल कैटेगरी में अदिति के अलावा ज्योति सुरेखा को ब्रॉन्ज मिला। सुरेखा तीसरे स्थान पर रहीं।

2 साल में एक बार होती है वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप

आर्चरी में वर्ल्ड कप और वर्ल्ड चैंपियनशिप दो इवेंट होते हैं। वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप की शुरुआत 1931 से हुई।1931 से 1969 तक इसका आयोजन हर साल होता रहा। जबकि 1969 के बाद से इसका आयोजन हर दो साल के बाद होता है। भारत ने इस चैंपियनशिप में 9 बार सिल्वर और 2 बार ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। वहीं वर्ल्ड कप का आयोजन 2006 से शुरू हुआ। वर्ल्ड कप के 4 स्टेज होते हैं, जो अलग-अलग देश में होते हैं। इन चारों स्टेज को मिलाकर टॉप-8 में रहने वाली टीम और तीरंदाज वर्ल्ड कप फाइनल में भाग लेते हैं।

सनी ने बॉडी शेव करने वाले स्टार्स पर साधा निशाना, बोले -

मुझे शर्म आती है ये देखकर

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल (सनी देओल) सालों बाद पर्दे पर फिर से वापसी कर रहे हैं। एक्टर अपनी अपकमिंग फिल्म गदर 2 को लेकर चर्चा में बने हुए है। इन दिनों एक्टर फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में सनी ने मेल एक्टर के अपने बॉडी को शेव करने पर एक चौंका देने वाला बयान दिया है। सनी देओल (सनी देओल) और अमीषा पटेल की आने वाली फिल्म गदर 2 रिलीज होने वाली हैं। ऐसे में दोनों सितारे फिल्म का जमकर प्रमोशन भी करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच एक्टर का एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें सनी देओल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई पहलुओं पर भी बात की है। सनी देओल ने आजतक को दिए इंटरव्यू में उन एक्टर्स पर निशाना साधा जो अपनी बॉडी को शेव करते हैं। इस दौरान एक्टर ने कहा, बॉडी को शेव करके उन्हें लगता है कि वो स्टार बन गए हैं, लेकिन मुझे तो ऐसा करने में बहुत ज्यादा शर्म आती है, जब हम अपने बॉडी शेव कर लेते हैं, लगता है कि लड़की बन गए है. । आगे उन्होंने कहा कि लाइफ में उन्होंने कभी भी सिक्स-पैक एब्स बनाने के बारे में नहीं सोचा, क्योंकि मुझे लगता है हम लोग एक्टर हैं कोई बॉडीबिल्डर नहीं है जो ऐसा करेंगे। हम इस इंडस्ट्री में एक्टिंग के लिए ही आए है, बॉडी बिल्डिंग करने के लिए नहीं। गदर 2 की स्टार अटारी-वाघा बॉर्डर पर अपनी फिल्म का प्रमोशन करने पहुंचे। इस दौरान एक्टर ने हिंदुस्तान जिंदाबाद है, जिंदाबाद था और जिंदाबाद रहेगा के नारे भी लगाए। इस दौरान उन्होंने भारतीय जवानों संग मस्ती भी की। बता दें, 11 अगस्त को पर्दे पर सनी देओल के साथ बॉलीवुड खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार टकराने वाले हैं। अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की फिल्म ओएमजी 2 भी 11 अगस्त को ही रिलीज हो रही हैं। अब देखना होगा दर्शक अपना सबसे ज्यादा प्यार किसे देते हैं।

अनुपम खेर को आई दोस्त सतीश कौशिक की याद

दोस्ती ही एक ऐसा रिश्ता है, जिसे इंसान खुद अपने लिए चुनता हैं। दोस्त ही वो होता है, जिसके साथ हम अपनी ऐसी खुशी और गम भी बांट लेते हैं। आज देश भर में फ्रेंडशिप डे मनाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर हर कोई फ्रेंडशिप डे सेलिब्रेशन की फोटोज और वीडियोज शेयर कर रहा है। बॉलीवुड में भी इसकी धूम देखने को मिल रही है। इसी बीच अनुपम खेर ने दोस्ती को लेकर एक पोस्ट साझा किया है। अभिनेता अनुपम खेर ने फ्रेंडशिप डे के मौके पर इंस्टाग्राम पर अनिल कपूर, सतीश कौशिक और अपनी एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा कि हैप्पी फ्रेंडशिप डे! आज सतीश की कुछ ज्यादा ही याद आ रही है! बता दें, इस सितारों की दोस्ती फिल्मी गलियारों में सबसे पुरानी है। सतीश कौशिक के निधन के बाद अनुपम खेर ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि, अक्सर लड़ाई-झगड़े होते थे, लेकिन रोज सुबह फोन पर एक-दूसरे से बात करते थे। अनुपम खेर ने कहा था कि सतीश कौशिक से 45 साल पुरानी दोस्ती सिर्फ दोस्ती नहीं बल्कि एक आदत में तब्दील हो चुकी थी। बता दें, इसी साल 9 मार्च को सतीश कौशिक को अचानक दिल का दौरा और हमेशा के लिए इस दुनिया को छोड़कर चले गए। अनुपम खेर के वर्कफ्रंट की बात करे तो उन्होंने हाल ही में अपनी 538वीं फिल्म की घोषणा की थी, जिसमें वो रबींद्रनाथ टैगोर का रोल प्ले करने जा रहे हैं। हाल ही में वह ऊंचाई में नजर आए थे। अब जल्द कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी में दिखेंगे। इसके अलावा मेट्रो इन दिनों, द वैक्सीन वॉर जैसी फिल्में भी शामिल है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**